शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-338

एक शहर-दो मेयर?

वाईएस की राह पर रेवंत

हैदराबाद, 11 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 2026 में होने जा रहे जीएचएमसी चुनाव को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने 150 की जगह वार्डों की संख्या 300 करने का फैसला कर न केवल सभी पार्टियों का गणित बिगाड़ दिया, बल्कि जीएचएमसी को देश का सबसे बड़ा निगम बनाकर उस पर काबिज होने का खाका भी खींच लिया है। 300 वार्ड बनते ही जीएचएमसी की सीमा 2053 वर्ग किलोमीटर हो जाएगी, जो देशभर में किसी भी निगम से अधिक है। और तो और वार्डों की संख्या दिल्ली (250) व बृहनमुंबई नगर निगम बीएमसी (227) से आगे निकल जाएगी। दरअसल ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कार्पोरेशन (जीएचएमसी) में कांग्रेस अपनी मट्टी पलीद हो चुकी साख बचाने के लिए कथित रुप से मजलिस के साथ मिलकर 'बाँटो और राज करो' की चीर परिचित चाल चल रही है। गौरतलब है कि 2016 व 2020 के जीएचएमसी चुनावों में कांग्रेस को 150 वार्डों में से मात्र 2-2 सीटें ही मिली थी। मजलिस, बीआरएस व भाजपा के गढों में सेंधमारी कर कांग्रेस 2009 में वाईएस राजशेखर रेड्डी के दौर का अपना पुराना वैभव चाहती है। उस समय तेलुगु देशम पार्टी और आल इंडिया मजलिस ईत्तेहादुल मुस्लमीन (एआईएमआईए) का जीएचएमसी पर वर्चस्व था। वाईएस ने 2007 में आस-पास की 12 नगरपालिकाओं को मिलाकर जीएचएमसी की मौजूदा 100 सीटों को 150 कर दिया था। परिणामस्वरुप कांग्रेस को 2009 के चुनाव में 52 सीटें मिली और उसने मजलिस के समर्थन से तारनाका की कार्पोरेटर बंडा कार्तिका रेड्डी को मेयर बना दिया तथा मजलिस के जाफर हुसैन को डिप्टी मेयर की सीट देकर नवाजा था। अब मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी महानगर में अपनी पैठ जमाने के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रूतबे वाले वार्डों की सीमाओं को मजलिस व कांग्रेस के अनुकूल पुन:रेखांकित कर रहे हैं, ताकि दोनों अपनी ताकत बढ़ा सके। ऐसी चर्चा हैं कि भविष्य में दो मेयर होंगे, ताकी दोनों पार्टियां एक-एक बांट सके। हालांकि सूत्रों से पता चला कि एमआईएम के एक प्रतिनिधिमंडल ने विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व में जीएचएमसी कमिश्नर आर. वी कर्णन से उनके चैम्बर में मुलाक़ात कर ओल्ड सीटी के कुछ वार्डों के सीमांकन को लेकर आपत्ति जताई है। इस दल में एमआईएम के वरिष्ठ नेता माजिद हुसैन, कौसर मोहीद्दीन, अहमद बिन अब्दुल्लाह बलाला, एमएलसी रहमत बेग भी शामिल थे।

कहा जा रहा है कि मजलिस को यह उम्मीद थी कि मौजूदा 150 सीटों को बढाकर 260-270 भी किया गया तो ओल्ड सीटी में संख्या 90 से 100 तक हो जाएगी, लेकिन प्रस्तावित सूची के अनुसार चारमीनार जोन के अंतर्गत 54 सीटों में मात्र 18 का ईजाफा होगा यानि 72 सीटे ही बढेगी। उधर, भाजपा के कुछ पार्षदों ने भी मेयर विजयलक्ष्मी गद्वाल से भेंटकर वार्डों के विभाजन को मजलिस के अनुकूल व अवैज्ञानिक ठहराया।

उनका कहना था कि सीमांकन के दौरान विशेष रूप से ध्यान रखा जाए कि प्रत्येक वार्ड में केवल 45 हजार मतदाता ही शामिल है। फिलहाल प्रस्ताव में कई वार्डों में असमानता दिखाई दे रही है।

पहले ही दिन मिलीं 40 शिकायतें

ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) को नए वार्डों की सीमाओं के संबंध में पहले ही दिन 40 शिकायतें प्राप्त हुईं।

जीएचएमसी ने हाल ही में 300 अधिसूचित वार्डों और उनकी सीमाओं की एक सूची जारी की है, जिसके विवरण को सभी सर्कल, जोनल और जीएचएमसी मुख्यालय कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किया गया है। इन विवरणों को जीएचएमसी के आधिकारिक पोर्टल: www.ghmc.gov.in पर भी अपलोड किया गया है।

नए विलय किए गए शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में पेद्दा अम्बरपेट, जलपल्ली, शमशाबाद, तुरकयामजल, माणिकोंडा, नारसिंगी, आदिबाटला, तुक्कुगुडा, मेडचल, दम्माईगुडा, नागारम, पोचारम, घटकेसर, गुंडला पोचमपल्ली, तुमकुंटा, कोमपल्ली, दुंडीगल, बोल्लारम, तेल्लापुर, अमीनपुर, बादंगपेट, बंडलागुडा जागीर, मीरपेट, बोडुप्पल, पीरज़ादीगुडा, जवाहरनगर और निज़ामपेट शामिल हैं।

महेश बैंक चुनाव

लो अब तो मुहर भी लग गई...

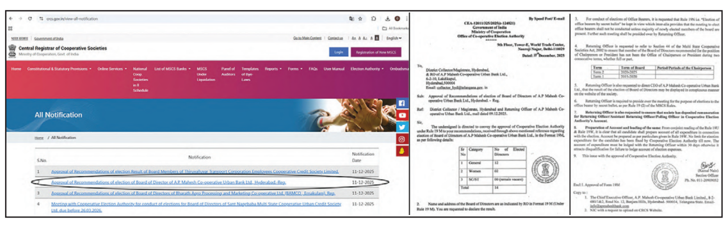

एपी महेश कोआपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, हैदराबाद के चुनावी नतीजों को गुरुवार को सेंट्रल रजिस्ट्रार आफ कोआपरेटिव सोसाइटिस, नई दिल्ली की मंजूरी मिल गई है। भारत सरकार के सहकारी मंत्रालय के तहत कोआपरेटिव इलेक्शन अथारिटी ने चुनाव अधिकारी प्रभारी जिलाधीश मनु चौधरी की नतीजों को मंजूरी संबंधी सिफारिश को स्वीकार कर लिया। इस बाबत मंत्रालय की वेबसाइट crcs.gov.in पर विजेताओं की पूरी सूची और मंजूरी पत्र उपलब्ध है।

11 दिसंबर को अपलोड किये गये पत्र में चुनाव के नतीजों को नियमानुसार घोषित करने का आग्रह किया गया है। इस पर सेक्शन आफिसर कमल नैन के हस्ताक्षर व भारत सरकार की मुहर है। गौरतलब है कि महेश बैंक के चुनाव में दो पैनलों के 12-12 प्रत्याशियों सहित कुल 31 उम्मीदवार सामान्य श्रेणी व 4 महिलाएं (2-2) महिला वर्ग से खड़ी थी। महेश बैंक के चुनावी इतिहास के इस सबसे सौहार्दपूर्ण/निष्पक्ष/सुचारु चुनाव के नतीजों को औपचारिक मंजूरी मिलने के साथ ही पटाक्षेप हो गया। पूरी चुनावी प्रक्रिया के दौरान दोनों पैनलों ने एक-दूसरे के खिलाफ न तो कोई मुकदमा किया और न ही कहीं कोई कहा-सुनी हुई।

ज्ञातव्य है कि श्री रमेश कुमार बंग समर्थित संस्थापक पैनल ने 13-1 से एकतरफा जीत हासिल की थी। मतदान 7 दिसंबर को और मतगणना 8 दिसंबर को हुई थी। 9 दिसंबर को नतीजों की जानकारी सहकारी मंत्रालय, नई दिल्ली भेजी गई, जहाँ से 11 दिसंबर को मंजूरी मिल गई। माना जा रहा है कि निर्वाचन अधिकारी शीघ्र ही बैंक के मुख्यालय, वेबसाइट व जिलाधीश कार्यालय में मंजूरी की सूचना देंगे।

पीएम मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर की बात, द्विपक्षीय संबंधों को लेकर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर बातचीत कर भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। दोनों नेताओं ने माना कि दो बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच तेज़ी से मजबूत होते संबंध वैश्विक राजनीति में अहम भूमिका निभा रहे हैं। बातचीत का मुख्य फोकस रक्षा, ऊर्जा, सुरक्षा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और गहराई देना रहा।

मोदी और ट्रंप ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा करते हुए द्विपक्षीय सहयोग में हो रही निरंतर मजबूती पर संतोष जताया। दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि व्यापार बढ़ाने के लिए गति बनाए रखना आवश्यक है। इसके साथ ही दोनों ने यह भी माना कि आने वाले समय में दोनों देशों को नई तकनीकों, रक्षा और सुरक्षा में आपसी सहयोग बढ़ाने की जरूरत है।

बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने कॉम्पैक्ट कार्यक्रम पर भी चर्चा की। यह कार्यक्रम 21वीं सदी के लिए दोनों देशों के बीच सैन्य, तकनीकी और व्यापारिक सहयोग को मजबूत बनाने पर केंद्रित है। मोदी और ट्रंप ने महत्वपूर्ण तकनीकों, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने माना कि इन क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के हित में है।

दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिति को लेकर भी विचार साझा किए। बातचीत में वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सहयोगात्मक ढांचे को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। दोनों देशों ने माना कि कई मुद्दे ऐसे हैं, जिन पर मिलकर काम करने से प्रभावी समाधान निकल सकता है। मोदी और ट्रंप ने साझा चुनौतियों से निपटने के लिए तालमेल बढ़ाने पर सहमति जताई।बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने कहा कि भारत और अमेरिका ▶10 पर

अन्ना हजारे का बड़ा ऐलान : 30 जनवरी से आमरण अनशन

यह आखिरी आंदोलन होगा

अहमदनगर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ एक बार फिर बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। हजारे ने गुरुवार को रालेगणसिद्धी में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वे 30 जनवरी से आमरण अनशन पर बैठेंगे और इस बार यह आंदोलन उनका अंतिम संघर्ष होगा।

अन्ना हजारे ने सरकार से मांग की कि वह महाराष्ट्र में लोकायुक्त कानून को तुरंत लागू करे। उन्होंने कहा कि यह कानून जनता के हित और पारदर्शिता के लिए आवश्यक है, लेकिन सरकार वर्षों से इसे

लोकायुक्त कानून लागू करने की मांग दोहराई

लटकाए हुए है। उन्होंने कहा, सरकार जनता की भलाई के लिए होती है, दिखावे के लिए नहीं। लोकायुक्त कानून लागू होना बेहद जरूरी है, और अब मैं इसके लिए आखिरी बार आंदोलन कर रहा हूँ।हजारे ने बताया कि 2022 में भी इसी मांग को लेकर उन्होंने रालेगणसिद्धी में अनशन किया था। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय कृषि मंत्री के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने अनशन समाप्त किया था। उस दौरान सरकार ने एक समिति गठित की, लोकायुक्त कानून का ड्राफ्ट तैयार हुआ, विधानमंडल के दोनों सदनों में कानून पास हुआ और फाइल राष्ट्रपति को भेजी गई।

इसके बावजूद कानून आज तक लागू नहीं हुआ। अन्ना हजारे ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर सात बार देवेंद्र फडणवीस को चिट्ठी लिखी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

उन्होंने सवाल उठाया, अगर यह कानून जनता के हित का है, तो सरकार इसे लागू करने में देरी क्यों कर रही है?

हजारे ने कहा कि लोकायुक्त कानून लागू होने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा और रालेगणसिद्धी में 30 जनवरी से वे आमरण अनशन पर बैठेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला:

कोविड ड्यूटी पर शहीद डॉक्टरों के परिवार को मिलेगा 50 लाख का बीमा

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान ड्यूटी निभाते हुए जान गंवाने वाले सरकारी एवं निजी दोनों ही अस्पतालों के डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के परिवार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत 50 लाख रुपये के बीमा कवर के हकदार हैं। यह फैसला बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को पलटते हुए दिया गया है, जिसमें निजी अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों को योजना के लाभ से बाहर कर दिया गया था। जस्टिस पी. एस. नरसिम्हा और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि महामारी के दौरान डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सेवाओं का अनिवार्य अधिग्रहण किया गया था। यह स्थिति निम्नलिखित दस्तावेजों से स्पष्ट है: एपिडेमिक डिजीज एक्ट, महाराष्ट्र कोविड रेगुलेशंस 2020, नवी मुंबई नगर निगम का 31 मार्च 2020 का आदेश, पीएमजीकेपी स्कीम और उसके FAQs. पीठ ने कहा, कानून की मंशा साफ है-कोई भी डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी पीछे नहीं रहना चाहिए। ▶10 पर

4,000 किलो विस्फोटक लूट के मामला

एनआईए ने 11 माओवादियों के खिलाफ दायर किया आरोपपत्र

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्र जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को ओडिशा के राउरकेला जिले में एक पत्थर की खदान के लिए ले जाए जा रहे लगभग 4,000 किलोग्राम विस्फोटक की लूट के मामले में 11 उग्रवादियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया।जिन लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया गया है, उनमें जरजा मुंडा उर्फ कुलु मुंडा, अनमोल उर्फ सुशांत उर्फ लालच हेंब्रम, रमेश उर्फ प्रीतम मांझी उर्फ अनल दा, पिंटू लोहरा उर्फ टाइगर, लालजीत उर्फ लालू, शिवा बोदरा उर्फ शिबू, अमित मुंडा उर्फ सुखलाल मुंडा, रवि उर्फ बीरेन सिंह, राजेश उर्फ मानसिद, सोहन उर्फ रंगा पुनेम और आप्टन उर्फ चंद्र मोहन हंसदा शामिल हैं। एनआईए अधिकारी ने बताया, सभी 11 लोगों पर यूए(पी) कानून, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) , हथियार कानून और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। ▶10 पर

उत्तर प्रदेश सहित छह राज्यों, केंद्र शासित क्षेत्रों में एसआईआर की तिथियां दोबारा बढ़ायी गईं

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात और तमिलनाडु तथा केंद्र शासित अंडमान निकोबार की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यक्रम में गुरुवार को संशोधन की घोषणा की।

आयोग ने इन पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश अंडमान निकोबार के मुख्य चुनाव अधिकारियों के अनुरोध पर वहाँ मतगणना प्रपत्र जमा कराने और संशोधित मतदाता सूची के मसौदों के प्रकाशन की तिथियां बढ़ा दी हैं।

आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार, उत्तर प्रदेश में मतगणना प्रपत्र जमा करने की तिथि 11 दिसंबर से बढ़ाकर 26 दिसंबर कर दी गयी है और राज्य की संशोधित मतदाता सूची का मसौदा 31 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा।

इसी तरह मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ और केंद्र शासित अंडमान में मतगणना प्रपत्र जमा कराने की तिथि 18 दिसंबर और संशोधित मतदाता सूची के मसौदे के प्रकाशन की तिथि 23 दिसंबर कर दी गयी है।

गुजरात और तमिलनाडु में मतगणना प्रपत्र को जमा करने की अंतिम तारीख 14 दिसंबर कर दी गयी है और इन दोनों राज्यों की संशोधित सूची का मसौदा 19 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

इससे पहले के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, इन सभी जगहों पर मतगणना प्रपत्र जमा करने की तिथि आज ही समाप्त हो रही थी, जबकि इनमें संशोधित सूची का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाना था।

आयोग ने इससे पहले केरल में मतगणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि संशोधित कर 18 दिसंबर कर दी थी और वहां संशोधित सूची का मसौदा 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाना था।

आयोग ने कहा है कि यह फैसला यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि नयी सूची में किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम नहीं छुटे। आयोग ने यह भी कहा है कि नये मतदाताओं को सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 और घोषणा पत्र भरने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्हें आयोग की वेबसाइट और ऐप के माध्यम से अपना फॉर्म और घोषणा पत्र जमा कराने की सुविधा भी है।

उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग ने बिहार के बाद 12 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए आयोग ने 27 अक्टूबर को आदेश जारी किया था। इसके अलावा, असम की सूची की भी विशेष संक्षिप्त समीक्षा करने का काम चल रहा है। इन संशोधित सूचियों की संदर्भ की तिथि एक जनवरी 2026 रखी गयी है।

कार्टून कॉर्नर

भारत पर बड़े हमले की साजिश

लश्कर-जैश ने विस्फोटक विशेषज्ञ बांग्लादेश भेजे

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ के इशारे, शह एवं समर्थन पर आतंकी संगठन - लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद भारत पर बड़े हमले की साजिश रच रहे हैं। भारतीय खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के अनुसार, लश्कर के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर गुलाम जम्मू-कश्मीर से आतंकियों का एक समूह बांग्लादेश में भेजा गया है। यह समूह विस्फोटकों का विशेषज्ञ है और अपने समकक्षों को प्रशिक्षण देने के लिए बांग्लादेश पहुंचा है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब खुफिया एजेंसियों को जैश और लश्कर द्वारा बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में अपने माड्यूल को फिर से सक्रिय करने के प्रयासों के बारे में जानकारी मिली है। खुफिया ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि इन आतंकी संगठनों द्वारा बांग्लादेश में विस्फोटक विशेषज्ञों को भेजना किसी बड़ी घटना का संकेत है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है क्योंकि भारत में जल्द घुसपैठ करने और बम विस्फोट करने के प्रयास किए जा सकते हैं। पड़ोसी बांग्लादेश में काफी सक्रिय हैं आइएसआइ समर्थित गतिविधियां भारतीय एजेंसियों के अनुसार, बांग्लादेश में आइएसआइ समर्थित गतिविधियां काफी सक्रिय हैं। बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में यूं तो हमेशा ही बांग्लादेश स्थित आतंकी सगठनों का खतरा बना रहता है, लेकिन इस बार स्थिति अलग है। बांग्लादेश में एक मित्रवत शासन के समर्थन की बदौलत पाकिस्तान किसी बड़े हमले की साजिश रच रहा है। आतंकियों की हालिया गतिविधियों के साथ-साथ प्राप्त हो रही ▶10 पर

सामाजिक उत्सव संस्कार संध्या का दूसरा दिन भव्यता से सम्पन्न

हुब्बली/शुभ लाभ ब्यूरो। संस्कार सीबीएसई इंग्लिश मीडियम स्कूल में 17वें वार्षिक सामाजिक उत्सव संस्कार संध्या के दूसरे दिन का आयोजन हायर प्राइमरी एवं हाई स्कूल (कक्षा 5 से 10) के विद्यार्थियों हेतु बड़े उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के छात्रों की प्रार्थना से हुआ। स्वागत श्रीलेखा सूरबन और धैर्य सुराणा (कक्षा 3) ने किया। मुख्य अतिथि कर्नाटक हैंडलूम डेवलपमेंट कारपोरेशन की प्रबंध निदेशक गरिमा पवार (आईएएस), रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में एन आर गंगावती के सिल्क के मेल आनंद कमतगी उपस्थित थे। अतिथियों का परिचय कक्षा 10 के विद्यार्थियों सतशा वोरा, तनिष्का खोड़े और प्रद्युम्न गुनारी ने कराया। अतिथियों ने फाउंडर चेयरमैन महेंद्र एच. सिंघी और प्रबंधन सदस्यों के साथ पौधार-ोपण कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि पंवार ने अपने संबोधन में बालिकाओं को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए अपनी शिक्षिका की प्रेरणादायक भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपनी बेटियों को आगे बढ़ने के हर अवसर में समर्थन दें। विशिष्ट अतिथि प्रकाश सेठ ने संस्कार विद्यालय को हुब्बल्ली का श्रेष्ठ विद्यालय बताते हुए कहा कि बच्चों को केवल अंक प्राप्ति तक सीमित न रखते हुए उनकी रुचियों एवं प्रतिभाओं को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। कक्षा 5 से 10 के विद्यार्थियों ने कव्वाली-लावणी, गंगा की राह, यादों की बारात, किशोर कुमार धर्मेंद्र, सम्राट पृथ्वीराज, यल्लम्मा, संभाजी महाराज, कार्निवल, अरेबिक टैप डांस, राष्ट्रीय एकता, अभिमन्यु, कृष्ण शेड्स ऑफ लव, हिप हॉप एमिनेम एमजे, काली कल्कि आदि विषयों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं। शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। समारोह में बेस्ट स्टूडेंट और एकेडमिक टोप्पेर्स का सम्मान किया गया। विद्यालय का सर्वोच्च सम्मान संस्कार रत्न 2025 26 कक्षा 10 की जान्वी के. जयान को प्रदान किया गया। निर्णायक मंडल में प्रो. नजीम मिश्रीकोटी, नील प्रथापन और डॉ. आर्या अंकेलिकर शामिल रहे। विजेत-ाओं को ट्रॉफी, प्रशस्ति, प्रमाणपत्र एवं 10,000 नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडर चेयरमैन महेंद्र एच. सिंघी ने की। प्रबंध समिति के अध्यक्ष महावीर पी. कुंदूर, उपाध्यक्ष कांति लाल बोहरा, कार्यदर्शी सुधीर एस. वोरा, कोषाध्यक्ष उज्ज्वल एम. सिंघी, निदेशक जयंतीलाल चौहान, सपना एस. वोरा सदस्य, बेटरमेंट कमेटी, विद्यालय कर्मचारी एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उप-स्थित रहे।

नि:शुल्क कृत्रिम अंग मापन शिविर सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक मारवाड़ी समाज द्वारा बुधवार को महाराजा अग्रसेन भवन में नि:शुल्क कृत्रिम अंग मापन शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में जरूरतमंद मरीजों ने हिस्सा लिया। शिविर के दौरान कुल 176 मरीज पंजीकृत हुए, जिनमें से 124 लाभार्थियों के कृत्रिम अंगों हेतु माप लिए गए। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं शारीरिक चुनौती का सामना कर रहे व्यक्तियों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराकर उन्हें फिर से सामान्य जीवन की ओर लौटने में मदद करना है। शिविर के संचालन में समाज से जुड़े स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सहयोग देने वालों में प्रमुख रूप से बिमल सरावगी, अभिमन्यु, आनंद पोद्दार, आनंद अग्रवाल, रिंकिश, संदीप पोद्दार, विशंभर बैरोलिया, पिंटू अग्रवाल, मनोज पोद्दार, विकास बलोडिया, तरुण चांदगाठिया, आशीष फिटकरीवाला, प्रभात यडुका, पंकज संथालिया, सौरव चानानी, आशीष जाजोदिया, राकेश जिंदल, रंजन भवसिंका, आनंद गिंदोरिया, अरविंद सलमपुरिया, राघव भवसिंका, पंकज अग्रवाल, नेहा चानानी, मेघा अग्रवाल और इशिका पोद्दार का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने मरीजों के मार्गदर्शन एवं समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समाज के अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिन लाभार्थियों के माप लिए गए हैं, उन्हें 28 दिसंबर को कृत्रिम अंग वितरित किए जाएंगे।समाज के अध्यक्ष प्रवीण तुलसीयान और सचिव मोहित तुलसीयान ने सभी स्वयंसेवकों, सहयोगियों एवं संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

आचार्य तुलसी ने चित्त शुद्धि और चरित्र शुद्धि पर विशेष बल दिया: मुनि पुलकित कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्यश्री महाश्रमणजी के विद्वान सुशिष्य डॉ. मुनिश्री पुलकित कुमार नचिकेता, मुनिश्री आदित्य कुमार के पावन सानिध्य में अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री तुलसी का दीक्षा शताब्दी महोत्सव शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन बन्नेरघट्टा तेरापंथ सभा के तत्वावधान में संभवनाथ जैन मंदिर परिसर एसएन एन राज लेक व्यू अपार्टमेंट बीटीएम लेआउट में किया गया।

डॉ मुनि पुलकित कुमारजी ने आचार्य श्री तुलसी के प्रति श्रद्धा समर्पित करते हुए कहा आचार्य श्री तुलसी ने चित्त शुद्धि और चरित्र शुद्धि पर विशेष बल दिया। उनकी दीक्षा तेरापंथ धर्म संघ का इतिहास बदलने वाली रही। आचार्य श्री तुलसी साहसी और सृजनशील व्यक्तित्व के धनी थे। वे सौभाग्यशाली आचार्य रहे कि उन्हें गुरु भी महान मिले और शिष्य समुदाय भी समर्पित मिला। आचार्य श्री तुलसी ने युग परिवर्तन में समाज को नया दिशा बोध दिया। आचार्य श्री तुलसी ऐसे महापुरुष रहे जो समय और सीमा में कभी बंधे नहीं। नचिकेता मुनि आदित्य कुमार ने गीत प्रस्तुत किया। अर्हत वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मंगलाचरण में ज्ञानशाला के ज्ञानार्थी नमन, पूर्वी एवं मनन जैन ने तुलसी अष्टकम का संगान किया। स्वागत भाषण सुनील बैद ने दिया। बन्नेरघट्टा तेरापंथ सभा कोषाध्यक्ष छतर सिंह सेठिया, गुरुदेव तुलसी के परिवार की तरफ से अतुल खटेड, ललिता खटेड, उपासिका भारतीय डागा, लक्ष्मी सुराणा, रेणु बैद तथा श्रुताराधना सामायिक महिला ग्रुप की बहनों ने गीत एवं वक्तव्य के माध्यम से श्रद्धा समर्पित की। तेरापंथ प्रोफेशनल फॉर्म की तरफ से रीशु बैद ने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंतर्गत मुनि श्री ने आचार्य से तुलसी की मंत्र आराधना भी कार्रवाई। आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष संतोष गोठी तथा कार्यक्रम का संचालन ज्ञानशाला प्रशिक्षिका मधु खटेड ने किया।

गृह विभाग में पदोन्नति के लिए 70.30 अनुपात का हो रहा उपयोग: गृह मंत्री

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने विधान परिषद में कहा कि गृह विभाग में पदोन्नति के लिए 70.30 अनुपात का उपयोग किया जा रहा है। कांग्रेस के डीटी श्रीनिवास ने 20 वर्षों से बेंगलूरु सिटी ट्रैफिक पुलिस विभाग में सेवा दे रहे विभिन्न रैंक के पुलिसकर्मियों की पदोन्नति को लेकर सवाल किया। परमेश्वर ने कहा, समय-समय पर कानून के मुताबिक चरणबद्ध तरीके से प्रमोशन दिए जाते रहे हैं। हम 70.30 के अनुपात में प्रमोशन दे रहे हैं। 70 प्रतिशत सीधी भर्ती और 30 प्रतिशत पदोन्नति के माध्यम से। कहीं भी किसी नियम का उल्लंघन नहीं हो रहा है। विभाग में युवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। हमने सीधी भर्ती और पदोन्नति की अनुमति दी है। उन्होंने कहा कि सेवा अनुभव के आधार पर पदोन्नति दी जायेगी। तब कांग्रेस सदस्य अब्दुल जब्बार ने कहा क्या सरकार ने देखा है कि राज्य में नशीले पदार्थों का उत्पादन और बिक्री चल रही है। परमेश्वर ने जवाब दिया कि पुलिस को हर महीने स्कूलों और कॉलेजों का दौरा करना चाहिए। पुलिस ने एक ही दिन में 1000 स्कूलों का दौरा किया है। ज्यादातर दवाएं अफ्रीका से आ रही हैं। हम उन लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज करेंगे जिन्होंने ड्रग्स बेचने वालों को मकान किराए पर दिया है। उन्होंने कहा कि हमने ड्रग्स के मामले में बहुत सख्त कदम उठाए हैं।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। डॉ. विष्णु सेना समिति द्वारा आयोजित श्री बड़े महाकाली महादेवी उत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। मोहन एवं रवि ने मुणोत को सम्मानित किया।

आचार्य श्री तुलसी दीक्षा शताब्दी सामारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशा जी की पावन सन्निध्य में राष्ट्रसंत आचार्य तुलसी के दीक्षा शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रात्रिकालीन कार्यक्रम भक्ति संध्या एक शाम तुलसी के नाम अयोजित की गई। साध्वी पुण्ययशाजी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा आचार्य श्री तुलसी ने स्व-कल्याण के साथ जन कल्याण का जो कार्य किया उसे शताब्दियां क्या सहस्राब्दियां भी विस्मृत नहीं कर पायेगा। उन्होंने अणुव्रत के माध्यम से देश की एकता और नैतिकता को मजबूत करने का प्रयास किया। वे एक महान क्रांतिकारी धर्माचार्य थे। उनके रोम रोम में संगीत थिरकता था। संगीत में सत्य शिव और सौन्दर्य होता है। संगीत हमें प्रभु व आत्मा दोनों से जोड़ता है। बीमारियों को भी ठीक किया जा सकता है। भक्ति संध्या के प्रमुख आकर्षक थी तीन जोड़ियां मधुर संगायक गुलाब बाँठिया, देवेन्द्र नाहटा और प्रसिद्ध संगायिका हेमलता पिपाड़ा। तीनों ही कलाकारों ने भावपूर्वक मधुर गीतिकाओं से सभी के मन को मोह लिया। सांय 7.30 से रात्रि 10 बजे तक कार्यक्रम चला। कार्यकम की शुरुआत बिड़दी एवं ईगल्टन की बहनों द्वारा की गई। दिलखुश ने सभी का स्वागत करते हुए साध्वीश्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया। साध्वी श्री वर्धमानयशाजी व साध्वी बेधिप्रभाजी ने मधुर गीतिकाएं प्रस्तुत की। सीमा दक ने आभार जताया। मंच का संचालन संगीता देवड़ा ने कुशलता पूर्वक किया। खटेड़ परिवार के द्वारा ओ लाडनूं रो हीरो गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर राजराजेश्वरी नगर, मांड्या, बिड़दी से भाईयों की अच्छी उपस्थिति रही। इमरतलाल देवड़ा के निवास स्थान मधुवन में यह कार्यक्रम आयोजित था। इस अवसर पर राजराजेश्वरी नगर सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़, उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़, सुरेश देवड़ा, रमेश देवड़ा, इमरतलाल देवड़ा, कुशल देवड़ा, अजय छाजेड़, पदम खटेड़, जीतेन्द्र भंसाली, प्रदीप भंसाली आदि उपस्थित थे। फिजियोथेरेपिस्ट कुसुम जैन को सम्मानित किया गया। साध्वी जी के मंगलपाठ से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

पार्श्वनाथ भगवान की महिमा अपरम्पार: साध्वी भव्यगुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री पार्श्व सुशील धाम में प्रव-ासरत साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि पार्श्वनाथ भगवान की महिमा अपरम्पार है। परमात्मा के दर्शन कर आत्मा प्रसन्नचित्त हुआ और मन प्रफुल्लित हुआ। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि जीवन को सुखी बनाने का पहला सिद्धांत या मंत्र है, अपनी सोच को हमेशा बड़ा रखो। हमारे दुख हमारे हालात ने नहीं पैदा किए हैं। अपने नजरिए को हमेशा बड़ा और सकारात्मक रखो। जैसा आदमी का नजरिया होता है, वैसा ही उसे नजारा दिखता है। दूसरा सिद्धांत है अपने स्वभाव को हमेशा सॉफ्ट यानि उत्तम मधुर व सरल बनाए रखें। जीवन को सफल सार्थक बनाने के लिए तीन बातों को हमेशा के लिए अपना लो, पॉजीटिव माइंड, पॉवरफुल माइंड और पीसफुल माइंड। जिसके पास ये तीन चीजें होती हैं वह दुनिया का राजा आदमी होता है। तीसरा सिद्धांत है अपने अपने पारिवारिक दायित्व को जरूर निभाएं। चौथा है जीवन में हमेशा अच्छाई के, भलाई के रास्ते पर चलें। पांचवा सिद्धांत है- दुनिया के हर धर्म परम्परा का सम्मान करें। गौतमचंद छाजेड ने बताया कि साध्वीवृंद बुधवार को दोपहर में विहार करके मलबेरी सिल्क बोथरा फेक्टरी पधारेगी।

राज्य में नए स्कूल कमरों के निर्माण के लिए 360 करोड़ रुपये जारी: मंत्री मधु बंगारप्पा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। स्कूली शिक्षा और साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने विधानसभा को बताया कि राज्य में नए स्कूल कमरों के निर्माण के लिए 360 करोड़ रुपये जारी की जाएगी। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान विधायक महेश तेंगिनाकाई के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि कमरों के रखरखाव पर 100 करोड़ रुपये और शौचालयों के निर्माण पर 90 करोड़ रुपये खर्च किये गए।

प्री डिग्री कॉलेजों में नये भवनों के निर्माण, मरम्मत एवं शौचालयों के निर्माण हेतु 97 करोड़ रुपये स्वीकृत है। कैबिनेट की बैठक में नये कमरों के निर्माण, मरम्मत और शौचालय निर्माण को मंजूरी दी गयी। इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। स्कूली छात्रों को जूते-मोजे के लिए 117 करोड़ उपलब्ध है और पहले ही 97 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। एसडीएमसी उस कमेटी को पैसा देगी, जो जूते मोजे बांटेगी। जूते मोजे के लिए न तो पैसों की कमी है और न ही बिचौलियों की। यदि विभागीय अधिकारियों द्वारा कोई गड़बड़ी की गई तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। संचित निधि धन का उपयोग करने का सुझाव नहीं दिया जाता है। इससे पहले, महेश तेंगिनाकाई ने कहा कि स्कूल शैक्षणिक वर्ष समाप्त होने में केवल 3 महीने बचे हैं। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि अभी तक छात्रों को जूते-मोजे नहीं दिए गए हैं।

धर्मस्थल विवाद बीजेपी-आरएसएस के मतभेदों का नतीजा था: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा धर्मस्थल सामूहिक दफन विवाद भाजपा और आरएसएस के बीच मतभेदों के कारण हुआ था। उन्होंने पत्रकारों से कहा मुझे पता था कि यह कोई सीधा मामला नहीं था, और इस विवाद के पीछे कोई साजिश थी। मुझे एहसास हुआ कि यह बीजेपी और आरएसएस के बीच गहरे मतभेदों के कारण था। लेकिन फिर, सरकार ने अपना काम किया है। मैंने खुले तौर पर घोषणा की कि यह एक साजिश थी, क्योंकि मैं धर्मस्थल और उस संस्था को चलाने वाले लोगों को जानता हूं। मुझे यकीन है कि वे ऐसी चीजों में शामिल नहीं होंगे। एसआईटी ने अब साजिश करने वालों के खिलाफ सही कार्रवाई की है।

नफरत की राजनीति को किनारे रखा जाना चाहिए: विजयेन्द्र

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य उच्च न्यायालय ने राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की सरकार के जनऔषधि केंद्रों को बंद करने के आदेश को रद्द कर दिया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि वह जनऔषधि केंद्रों को फिर से खोलने के सुझाव का स्वागत करते हैं। उन्होंने यहां मीडिया से बात करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री से मांग की कि नफरत की राजनीति को किनारे रखा जाना चाहिए। उन्हें केंद्र सरकार के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। इससे राज्य और गरीबों का भला होगा। उन्होंने यथासंभव लंबे समय तक अच्छी गति बनाए रखने का अनुरोध किया। जनऔषधि केंद्र एक कार्यक्रम है, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देन है। इस राज्य और देश के गरीब लोगों को सस्ती कीमत पर दवाएँ उपलब्ध हों इसलिए यह खुला है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम गरीबों को लाभ पहुंचाने के अच्छे इरादे से लागू किया गया था। राज्य की कांग्रेस सरकार को मोदी की लोकप्रियता बर्दाश्त नहीं है। सिद्धरामैया, जिन्हें अहिंदा मुख्यमंत्री के रूप में जाना जाता है, एक पिछड़े समुदाय से हैं और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र में कई जन-समर्थक कार्यक्रम और परियोजनाएं दी हैं। वह आजादी के बाद पहली बार लगातार तीसरी बार प्रधान मंत्री के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आल-ोचना करते हुए कहा कि गरीबों की योजना पर पत्थर फेंकने की साजिश सिद्धरामैया सरकार की थी।

कर्नाटक में नेतृत्व की खींचतान एक बार फिर सामने आई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में नेतृत्व की खींचतान एक बार फिर सामने आ गई है, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे और कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्धारमैया ने दोहराया कि हाई कमान ने राज्य में नेतृत्व में किसी भी बदलाव से इनकार कर दिया है। यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि सीएम सिद्धारमैया ने कहा है कि वह नेतृत्व में किसी भी बदलाव के बारे में हाई कमान के फैसले का पालन करेंगे। यह मामला तब और गंभीर हो गया जब उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने इस मुद्दे पर सीएम से स्पष्टीकरण मांगा। गुरुवार को बेलगावी में पत्रकारों से बात करते हुए, यतींद्र ने नेतृत्व में बदलाव की संभावना पर सवालों का जवाब देते हुए कहा सीएम पद के लिए कोई खींचतान नहीं है। मैंने आपको पहले ही बता दिया है। अब सब कुछ साफ है। हाई कमान ने साफ कह दिया है कि अभी नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा कि मुझे लगता है कि सीएम उनके लिए जवाब देंगे। इस घटनाक्रम से पार्टी के भीतर नेतृत्व पर बहस और तेज होने की संभावना है। यह ध्यान देने योग्य है कि शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद के लिए एक मजबूत दावेदार माना जाता है। शहरी विकास मंत्री सुरेश, जो सिद्धारमैया के करीबी सहयोगी हैं, ने कहा सिद्धारमैया हाई कमान के निर्देशों के अनुसार काम करेंगे। नेतृत्व में बदलाव के बारे में कोई फैसला नहीं लिया गया है। हम वही करेंगे जो सीएम कहेंगे। सीएम और हाई कमान जो भी कहेंगे, हम उसका पालन करेंगे। आबकारी मंत्री आर.बी. तिम्मापुर ने कहा कि सिद्धारमैया पहले ही कह चुके हैं कि वह हाई कमान के फैसले का पालन करेंगे और शिवकुमार ने भी कहा है कि वह पार्टी के निर्देशों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा हाई कमान विधायकों की राय लेने के बाद फैसला करेगा। इस बीच, कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन, जो शिवकुमार के कट्टर समर्थक हैं, ने कहा अगर हम नेतृत्व के बारे में बात करते हैं, तो वे नोटिस जारी करते हैं। हमारा हाई कमान शक्तिशाली है, कमजोर नहीं। कांग्रेस पार्टी में अनुशासन है। हम उस अनुशासन के प्रति प्रतिबद्ध हैं। कोई भी हाई कमान को नजरअंदाज नहीं कर सकता। उन्होंने कहा अगर हम बोलते हैं, तो यह आपत्तिजनक हो जाता है। अगर वह (सीएम का बेटा) बोलता है, तो यह जादू हो जाता है। टिप्पणी करने से पहले उसे परिस्थितियों को समझना चाहिए। हम सभी को अपनी स्थिति पता होनी चाहिए। हालिया तनाव तब शुरू हुआ जब यतींद्र ने सोमवार को कहा कि जो लोग मुख्यमंत्री पद में बदलाव की भविष्यवाणी कर रहे हैं, वे सपने देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाई कमान ने पहले ही साफ कर दिया है कि राज्य के नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा। यतींद्र ने कहा उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा है कि वह सीएम पद के दावेदार हैं। इसके जवाब में, हाई कमान ने साफ किया है कि यह सही समय नहीं है और यह भी साफ कर दिया है कि मुख्यमंत्री में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा बात यहीं खत्म हो जाती है। इसलिए, अब कोई झगड़ा नहीं है। विपक्षी पार्टियां बेवजह अफवाहें फैला रही हैं और गलत धारणाएं बना रही हैं। कर्नाटक में कांग्रेस के अंदरूनी कलह तब और बढ़ गई जब यतींद्र सिद्धारमैया ने दोहराया कि वह अपने विवादास्पद बयान पर कायम हैं कि हाई कमान ने शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के दावे को स्वीकार नहीं किया और उनके पिता पूरा कार्यकाल पूरा करेंगे।

मेंगलूरु कैंपस में रैंडम ड्रग टेस्ट किए गए: पहले चरण में 20 छात्र पॉजिटिव मिले

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मेंगलूरु शहर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा स्कूल और कॉलेज कैंपस में चलाए गए जागरूकता और ड्रग-टेस्टिंग अभियान का पहला चरण पूरा हो गया है। 77 संस्थानों में रैंडम जांच की गई, जिसमें 20 छात्र ड्रग्स लेने के दोषी पाए गए। मेंगलूरु शहर पुलिस कमिश्नर का पदभार संभालने के बाद, सुधीर कुमार रेड्डी ने ड्रग्स की तस्करी और सेवन पर कड़ी कार्रवाई शुरू की, खासकर कॉलेज कैंपस में जहां यह समस्या कथित तौर पर बढ़ रही है। कुछ कॉलेजों के मैनेजमेंट द्वारा आपत्ति जताए जाने के बावजूद, कमिश्नर ने अधिकारियों को बिना किसी समझौते के रैंडम ड्रग टेस्ट जारी रखने का निर्देश दिया। 1 जून से 30 नवंबर तक कॉलेज कैंपस में रैंडम ड्रग-टेस्टिंग की गई। मेंगलूरु साउथ सब-डिवीजन (उल्लाल, कोनाजे, मेंगलूरु रूरल) में, 29 कॉलेजों के 1,601 छात्रों का टेस्ट किया गया, जिसमें 8 छात्र पॉजिटिव और 1,593 निगेटिव पाए गए। मेंगलूरु सेंट्रल सब-डिवीजन (बंदर, उरवा, कादरी, पंडेश्वर) में, 30 कॉलेजों के 1,448 छात्रों का टेस्ट किया गया, 6 पॉजिटिव और 1,442 निगेटिव पाए गए। मेंगलूरु नॉर्थ सब-डिवीजन (पनाम्बूर, कावूर, बाजपे, सूरतकल, मुल्की, मूडबिद्री) में, 11 कॉलेजों के 2,020 छात्रों का टेस्ट किया गया, जिसमें कोई भी पॉजिटिव मामला नहीं मिला। कुल मिलाकर, शहर पुलिस कमिश्नरेट की सीमा में 70 कॉलेजों में रैंडम टेस्टिंग की गई, जिसमें 5,069 छात्र शामिल थे, जिनमें से 14 पॉजिटिव पाए गए। कई कॉलेज प्रशासन ने शुरू में रैंडम ड्रग टेस्ट में सहयोग करने से इनकार कर दिया था। नतीजतन, पुलिस कर्मियों ने कैंपस के आसपास जांच की, जिसके दौरान कुछ छात्र पॉजिटिव पाए गए। उनकी रिपोर्ट संबंधित कॉलेज मैनेजमेंट के साथ शेयर की गईं, जिसके बाद उन्होंने कैंपस में टेस्टिंग की अनुमति दी। कैंपस के बाहर की जांच के दौरान, मेंगलूरु साउथ सब-डिवीजन के 3 कॉलेजों के 30 छात्रों का टेस्ट किया गया, जिसमें कोई पॉजिटिव मामला नहीं मिला। सेंट्रल सब-डिवीजन में, 18 कॉलेजों के 88 छात्रों का टेस्ट किया गया, जिसमें 4 छात्रों के नतीजे पॉजिटिव आए। नॉर्थ सब-डिवीजन में, 7 कॉलेजों के 139 छात्रों का टेस्ट किया गया, और 2 पॉजिटिव पाए गए। पुलिस कमिश्नर सुधीर कुमार रेड्डी ने सुझाव दिया कि कॉलेज एडमिशन प्रोसेस के दौरान ही ड्रग टेस्ट करवाएं, यह कहते हुए कि ऐसा कदम एक मजबूत संदेश देगा और कैंपस को ड्रग-फ्री रखने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि कुछ संस्थान पहले से ही इस तरीके को अपना रहे हैं और सभी कॉलेजों को भी इसी मॉडल को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

मासिक धर्म की छुट्टी देने के लिए कानून तैयार

दायरा बढ़ाकर इसमें छात्रों और ट्रांसजेंडर लोगों को भी शामिल किया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
देश में पहली बार इस तरह के कानून के तहत, कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक महिला कल्याण अवकाश विधेयक, 2025 तैयार किया है, जो न केवल फॉर्मल सेक्टर में काम करने वाली महिलाओं बल्कि एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस में पढ़ने वाली छात्राओं, ट्रांसजेंडर, आशा वर्कर्स, आंगनवाड़ी और मिड-डे मील कर्मियों, और खदानों में काम करने वालों को भी मासिक धर्म की छुट्टी देता है। पहले के एक सरकारी आदेश में प्राइवेट सेक्टर को शामिल किया गया था, और पिछले हफ्ते सरकार ने अपने कर्मचारियों को भी इसके दायरे में लाया।
पहले तय की गई न्यूनतम उम्र 18 साल के बजाय, बिल में कोई न्यूनतम उम्र सीमा तय नहीं की गई है, लेकिन ऊपरी उम्र सीमा 52 साल या मेनोपॉज तक रखी गई है। जहां काम करने वाली महिलाओं को हर महीने एक दिन की छुट्टी मिलेगी, वहीं छात्राओं को महीने में दो दिन तक पीरियड्स की छुट्टी मिलेगी और इसके परिणामस्वरूप एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस में पीरियड्स की समस्याओं के लिए अटेंडेंस में 2 प्रतिशत की छूट मिलेगी। अगर कर्मचारी छुट्टी नहीं लेना चाहती है, तो अगर सुविधा उपलब्ध है तो वह घर से काम कर सकती है। डॉक्टर के सर्टिफिकेट को अनिवार्य न करते हुए, छुट्टी ई-मेल पर अनुरोध करके ली जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित बिल 11 दिसंबर को कैबिनेट में पास होने की संभावना है, जिसके बाद इसे विधानमंडल में पेश किया जाएगा। यह देश में अब तक प्रस्तावित सबसे व्यापक कानून होगा। जब पूछा गया कि क्या यह बिल कर्नाटक हाई कोर्ट में चल रहे मामले के जवाब में है, तो सूत्रों ने कहा कि सरकार कुछ समय से इस बिल पर काम कर रही है।

जेल में बंदियों को मेहमाननवाजी उपलब्ध कराने पर परिषद में प्रस्ताव

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु के परप्पना अग्रहारा में कैदियों को सरकारी मेहमाननवाजी का मुद्दा विधान परिषद में उठाया गया। सदस्य धनंजय सरजी ने शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया। उन्होंने चित्रदुर्ग में रेणुकास्वामी हत्या मामले में जेल में बंद दर्शन का मुद्दा भी उठाया। कैदियों को शाही मेहमाननवाजी का मुद्दा अब सबके सामने आ गया है, जिसमें दर्शन मामले का जिक्र किया गया है। राज्य सरकार की नाकामी की वजह से सोशल मीडिया पर हंगामा मचा हुआ है। हालांकि, जेल सुधारों पर एक कमेटी ने रिपोर्ट जमा कर दी है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट जमा करने के सालों बाद भी वे सरकारी अलमारी में धूल फांक रही हैं। साथ ही, सरकार ने एक और नई कमेटी बनाकर उसे आदेश दे दिया है। 2017 में, तमिलनाडु के एक नेता को इसी सेंट्रल जेल में वीआईपी सुविधाएं दी गई थीं। 2022 में, संदिग्ध आतंकवादियों और कैदियों ने मोबाइल फोन के इस्तेमाल की शिकायत की थी। जब वीडियो जारी हुआ, तो एडीजीपी मुरुगन ने एक कमेटी बनाई और रिपोर्ट दी, लेकिन उन्होंने इस बात पर एतराज जताया कि पावर ट्रांसफर के अलावा कोई सुधार नहीं हुआ। पिछले साल, आरोप लगे थे कि अभिनेता दर्शन और उनके साथियों को परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में राज्याती दी गई थी। उस समय आईजीपी डॉ. चंद्रगुप्त की अगुवाई वाली कमेटी को उसी कांग्रेस सरकार ने नियुक्त किया था। उन्होंने लंबी स्टडी के बाद 4 महीने पहले सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी थी। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि कई रिकमेंडेशन देने के बावजूद सरकार ने कोई एक्शन नहीं लिया। सरजी ने मांग की कि सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए कमेटी के ऊपर एक कमेटी अपॉइंट करने के बजाय कमेटियों द्वारा पहले दी गई रिपोर्ट को लागू करे।

ग्रेटर मैसूरु सिटी कॉर्पोरेशन में लाइब्रेरी की संख्या में होगी वृद्धि

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मैसूरु सिटी कॉर्पोरेशन के प्लान किए गए विस्तार (जिसे 'ग्रेटर मैसूरु सिटी कॉर्पोरेशन' बनाया जाएगा) से कई और शहरी लोकल बॉडी, टाउन पंचायत और ग्राम पंचायतें इसके अधिकार क्षेत्र में आ जाएंगी, जिससे सिटी लाइब्रेरी अथॉरिटी का अधिकार क्षेत्र बढ़ने की उम्मीद है। इसे देखते हुए, अथॉरिटी ने उन इलाकों में नई लाइब्रेरी बनाने का प्रस्ताव दिया है जहां अभी ऐसी सुविधाएं नहीं हैं। इस मामले पर रीजनल कमिश्नर और सिटी लाइब्रेरी अथॉरिटी के चेयरपर्सन की अध्यक्षता में हुई मैसूरु सिटी लाइब्रेरी अथॉरिटी की मीटिंग में चर्चा की गई। अधिकारियों ने फैसला किया कि वे निवासियों और लोकल संगठनों से उनके वार्ड में उपयुक्त नागरिक सुविधा वाली जगहों की पहचान करने में मदद लेंगे, जिनका इस्तेमाल लाइब्रेरी बनाने के लिए किया जा सके। एक बार ऐसी जगहों का प्रस्ताव मिलने के बाद, सिटी लाइब्रेरी अथॉरिटी मैसूरु डेवलपमेंट अथॉरिटी के साथ मिलकर जगहों के लिए जरूरी मंजूरी लेगी और लाइब्रेरी बनाने की योजनाओं पर आगे बढ़ेगी। अधिकारियों ने लोगों से जल्द से जल्द साइट के प्रस्ताव जमा करने का आग्रह किया, क्योंकि इस पहल का मकसद पूरे बढ़े हुए शहर के इलाके में छात्रों और आम पाठकों को फायदा पहुंचाना है।

सांसद ने मेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए पॉइंट ऑफ कॉल दर्जा देने की मांग की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने केंद्र सरकार से मेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट को तुरंत पॉइंट ऑफ कॉल (पीओसी) का दर्जा देने का आग्रह किया है। लोकसभा में नियम 377 के तहत यह मुद्दा उठाते हुए सांसद ने कहा कि यह एयरपोर्ट तटीय कर्नाटक और पड़ोसी केरल के लिए एक प्रमुख एविएशन गेटवे के रूप में काम करता है। 2024-25 के दौरान, एयरपोर्ट ने लगभग 23.4 लाख यात्रियों को संभाला, जिसमें 7.15 लाख अंतराष्ट्रीय यात्री शामिल थे, और 16,800 से ज्यादा फ्लाइट मूवमेंट हुए। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट ने 15 प्रतिशत से ज्यादा सालाना ग्रोथ दर्ज की है, जो क्षेत्रीय विकास और व्यावसायिक विस्तार के लिए इसके महत्व को दिखाता है। तुलुनाडु क्षेत्र की एक बड़ी आबादी खाड़ी और मध्य पूर्वी देशों में काम करती है, और यह समुदाय अंतराष्ट्रीय यात्रा के लिए मेंगलूरु एयरपोर्ट पर बहुत ज्यादा निर्भर है। हालांकि, सांसद चौटा ने बताया कि पीओसी दर्जे की कमी के कारण विदेशी एयरलाइंस एयरपोर्ट से सीधी अंतराष्ट्रीय सेवाएं संचालित नहीं कर पाती हैं। नतीजतन, यात्रियों को बेंगलूरु या कोच्चि के रास्ते यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे एनआरआई समुदाय के लिए खर्च बढ़ जाता है, यात्रा का समय लंबा हो जाता है, और कई असुविधाएं होती हैं। मेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट को पीओसी का दर्जा मिलने से सीधी अंतराष्ट्रीय कनेक्टिविटी मिलेगी, एविएशन संचालन का विस्तार होगा, और विदेशों में काम करने वालों और उनके परिवारों के लिए यात्रा आसान होगी। उन्होंने कहा कि ऐसी कनेक्टिविटी से स्थानीय व्यापार और निवेश गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, और समुद्री निर्यात, सुपारी और काजू प्रसंस्करण, और पेट्रोकेमिकल्स जैसे क्षेत्रीय उद्योगों को समर्थन मिलेगा। इससे मेंगलूरु स्पेशल इकोनॉमिक जोन के विकास में भी मदद मिलेगी। बेहतर अंतराष्ट्रीय पहुंच से तटीय पर्यटन को और बढ़ावा मिलेगा और शिक्षा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी।

सड़क हादसे में महिला श्रमिक की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
हेजमाडी कन्नंगारू ब्रह्मबैदरकला गराडी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर टायर फटने के बाद मजदूरों और कंक्रीट उपकरणों को ले जा रहे एक टेम्पो के पलट जाने से एक महिला श्रमिक की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान पार्वती (30) के रूप में हुई है। दुर्घटना में सवित्रम्मा, महेतेश और पांच अन्य घायल हो गए। टेंपो पुरुषों और महिलाओं को कंक्रीट मिक्सिंग मशीन और अन्य सामग्री के साथ मुल्की से उडुपी की ओर ले जा रहा था। जैसे ही वाहन तेज गति से चल रहा था, उसका एक टायर अचानक फट गया, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा, जिसके परिणामस्वरूप वाहन पलट गया। पलटे हुए टेम्पो के नीचे कई मजदूर फंस गए और स्थानीय लोग उन्हें बाहर निकालने के लिए मदद के लिए दौड़ पड़े। एक महिला मशीन के नीचे फंस गई थी, जिसे बचाने के लिए जनता और टोल कर्मचारियों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हेजमाडी टोल एम्बुलेंस और एक क्रेन तुरंत पहुंची और महिला को बचाया। वह गंभीर रूप से घायल हो गई और टोल एम्बुलेंस द्वारा मुक्का के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उसने दम तोड़ दिया। पदुबिद्री पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया।

2024-25 में एलडीईसी से आयातित सुपारी भारत के घरेलू उत्पादन का 1.5 प्रतिशत: केंद्रीय मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के अनुसार, अल्प विकसित निर्यातक देशों (एलडीईसी) से भारत में सुपारी का आयात 2022-23 में 32,238 टन से घटकर 2024-25 में 21,160 टन हो गया। मंत्री ने कहा कि यह मुख्य रूप से फरवरी 2023 में सुपारी के लिए न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) को 251 प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर 351 प्रति किलोग्राम करने के कारण हुआ। 2024-25 के दौरान एलडीईसी (बांग्लादेश, म्यांमार और भूटान) से आयातित सुपारी की मात्रा भारत के 14 लाख टन के घरेलू उत्पादन का केवल 1.5 प्रतिशत थी। उन्होंने सांसद कैप्टन बृजेश चौटा के एक अतारांकित प्रश्न के जवाब में लोकसभा को सूचित किया। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय, सुपारी और मसाला विकास निदेशालय के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले चार वर्षों के दौरान सुपारी की वार्षिक औसत कीमत 40,000 प्रति क्विंटल से ऊपर रही है, और इसमें कोई महत्वपूर्ण गिरावट नहीं देखी गई है। इसके अलावा, सरकार ने घरेलू किसानों के हितों की रक्षा करने, आयात को प्रतिबंधित करने, घरेलू बाजार में निम्न गुणवत्ता वाली सुपारी के प्रवेश को रोकने और घरेलू कीमतों की अस्थिरता को रोकने के लिए 2023 में सुपारी का एमआईपी बढ़ाया। केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड यह सुनिश्चित करने के लिए 'उत्पत्ति के नियमों' का सत्यापन कर रहा है कि ड्यूटी-फ्री टैरिफ वरीयता (डीएफटीपी) योजना के तहत कवर नहीं किए गए देशों में उत्पादित सुपारी को व्यापार समझौतों के तहत आयात शुल्क छूट का लाभ उठाते हुए डीएफटीपी वाले देशों के माध्यम से आयात नहीं किया जाता है। इसके अलावा, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के तहत सीमा शुल्क क्षेत्र संरचनाएं और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) हवाई, समुद्री और भूमि बंदरगाहों के माध्यम से भारत में सुपारी के अवैध परिवहन के लिए निरंतर निगरानी रखते हैं, और अवैध आयात को रोकने के लिए मौजूदा कानूनों के प्रावधानों के अनुसार उचित कार्रवाई करते हैं।

सड़क हादसे में महिला श्रमिक की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
हेजमाडी कन्नंगारू ब्रह्मबैदरकला गराडी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर टायर फटने के बाद मजदूरों और कंक्रीट उपकरणों को ले जा रहे एक टेम्पो के पलट जाने से एक महिला श्रमिक की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान पार्वती (30) के रूप में हुई है। दुर्घटना में सवित्रम्मा, महेतेश और पांच अन्य घायल हो गए। टेंपो पुरुषों और महिलाओं को कंक्रीट मिक्सिंग मशीन और अन्य सामग्री के साथ मुल्की से उडुपी की ओर ले जा रहा था। जैसे ही वाहन तेज गति से चल रहा था, उसका एक टायर अचानक फट गया, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा, जिसके परिणामस्वरूप वाहन पलट गया। पलटे हुए टेम्पो के नीचे कई मजदूर फंस गए और स्थानीय लोग उन्हें बाहर निकालने के लिए मदद के लिए दौड़ पड़े। एक महिला मशीन के नीचे फंस गई थी, जिसे बचाने के लिए जनता और टोल कर्मचारियों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हेजमाडी टोल एम्बुलेंस और एक क्रेन तुरंत पहुंची और महिला को बचाया। वह गंभीर रूप से घायल हो गई और टोल एम्बुलेंस द्वारा मुक्का के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उसने दम तोड़ दिया।

जम्मू-कश्मीर: उपराज्यपाल ने आतंकवाद पीड़ितों के 41 परिजनों को नौकरी के नियुक्ति पत्र दिए

जम्मू , 11 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि लंबे समय से आतंकवाद के पीड़ितों को चुपचाप संघर्ष करने के लिए छोड़ दिया गया था। साथ ही, उन्होंने आतंकी हमले के पीड़ितों के 41 परिजनों को नौकरी के नियुक्ति पत्र दिए। एज रिलैक्सेशन मामलों में 22 लाभार्थियों और जम्मू-कश्मीर पुलिस शहीदों के 19 आश्रितों को कंपैशनेट अपॉइंटमेंट रूल्स एसआरओ-43 और रिहैबिलिटेशन असिस्टेंस स्कीम (आरएएस) के तहत अपॉइंटमेंट लेटर भी सौंपे गए। इससे पहले, 28 जुलाई 2025 को उपराज्यपाल ने जम्मू डिवीजन के आतंकी पीड़ितों के 94 परिजनों को अपॉइंटमेंट लेटर सौंपे थे।

इस कदम से जम्मू डिवीजन के 135 आतंकी पीड़ित परिवारों को राहत मिली है, जिन्हें दशकों तक न्याय नहीं मिला था।

इस अवसर पर पीड़ितों के परिवारों ने निडर होकर अपनी बात रखी, दशकों के आतंक और मुश्किलों के बारे में बताया और पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों और उनके स्थानीय समर्थकों का पर्दाफाश किया।

अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने आम नागरिकों की शहादत को श्रद्धांजलि दी और आतंकी हमलों के पीड़ितों के परिवारों के दुख में शामिल हुए।

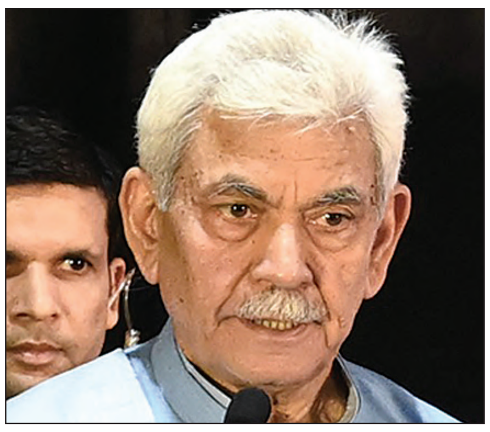

उपुराज्यपाल ने कहा कि आतंकवाद पीड़ितों के परिवारों को दशकों तक चुपचाप संघर्ष करना पड़ा। इन परिवारों को न्याय नहीं मिला। गहरे जख्म कभी नहीं भरे। अब ऐसे परिवारों को पहचान, सम्मान और पुनर्वास दिया जा रहा है। आतंकवाद के असली पीड़ितों और सच्चे शहीदों को नौकरी देना यह दिखाता है कि देश ठोस कार्रवाई के साथ उनके साथ खड़ा है।

उन्होंने दोहराया कि जिन परिवारों ने सबसे बड़ी कीमत चुकाई है, उनकी गरिमा और आर्थिक सुरक्षा बहाल करना उनकी प्रतिबद्धता है।

राहत के लिए 20 साल के इंतजार के बाद नसीब सिंह और उनके परिवार का दुख आखिरकार खत्म हो गया है।

लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा कि हमने शांति खरीदी नहीं है, बल्कि शांति स्थापित की है। कुशासन के दिन खत्म हो गए हैं। अब, आतंकवादियों, अलगाववादियों और उनके समर्थकों को सरकारी नौकरियां नहीं दी जाती हैं, बल्कि उनकी पहचान करके उनके कामों के लिए उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि खत्म हो रहे आतंकी इकोसिस्टम के कुछ तत्व देश के खिलाफ गलत जानकारी या नेगेटिव बातें फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उपराज्यपाल ने चेतावनी दी कि देश के मौजूदा कानूनी ढांचे के अनुसार ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि जो लोग अलगाववाद फैला रहे हैं और राष्ट्रीय एकता को खतरा पहुंचा रहे हैं, उन्हें कानून के मुताबिक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

उपराज्यपाल ने समाज के सभी वर्गों से जम्मू-कश्मीर में विकास के महायज्ञ में निस्वार्थ भाव से योगदान देने की अपील की।

इस मौके पर विधान सभा के सदस्य और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य भी मौजूद थे।

कांग्रेस को बहुमत तब मिलता था, जिस जमाने में मतपेटियां लूटी जाती थी : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा में गुरुवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर जोरदार कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि जबसे वोटर कार्ड आया, तब से कांग्रेस की सरकार आनी बंद हो गई। जब से सीसीटीवी कैमरा आया, तब से कांग्रेस की सरकारों का आना बंद हो गया। उन्होंने कहा कि जब से साक्षरता दर 50 प्रतिशत हो गई है, तब से कांग्रेसी सरकार आनी बंद हो गई है। जब से स्वतंत्र न्यायपालिका हो गई है, तब से कांग्रेस की सरकार आनी बंद हो गई है। जब से स्वतंत्र मीडिया हो गई है, तब से कांग्रेस की सरकार आनी बंद हो गई है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस को बहुमत तब मिलता था, जिस जमाने में मतपेटियां लूटी जाती थीं। चुनाव के दौरान हिंसा होती थी, गोलियां चलती थीं और कई लोग मारे जाते थे। बिहार के चुनाव में कई लोग मारे जाते थे। अब कांग्रेस की सरकार नहीं आती और अब बीता जमाना लौटकर भी नहीं आने वाला।

इस दौरान सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के उस बयान पर भी चुटकी ली, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे हाइड्रोजन बम लाएंगे। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पाकिस्तान के एक मंत्री ने कहा था कि उनके पास पाव-पाव भर के एटम बम हैं, लेकिन कांग्रेस ने जो हाइड्रोजन बम फोड़ा, वह तो छटांक भर का भी नहीं था।

वोट चोरी को लेकर उन्होंने कहा कि हाल ही में बिहार का विधानसभा चुनाव हुआ है। बीते कई वर्षों से यहां कांग्रेस की हालत बुरी है। कांग्रेस अधिकांश सीटों पर अपनी जमानत भी नहीं बचा पाई और ये हाल लगातार पिछले कई चुनावों से होता रहा है। बावजूद इसके कांग्रेस वोट चोरी का आरोप लगाती है। बिहार जैसे कई राज्यों में कांग्रेस का अस्तित्व तक नहीं है। वहां बीते कई दशकों में उसे बेहद कम वोट मिले और अधिकतर सीटों पर बीते कई दशकों के दौरान कांग्रेस की जमानत जब्त होती रही। बावजूद इसके कांग्रेस अब वोट चोरी का आरोप लगा रही है।सुधांशु त्रिवेदी ने राज्यसभा में बोलते हुए कहा कि पहले के जमाने में एक अश्वमेध यज्ञ होता था। अश्वमेध का घोड़ा जहां जाता था वहां विजय हासिल होती थी। मैं किसी के अपमान के लिए नहीं कह रहा हूं, इनके पास ऐसा घोड़ा है, जो जहां जाता है, वहां पराजय का मार्ग प्रशस्त कर देता है।उन्होंने कहा कि केरल में तो हमेशा से यह रहा है कि एक बार यूडीएफ की सरकार आती थी और एक बार लेफ्ट फ्रंट की सरकार आती थी, लेकिन इस बार यह घोड़ा वहां गया और वहां दोबारा लेफ्ट की ही सरकार आ गई। उन्होंने प्रश्न करते हुए कहा कि अब बताइए कि केरल में किसने वोट चोरी की है क्योंकि वहां तो लेफ्ट की सरकार आई है।

रेलवे मंत्री का संसद में जवाब: शिमला रेलवे स्टेशन को पर्यटन के लिहाज से विकसित किया जाएगा

धर्मशाला, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। रेलवे मन्त्री अश्वनी वैष्णव ने काँगड़ा लोकसभा सांसद डॉक्टर राजीव भारद्वाज को लोकसभा में बताया कि हिमाचल प्रदेश को उत्तरी रेलवे जोन में कवर किया गया है। र इस जोन के लिए वर्ष 2025-26, के लिए 2,216 करोड़ रूपये का बजट आबंटित किया गया है जिसमें से अब तक 919 करोड़ रूपये खर्च किये जा चुके हैं। उन्होंने प्रश्न के उतर में बताया कि अमृत भारत योजना के अन्तर्गत देश में 1337 रेलवे स्टेशन विकसित किये जा रहे हैं जिसमें से हिमाचल प्रदेश के पालमपुर, शिमला, बैजनाथ पपरोला और अम्ब अम्बोटा स्टेशन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसमें से पालमपुर, बैजनाथ पपरोला और अम्ब अम्बोटा रेलवे स्टेशनों को विकसित कर दिया गया है जबकि शिमला को मास्टर प्लानिंग के अन्तर्गत कवर किया जा रहा है। रेलवे मन्त्री अश्वनी वैष्णव ने काँगड़ा लोकसभा सांसद डॉक्टर राजीव भरद्वाज को लोकसभा में बताया कि पंचरुखी रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म, शेल्टर, वेटिंग हॉल, पेयजल, शौचालय और यात्रियों के बैठने की उचित सुविधा प्रदान की गई है जो कि तय मापदण्डों से ज्यादा हैं।

उन्होंने बताया कि रेल सुविधाओं के बिस्तार के लिए राज्य सरकारों, सांसदों, केन्द्रीय मन्त्रियों और अन्य जन प्रतिनिधियों से सुझाव नियमित रूप से प्राप्त होते हैं जिन्हे पर्याप्त जाँच पड़ताल के बाद कार्यन्वित किया जाता है।

उन्होंने बताया कि अमृत भारत योजना के अन्तर्गत रेलवे स्टेशनों पर वेटिंग हॉल, टॉयलेट, वाटर बूथ, बैठने की उचित ब्यबस्था, लिफ्ट, एस्कलेटर/रैंप आदि की आधुनिक सुविधाएँ विकसित की जा रहीं हैं। उन्होंने कहाकि इस योजना के अन्तर्गत रेलवे स्टेशन पर स्थानीय उत्पादों की विक्री को वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना के अंतर्गत प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा दिव्यांगों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाएँगी।

पटना में पुलिस मुठभेड़ में अपराधी घायल, हथियार भी बरामद

पटना, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। इस बीच, पटना में पुलिस और अपराधियों के साथ मुठभेड़ हुई। इस दौरान मुठभेड़ में जवाबी फायरिंग में पुलिस ने एक अपराधी को पैर में गोली मारी। पुलिस ने घटनास्थल से हथियार भी बरामद किया है। यह घटना पटना के जानीपुर थाना क्षेत्र के बग्घा टोला की बताई जा रही है। बुधवार की देर रात पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में कुख्यात राकेश कुमार घायल हो गया। अपराधी के पैर में गोली लगी है। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा ने गुरुवार को बताया कि 30 नवंबर को जानीपुर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति से रंगदारी मांगने और फायरिंग की सूचना पुलिस को मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) के नेतृत्व में इस मामले की जांच और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया।

गठित टीम द्वारा मानवीय एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर बुधवार की रात एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया तथा गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ के क्रम में पता चला कि जिस व्यक्ति ने रंगदारी की मांग एवं फायरिंग की थी, वह घटनास्थल पर दोबारा गया है।

कर्नाटक : छोटी-सी कहासुनी में पत्नी की हत्या, आरोपी पति गिरफ्तार

बागलकोट, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। एक छोटी-सी कहासुनी ने इतना भयानक रूप ले लिया कि पति ने अपनी पत्नी की कैंची से गोदकर हत्या कर दी। यह दिल दहला देने वाली घटना कर्नाटक के बागलकोट जिले के तेरदाल शहर के गुम्मटगल्ली इलाके में हुई। मृतका का नाम लक्ष्मी है। वह भरतेश महेश्वरवाड़ी की पत्नी थी और सिर्फ 27 साल की थी। आरोपी पति भरतेश महेश्वरवाड़ी 32 साल का है। दोनों की शादी दस साल पहले हुई थी। इन दस सालों में पति-पत्नी के बीच रोजाना छोटी-मोटी बातों पर झगड़ा होता रहता था। परिवार के बुजुर्गों ने कई बार बीच-बचाव करके मामला सुलझाने की कोशिश की। लेकिन, हर बार नाकाम रहे। बुधवार की रात करीब दस बजे फिर किसी मामूली बात पर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। बहस इतनी बढ़ गई कि दोनों बेडरूम में जा पहुंचे। गुस्से में भरतेश ने कैंची उठाई और लक्ष्मी पर चार-पांच वार कर दिए। लक्ष्मी की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही तेरदाल पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भरतेश को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। लक्ष्मी के परिवार वालों ने भरतेश और उसके परिवार के कुछ सदस्यों के खिलाफ हत्या की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है।पड़ोसियों ने बताया कि दोनों के बीच झगड़े आम बात थे। कई बार तो आवाजें बाहर तक आती थीं। लोग समझाते भी थे। लेकिन, बात नहीं बनती थी।

काशी तमिल संगमम 4.0 : किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या में किए रामलला के दर्शन

अयोध्या, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। काशी तमिल संगमम 4.0 के अंतर्गत आए किसानों के प्रतिनिधिमंडल के लिए गुरुवार का दिन भावनात्मक और ऐतिहासिक क्षण बन गया। प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी और पवित्र सरयू नदी का दर्शन किया और इस अनुभव ने हर किसान के दिल को गहराई से स्पर्श किया। जैसे ही किसान राम मंदिर के दर्शन स्थल पर पहुंचे, उनके कदम थम गए और आंखें नम हो उठीं। कई किसान भावुक होकर बोले कि यह केवल दर्शन नहीं, बल्कि 500 वर्षों की आस्था, संघर्ष और प्रतीक्षा की पूर्णता है। प्रभु श्रीराम की भव्य प्रतिमा को देखते ही उनके भीतर संचित भावनाएं उमड़ पड़ीं। कुछ किसान तो हाथ जोड़कर खड़े ही रह गए, मानो उनके पास शब्द ही न बचे हों। उन्होंने कहा कि आज उन्हें महसूस हुआ कि सदियों की प्रतीक्षा का फल मिल गया। इसके बाद किसानों ने हनुमानगढ़ी पहुंचकर बजरंगबली के चरणों में प्रणाम किया। जयकारों की गूंज और भक्तिभाव से भरे वातावरण ने उन्हें भीतर तक ऊर्जा से भर दिया। कई किसानों ने कहा कि हनुमानजी के दरबार में खड़े होकर उन्हें जीवन के संघर्षों से लड़ने की प्रेरणा मिली।

दोपहर में जब वे सरयू नदी के तट पहुंचे, तो नदी की ठंडी हवा और शांत प्रवाह ने उन्हें गहरी आध्यात्मिक शांति प्रदान की। किसान सरयू जी के किनारे बैठकर देर तक उस शांति को महसूस करते रहे। कई ने कहा कि सरयू के सामने मन पूरी तरह से स्थिर हो गया जैसे सारी थकान बहती लहरों में समा गई हो।

प्रतिनिधिमंडल ने अत्यंत भावुक होकर कहा कि काशी तमिल संगमम ने उन्हें केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं दी, बल्कि आस्था, इतिहास और आध्यात्मिकता को करीब से अनुभव करने का अवसर दिया। यह यात्रा, विशेषकर राम मंदिर का दर्शन, उनके लिए सदैव स्मरणीय रहेगा।

काशी तमिल संगमम 4.0 उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक एकता का सेतु बनकर, ऐसे भावपूर्ण क्षणों को जन्म दे रहा है और किसानों का यह अनुभव उसी एकता की सबसे सुंदर मिसाल है।

गुजरात में 11 नए विकासशील तालुकों की घोषणा, प्रत्येक को सालाना 3 करोड़ रुपए का मिलेगा अनुदान

अहमदाबाद, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के संतुलित क्षेत्रीय विकास को मजबूती देने के लिए 11 अन्य तालुकों को विकासशील तालुका की सूची में शामिल करने की मंजूरी दी है। इससे इन क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, सामाजिक विकास और प्रशासनिक क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। विकासशील तालुका योजना के तहत इन तालुकों को विकास कार्यों के लिए सालाना 2 करोड़ रुपए का बजट मिलेगा। इसके अतिरिक्त, 'आपनो तालुको वाइब्रेंट तालुको (एटीवीटी)' पहल के तहत 1 करोड़ रुपए और उपलब्ध कराए जाएंगे। यानी, प्रत्येक तालुका को कुल 3 करोड़ रुपए का वार्षिक अनुदान मिलेगा।

नए विकासशील तालुकों में कड़वल (छोटा उदेपुर), उकाई (तापी), गोविंद गुरु लिमड़ी (दाहोद), सुखसर (दाहोद), चिकड़ा (नर्मदा), रा (वाव-थराड), धरणिधर (वाव-थराड), ओगड़ (बनासकांठा), हदाद (बनासकांठा), गोधर (महिसागर) और नानापोंधा (वलसाड) शामिल हैं।गुजरात सरकार तालुकों का चयन

मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) के 44 सामाजिक-आर्थिक संकेतकों के आधार पर करती है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य के सभी क्षेत्र (चाहे पुराने हों या नए) दीर्घकालिक और लघुकालिक योजनाओं से लाभान्वित हों और समग्र विकास की गति तेज हो।

हाल के वर्षों में, प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़ाने और क्षेत्रीय जरूरतों को पूरा करने के लिए 17 नए तालुके बनाए गए हैं। इनमें से जिन तालुकों के आधे से ज्यादा गांव पहले से विकासशील तालुकों में शामिल थे, उन्हें अब स्वयं विकासशील तालुका घोषित किया गया है।

सरकारी अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री के इस निर्णय से इन क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय प्रशासन और शासन क्षमता मजबूत होगी और सभी गुजरात के समावेशी विकास में अधिक प्रभावी योगदान दे सकेंगे।

गुजरात देश के सबसे विकसित और औद्योगिक रूप से सक्रिय राज्यों में से एक है। यह रसायन, दवा, वस्त्र, ऑटोमोबाइल, अक्षय ऊर्जा और बंदरगाह जैसे क्षेत्रों में अग्रणी है। राज्य में मजबूत औद्योगिक क्लस्टर, बेहतर लॉजिस्टिक्स और व्यवसाय-मित्र शासन मॉडल निवेशकों के लिए आकर्षक हैं।राज्य में सड़क नेटवर्क, बिजली आपूर्ति, बंदरगाह, स्वच्छता, पेयजल और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी सामाजिक और भौतिक अवसंरचना में भी लगातार सुधार हो रहा है।

कांग्रेस की बार-बार हार से चिंतित मोहम्मद मोकिम ने सोनिया को लिखी चिट्ठी, बोले-पदयात्रा करना अलग विषय

कटक, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा कांग्रेस नेता मोहम्मद मोकिम ने गुरुवार को प्रदेश और देश में पार्टी के लगातार निराशाजनक प्रदर्शन पर चिंता जताई है। उन्होंने इस विषय पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखा और कुछ सुझाव दिए। कांग्रेस नेता मोहम्मद मोकिम ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, आम चुनाव के बाद पांच राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन खराब रहा, खास तौर पर दिल्ली में हमें एक भी सीट नहीं मिली। बिहार में पार्टी छह सीट पर सीमित रह गई। ओडिशा में उपचुनाव हुआ, जिसमें हमें हार मिली। कहीं न कहीं पार्टी सही रास्ते पर नहीं चल रही है। इसलिए मैंने सोनिया गांधी को एक चिट्ठी लिखी है और अपने मन की बात उनको पहुंचाई है। मैंने कुछ प्वाइंट लिखे हैं, जिनमें अगर सुधार नहीं किया जाएगा तो आगे कांग्रेस को और मुश्किल होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शरत पटनायक पर बार-बार विश्वास जताए जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अभी भी जिस व्यक्ति को उन्होंने बैठाया है, वो ओडिशा को विभाजित करने लगे थे। उनके निर्वाचन मंडल में हम

बड़े अंतर से चुनाव हारे हैं। हम छह बार चुनाव हार चुके हैं। 2000 से आज तक कांग्रेस नहीं आई। अगर हमें 2029 की तैयारी करनी है और अगर इस विषय को ध्यान में रखकर तैयारी नहीं की तो कांग्रेस कभी उभर नहीं पाएगी। जो सीनियर नेता कई बार चुनाव हार चुके हैं, उनकी जगह पर कुछ नए चेहरों को उतारना पड़ेगा ताकि कांग्रेस पार्टी आगे बढ़े।

मोकिम ने कहा, कांग्रेस मेरे खून में है। इतनी बड़ी पार्टी जब डूब रही है, तो हम सभी पार्टी कार्यकर्ताओं का कर्तव्य होता है कि इससे पार्टी को अवगत कराएं। आज भी मैं कांग्रेस पार्टी की सिपाही हूं। सोनिया गांधी हमारी नेता हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि वह पार्टी की समस्याओं से अवगत होंगी और इसमें सुधार करने के लिए कोशिश करेंगी।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बारे में उन्होंने कहा, राहुल गांधी हमारे नेता हैं। जिस तरह इंदिरा गांधी और राजीव गांधी लोगों से खुलेआम मिलते थे, समस्याओं को सुनकर समाधार करते थे, राहुल गांधी को भी वैसा ही करना चाहिए। वे पहले ऐसा करते थे, लेकिन पिछले 5 साल से हमें ऐसा नहीं दिख रहा है। अगर वे नेताओं, कार्यकर्ताओं से नहीं मिलेंगे तो पार्टी में कैसे सुधार होगा? पदयात्रा करना एक अलग विषय है, लेकिन कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बूथ सजाना एक अलग विषय है।

तमिलनाडु में सरकारी कर्मचारी यूनियन ने किया हड़ताल का ऐलान, सरकार ने सैलरी काटने की चेतावनी दी

चेन्नई, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार के खिलाफ राज्य के अलग-अलग सरकारी कर्मचारी यूनियनों ने हड़ताल करने का फैसला लिया है। हालांकि, सरकार ने कर्मचारियों को ड्यूटी से गैर-हाजिर रहने पर एक दिन की सैलरी काटने की चेतावनी दी है। तमिलनाडु में सरकारी कर्मचारी और शिक्षक संघ के नेतृत्व में सरकारी कर्मचारी यूनियनें लगातार सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। कर्मचारी कंट्रीब्यूटरी पेंशन स्कीम (सीपीएस) को खत्म करने और पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) को बहाल करने की मांग कर रहे हैं। इसी आंदोलन के तहत, यूनियनों ने गुरुवार को एक दिन की हड़ताल की घोषणा की है, जिसमें सभी विभागों के कर्मचारियों से काम से दूर रहने को कहा गया है। हड़ताल की घोषणा के बाद तमिलनाडु के मुख्य सचिव एन. मुरुगानंदम ने कहा कि विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए ड्यूटी से गैर-हाजिर रहने वाले सभी कर्मचारियों की एक दिन की सैलरी काटी जाएगी।

मुख्य सचिव ने एक सर्कुलर जारी कर

चेतावनी दी है कि छुट्टी लेने वाले किसी भी कर्मचारी की सैलरी काटी जाएगी। सभी अतिरिक्त मुख्य सचिवों और जिला कलेक्टरों को भेजे गए सर्कुलर में निर्देश दिया गया है कि 11 दिसंबर को किसी भी तरह की कैजुअल लीव या किसी अन्य प्रकार की छुट्टी मंजूर नहीं की जाएगी। हालांकि मेडिकल आधार पर छुट्टी की परमिशन दी गई है।

मुख्य सचिव ने सभी सरकारी विभागों में कर्मचारियों की उपस्थिति की निगरानी पर जोर दिया है। विभाग प्रमुखों से यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कर्मचारी सामान्य रूप से ड्यूटी पर रिपोर्ट करें और किसी भी अनधिकृत अनुपस्थिति पर ध्यान दें।

सर्कुलर में कहा गया है कि उपस्थिति नियमों का पालन न करने वाले अधिकारियों को सेवा नियमों का उल्लंघन करने वाला माना जाएगा।

मुख्य सचिव ने सभी विभागों को सुबह 10.15 बजे तक ईमेल के माध्यम से सरकार को एक समेकित उपस्थिति रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया है। इस रिकॉर्ड में उपस्थित और अनुपस्थित कर्मचारियों के नाम व बिना उचित मंजूरी के छुट्टी लेने की कोशिश करने वालों के नाम शामिल होने की उम्मीद है।

पात्रों को मिले योजनाओं का लाभ, चिन्हांकन में रखें विशेष सावधानी : मौर्य

प्रदेश में 3 करोड़ दीदियों को स्वयं सहायता समूह से जोड़ना व एक करोड़ को लखपति बनाना लक्ष्य

लखनऊ,11 दिसंबर (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियो को निर्देश दिये कि बदायुं के प्रत्येक विकास खण्ड के 10-10 ग्राम सभाओं में हर घर नल से जल योजना का स्थली निरीक्षण कराया जाय, कार्य निर्धारित मानको के अनुरूप व गुणवत्ता पूर्ण होने चाहिए। पाइप लाइन जमीन मे एक मीटर नीचे से जाना चाहिए, पाइप लाइन डालने मे जो सड़के खोदी गयी हो, उनका निर्माण मरम्मत मानको के अनुरूप होना चाहिए, समझौता न किया जाय। बदायुं में पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं, इस क्षेत्र मे आगे बढ़कर कार्य किया जायअधिकारी कर्मचारी करें आपस मे व जनप्रतिनिधियो से समन्वय व तारतम्य बनाकर ईमानदारी व निष्ठा से ऐसा अच्छा कार्य करे कि जनपद प्रदेश मे अग्रणी पंक्ति मे रहे। गौशालाओं में सीसीटीवी, कैमरे लगवाये जांय,निराश्रित गौवंश सड़क पर नज़र न आए। योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों को ही मिलना चाहिए, चयन व चिन्हांकन में विशेष सावधानी व निगरानी रखी जाय। प्रदेश में 3 करोड़ दीदियों को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने व एक करोड़ को लखपति दीदी बनाना है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बुधवार को बदायूँ के कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में अधिकारियों के साथ जिले के विकास, निर्माण, सोशल सेक्टर की योजनाओं व कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। 2047 तक भारत विकसित भारत बन जाएगा तथा उत्तर प्रदेश भी विकसित उत्तर प्रदेश होगा। जिस विभाग की शिकायत प्राप्त हो उसकी जांच के आदेश उसी अधिकारी को न दिए जाएं। उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस व थाना समाधान दिवस पर प्राप्त शिकायतों का गंभीरतापूर्वक निस्तारण के लिए निर्देशित किया। ऐसी कोई समस्या नहीं जिसका निस्तारण व समाधान नहीं किया जा सकता हो। उन्होंने शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता व रैंकिंग की स्थिति की जानकारी लेते हुए शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता व समयबद्धता का

विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। चकमार्ग पर अवैध कब्जे व सरकारी जमीनों पर कब्जे की शिकायतें लखनऊ तक आती हैं, इसलिए अधिकारी शिकायतों को गंभीरतापूर्वक लें। चकमार्ग पर अवैध कब्जे की शिकायतों के लिए विशेष अभियान चलाकर इसका निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवरो को जगमग किया जाए,यह सरकार का एक महत्वपूर्ण कार्य है।उन्होंने सीमांकन कराने के आवेदनों की जानकारी ली। जिस पर जिलाधिकारी ने बताया कि 90 दिन से पुराना कोई मामला लंबित नहीं है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के मामलों का निस्तारण पूरी गंभीरता से किया जाए। उपमुख्यमंत्री ने धान खरीद की स्थिति की जानकारी लेते हुए क्रय केन्द्रों का औचक निरीक्षण कराए जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में 37000 मेट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य मिला है, जो कि बरेली मंडल में जनपद को सबसे कम लक्ष्य मिला है। डीएम ने बताया कि लक्ष्य पूर्ति के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।उपमुख्यमंत्री ने खाद की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है। खाद के लिए किसानों को परेशानी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने किसान सम्मान निधि की जानकारी भी अधिकारियों से ली। उप मुख्यमंत्री ने परिषदीय विद्यालयों में यूनिफार्म जूते-मोजे के वितरण की स्थिति जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से हासिल की। स्कूली ड्रेस यूनिफार्म बनाने के लिए स्वयं सहायता समूह की दीदियों को प्रेरित किया जाए,साथ ही अभिभावकों को भी प्रेरित किया जाए, जिससे स्वयं सहायता समूह की दीदियां लखपति दीदी और आत्मनिर्भर बन सकें।उप मुख्यमंत्री ने हर घर नल से जल की स्थिति की जानकारी लेते हुए जनपद के प्रत्येक ब्लॉक के 10-10 ऐसी ग्राम सभाओं का निरीक्षण कराए जाने के लिए निर्देशित किया जिसमें शतप्रति कार्य पूर्ण होकर जल की आपूर्ति की जा रही हो,ताकि वस्तु स्थिति से अवगत हुआ जा सके।

उन्होंने विद्युत आपूर्ति की स्थिति तथा ट्रांसफार्मर बदलने की स्थिति को जाना तथा विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। उप मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को विद्युत विभाग की अलग से समीक्षा करने के लिए भी निर्देश दिये।उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से गो आश्रय स्थलों की स्थिति की जानकारी हासिल करते हुये कहा कि सड़क पर निराश्रित गौवंश नजर नहीं आना चाहिए। जो गौशालाएं निर्माणाधीन है, उसका कार्य जल्द पूर्ण कराया जाए तथा गो आश्रय स्थलों पर सीसीटीवी भी आवश्यक रूप से लगाए जाए। उन्होंने गौ आश्रय स्थलों का निरीक्षण कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण व मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण के क्रियान्वयन की जानकारी हासिल करते हुये कहा कि प्रदेश को झुग्गी झोपड़ी व कच्चा घर मुक्त कराना है, जिन्हे अभी तक पक्के घर नही मिल पाये है उन्हे भी दिये जायेगे। श्री मौर्य ने कहा कि आवंटित व बन चुके आवासो मे सभी अनुमन्य सुविधाएं हर हाल मे सुलभ करायी जांय, अधिकारी इसका अनुश्रवण कर सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में विधवा महिलाओं व दिव्यांगजनों को भी लाभ दिया जाता है,इसलिए पात्रों का चयन ठीक प्रकार से किया जाए। योजन-ाओं का लाभ पात्रों को ही मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा आकांक्षात्मक ब्लॉक के रूप में देश के 500 ब्लॉकों के लिए 6 जोन बनाए गए हैं, जिसमें द्वितीय जोन में पंजाब व उत्तर प्रदेश के लगभग 85 ब्लॉक हैं, इनमें से डेल्टा रैंकिंग में जनपद बदायूँ के अम्बियापुर ब्लॉक को द्वितीय पुरस्कार मिला है, जिसके तहत इस ब्लॉक को एक करोड़ रुपए की धनराशि विकास कार्यां के लिए अलग से दी जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने ब्लॉक अम्बियापुर के चुने जाने पर अधिकारियों को बधाई दी तथा खण्ड विकास अधिकारी अम्बियापुर शैली गोविल व केन्द्र सरकार के शोधार्थी आशीष वर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। प्रदेश में 03 करोड़ दीदियों को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, साथ ही एक करोड़ दीदियों को लखपति बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए उसमें ग्राम चौपाल आदि कार्यक्रमों की सूचना का आदान-प्रदान किया जाए। तहसील स्तर पर भी संबंधित उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, बिजली विभाग के अधिकारियों व जनप्रतिनिधयो के साथ बैठक नियमित रूप से कराई जाए, ताकि आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

सेना पर टिप्पणी मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खान को किया दोषमुक्त, 8 साल बाद आया फैसला

लखनऊ,11 दिसंबर (एजेंसियां)। सेना पर विवादित टिप्पणी करने के मामले में रामपुर एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को बरी कर दिया। यह फैसला करीब 8 साल बाद आया है। बता दें कि यह मामला भाजपा विधायक आकाश सक्-सेना की ओर से 30 जून 2017 को दर्ज कराया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आजम खान ने सेना के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। भाजपा विधायक ने कहा था कि 2017 में आजम खान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर के दौरान सेना का मनोबल गिराने और समुदाय आधारित बयान दिया था, जिसके बाद रामपुर के थाना सिविल लाइंस में मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसी मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने गवाहों की गवाही और साक्ष्यों के अवलोकन के बाद फैसला सुनाते हुए आजम खान को दोषमुक्त करार दिया है।

आजम खान के अधिवक्ता मुरसलीन ने बताया कि इस मामले में कोर्ट में ट्रायल चला, लेकिन वादी पक्ष अपना आरोप साबित नहीं कर पाया। साक्ष्यों के अभाव में आजम खान को दोषी नहीं पाया गया और उन्हें दोषमुक्त कर दिया गया।

रामपुर स्पेशल कोर्ट से आए इस फैसले के बाद आजम खान को बड़ी राहत मिली। वहीं, सुबह से ही आजम खान पर फैसले को देखते हुए कोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई थी। कोर्ट परिसर में पुलिस बल तैनात था और सभी संबंधित पक्षों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। पुलिस लगातार पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए थी।वहीं, आजम खान इस समय दो पैन कार्ड मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद रामपुर जेल में बंद हैं। उनके बेटे अब्दुल्ला आजम भी इसी मामले में सजा काट रहे हैं। वहीं, 2019 में नगर विधायक रहे आकाश कुमार सक्सेना ने मुकदमा दर्ज कराया था और अब्दुल्ला आजम पर दो पैन कार्ड रखने का आरोप लगाया था। इसके बाद मामले में अब्दुल्ला आजम ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का भी रुख किया था, लेकिन वहां से राहत नहीं मिली। उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए इस मामले में ट्रायल की कार्यवाही को रद्द करने की मांग की थी। पक्षों को सुनने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा। इसके बाद जुलाई में याचिका को खारिज कर दिया था।

यूपी बना निवेशकों की पसंद, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को मिल रही स्वीकृति

यूपी में अप्रेजल समिति ने दी 25 नये प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

लखनऊ,11 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में किसानो व उद्यमियो की आमदनी बढ़ाने तथा युवाओं के लिए रोजगार की अपार सम्भावनायें है। खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिये हैं कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के तहत दी जा रही सुविधाओं तथा प्रदत्त व प्राविधानित अनुदान आदि के बारे मे लोगो को जागरूक व प्रेरित किया जाय, ताकि अधिक से अधिक उद्यम स्थापित हो सकें। इस दिशा मे उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा बहुत तेजी से कार्य किया जा रहा है।उन्होंने निर्देश दिये हैं कि उद्यान व खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर किसानो के उत्पादो का अधिक से अधिक दाम दिलायें।विकसित भारत के निर्माण मे खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर का बहुत बड़ा योगदान रहेगा। श्री मौर्य के मार्गदर्शन में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को लगातार स्वीकृति मिल रही है और उत्तर प्रदेश निवेशकों की पसंद बन रहा है।खाद्य प्रसंस्करण से किसानो व युवाओं की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार के ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 से उद्यमियों को नये आयाम मिल रहे हैं।खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र मे रोजगार की अपार सम्भावनायें हैं।

डीसीएम की टक्कर से दो सगी बहनें और चचेरे भाई की मौत, ग्रामीण ने किया प्रदर्शन

फर्रुखाबाद,11 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद के मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक चचेरे भाई और दो सगी बहनों की मौत हो गई। मोहम्मदाबाद क्षेत्र के गांव भूड़ नगला निवासी राजन (19) अपनी चचेरी बहन काजल (15) और सेजल (12) को पड़ोस के गांव स्थित एक स्कूल में छोड़ने जा रहा था। तीनों जैसे ही मुख्य मार्ग पर पहुंचे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों सड़क पर दूर जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राजन और काजल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल सेजल को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने भी दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मोहम्मदाबाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि दुर्घटना के बाद डीसीएम के आगे के हिस्से में बाइक बुरी तरह फंस गई थी। इससे टक्कर की तीव्रता का अंदाजा लगाया जा सकता है। समय पर पुलिस के न आने का आरोप लगाते हुए ग्रामीण विरोध प्रदर्शन करने लगे। विरोध प्रदर्शन की सूचना मिलने पर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और भीड़ को नियंत्रित करने के साथ ही शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने का प्रयास किया, लेकिन परिजनों ने शव को सड़क से हटाने से इनकार कर दिया।

ग्रामीणों का आरोप है कि डीसीएम चालक की लापरवाही ने तीन निर्दोष जिंदगियां खत्म कर दीं, इसलिए कार्रवाई के बिना वे शव नहीं उठने देंगे। पुलिस ने परिजनों को समझाने की कोशिश की और आश्वासन दिया कि घटना की जांच कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस डीसीएम चालक की तलाश में जुटी है, जबकि ग्रामीणों में प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है।

ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन इस तरह के हादसे होते रहते हैं, लेकिन सूचना देने के बाद भी पुलिस प्रशासन मौके पर नहीं आता है।

एनसीआर में कड़ाके की ठंड शुरू, तापमान 2 डिग्री लुढ़का मामूली सुधार के बावजूद एक्यूआई खराब श्रेणी में बरकरार

नोएडा,11 दिसंबर (एजेंसियां)। एन-सीआर में सर्दी लगातार अपने तेवर दिखा रही है। बुधवार की रात तापमान में 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई, जिसके बाद न्यूनतम तापमान कई इलाकों में 8 डिग्री सेल्सियस तक आ गया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की रिपोर्ट के अनुसार आने वाले दिनों में भी पारा और नीचे फिसलने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार 11, 12 और 13 दिसंबर में दिन का तापमान 23 से 24 डिग्री के बीच और रात का तापमान 8 से 9 डिग्री रहने का अनुमान है। सभी दिनों में हल्का कोहरा भी छाए रहने की संभावना भी है। सर्द हवाओं ने जहां ठंड बढ़ाई है, वहीं तेज हवा की वजह से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में मामूली सुधार भी देखने को मिला है। हालांकि, यह सुधार

लोगों को राहत देने के लिए पर्याप्त नहीं है, क्योंकि ज्यादातर स्टेशन अब भी 'खराब' से 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किए जा रहे हैं। गाजियाबाद में प्रदूषण का स्तर कुछ कम हुआ है, पर कई इलाके अब भी सांस लेने में परेशानी पैदा कर रहे हैं। इंदिरापुरम में एक्यूआई 288, लोनी में एक्यूआई 375, संजय नगर में एक्यूआई 268 और वसुंधरा में एक्यूआई 319 दर्ज किया गया है।

राजधानी दिल्ली के अधिकतर मॉनिटरिंग स्टेशन 300 से ऊपर की श्रेणी में बने हुए हैं, जिनमें मुकरबा चौक- 315, आनंद विहार- 303, अशोक विहार- 332, बवाना- 335, चांदनी चौक- 309 और डीटीयू में एक्यूआई 333 दर्ज किया गया।इसके अलावा नोएडा में भी हवा साफ नहीं हुई है। कुछ जगहों पर सुधार दिखा, लेकिन स्थिति अभी भी चिंताजनक है। जिनमें सेक्टर-125 में 309, सेक्टर-62 में 248, सेक्टर-1 में 292 और सेक्टर-116 में एक्यूआई 332 दर्ज किया गया है। एक्यूआई भले ही 300 के नीचे कुछ इलाकों में आया हो, फिर भी हवा में मौजूद महीन कणों की वजह से लोगों को सांस लेने में दिक्कत, गले में खराश, आंखों में जलन जैसी समस्याएं हो रही हैं।तेज हवाओं से कुछ राहत मिली है, लेकिन मौसम विभाग और पर्यावरण विशेषज्ञों के मुताबिक हालात सामान्य होने में अभी समय लगेगा। सर्दी और कोहरे के साथ हवा की गुणवत्ता में अगले कुछ दिनों तक बड़ा सुधार होने की संभावना कम ही है।

बस्ती में कोडीन सिरप बरामदगी मामले में दो को 10 साल की सजा 1-1 लाख रुपए का जुर्माना

बस्ती,11 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बस्ती के फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वितीय के जज विजय कुमार कटियार ने कोडीन सिरप रखने के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने इस मामले में गिरफ्तार अहमर खान उर्फ तारा और रमजान शेख को दोषी करार दिया गया है। कोर्ट ने दोनों को 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है और प्रत्येक पर 1 लाख रुपए का अर्थदंड भी लगाया। कोर्ट ने कहा कि जुर्माना अदा नहीं करने पर उन्हें एक साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। यह गिरफ्तारी 29 मार्च 2025 को रेलवे प्लेटफार्म पर चेकिंग के दौरान हुई थी। अहमद के पास 300 सीसी और रमजान के पास 215 सीसी प्रतिबंधित कोडीन सिरप बरामद किया गया था।

इसके बाद जीआरपी ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था।सरकारी अधिवक्ता उत्कर्ष ने कोर्ट में इस मामले के सभी पहलुओं को रखा। अधिवक्ता उत्कर्ष ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि बलरामपुर जिले के निवासी अहमद और रमजान को रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था।

दोनों को प्रतिबंधित सिरप के मामले में दस साल की सजा सुनाई गई है।इससे पहले योगी सरकार के निर्देश पर पूरे प्रदेश में एएनटीएफ (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की थी।प्रदेशभर में लाखों की अवैध नारकोटिक और कोडीनयुक्त औषधियां जब्त की गई थीं। 5 दिसंबर तक 128 एफआईआर दर्ज की गई थीं। वहीं आधा दर्जन से अधिक अवैध नशे के सौदागरों को गिरफ्तार किया गया था।

भाजपा पर चंद्रशेखर आजाद का हमला, बोले- कब तक घुसपैठियों के नाम पर चुनाव जीतना चाहते हैं

लखनऊ,11 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र के बीच 'घुसपैठियों' को लेकर राजनीतिक घमासान मचा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्ष पर घुसपैठियों को बचाने के आरोप लगाए हैं। हालांकि, विपक्ष के सांसदों का कहना है कि सरकार दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के वोट अधिकारों को छीनने की कोशिश कर रही है। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि सत्तापक्ष के लिए घुसपैठियों के मुद्दे का इस्तेमाल अपने वोटबैंक को मजबूत करने और दूसरों को बांटने का सबसे आसान तरीका है। उन्होंने पूछा, बिहार में एनडीए को पूरा बहुमत मिला, वहां कितने घुसपैठियों को पकड़ा गया है? आप कब तक घुसपैठियों के नाम पर चुनाव जीतना चाहते हैं? आचार संहिता लागू होने के बाद भी बिहार में 10-10 हजार रुपए बांटे गए। क्यों यह नहीं कहते हैं कि आपने वोट खरीदे हैं? क्या वोट खरीदकर सरकार बनाने वाले लोग भी नैतिकता की बात करेंगे?

चंद्रशेखर आजाद ने आगे कहा, अगर 12 साल से घुसपैठिए देश की सीमा पर आ रहे हैं तो केंद्र सरकार क्या कर रही है? अगर वे उत्तर प्रदेश में आठ साल से हैं, तो यहां भी भाजपा की सरकार है। जब घुसपैठिए देश की सीमा को पार करने के बाद राज्य की सीमा में भी घुस गए, तो मुख्यमंत्री क्यों इस्तीफा नहीं देते हैं?

उन्होंने दावा किया कि एसआईआर का काम प्रेशर में कराया जा रहा है। चंद्रशेखर आजाद ने कहा, देश देख रहा है कि दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों को छीना जा रहा है।

कांग्रेस के सांसद उज्जवल रमन ने भी सरकार पर सवाल उठाए और कहा कि सिर्फ चुनाव के लिए भाजपा को घुसपैठिए दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा, क्या हमारी चुनावी व्यवस्थाएं इतनी दूषित हो गई हैं कि घुसपैठियों के दम पर 2014 से 2025 तक चुनाव जीते गए? 12 साल से केंद्र में भाजपा की मजबूत सरकार रही है, लेकिन कितने बांग्लादेशियों को वापस भेजा और कितने रोहिंग्याओं पर कार्रवाई की?

इस मुद्दे पर सीपीएम सांसद राजाराम ने कहा, बिहार में सत्तापक्ष के लोग एक भी घुसपैठिया नहीं ढूंढ पाए। सत्तापक्ष जानबूझकर यह मुद्दा उठाना चाहता है। इसके जरिए ध्रुवीकरण की कोशिश की जा रही है।

सीपीएम सांसद ने कहा कि हमें बहुसंख्यक की आजादी के साथ-साथ अल्पसंख्यकों की भावनाओं का सम्मान करना होगा। यह विविधताओं से भरा हुआ देश है और इसकी एकता के लिए नागरिकों को उचित सम्मान व उचित जगह देनी होगी।

ग्रेटर नोएडा : मस्जिद चंदा घोटाले में वांछित सलीम खान गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा,11 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 पुलिस ने मस्जिद चंदा घोटाले के प्रमुख आरोपी और लंबे समय से फरार चल रहे सलीम खान को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ मामला गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज था। पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग की मदद से सलीम खान को थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र से दबोचा। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी सलीम खान अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर मस्जिद के चंदे में धोखाधड़ी में शामिल था। जांच में सामने आया कि मस्जिद के चंदे के रूप में एकत्रित 12.38 लाख रुपए को बैंक में जमा न कर, आरोपी ने अपने सह-अभियुक्तों के साथ मिलीभगत कर हड़प लिया था। इसके लिए उन्होंने फर्जी दस्तावेज भी तैयार किए थे और एक सुविचारित आपराधिक षड्यंत्र को अंजाम दिया था।घटना सामने आने के बाद पीड़ित ने 5 अक्टूबर 2025 को बीटा-2 थाने में सलीम खान सहित कुल 9 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

यूपी में अब एसआईआर की आखिरी तारीख 26 दिसंबर

चुनाव आयोग ने दिया दो हफ्ते का अतिरिक्त समय

लखनऊ,11 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर की प्रक्रिया की समय सीमा बढ़ा दी गई है। भारत निर्वाचन आयोग नर एसआईआर की तिथि में बढ़ोत्तरी का आदेश जारी किया है।

चुनाव आयोग की ओर से एसआईआर गणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 11 दिसंबर निर्धारित की गई थी। इसमें अब दो सप्ताह की वृद्धि का निर्णय लिया गया है। इसे बढ़ाकर 26 दिसंबर कर दिया गया है। अब प्रदेश के लोग 26 दिसंबर तक अपने नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने, संशोधित करने या हटाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। यूपी के साथ अन्य कुछ राज्यों में भी ऐसी छूट दिए जाने की संभावना है।चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर गुरुवार को समीक्षा की। राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर एसआईआर तारीखों में बदलाव पर फैसला आया। यूपी के मुख्य चुनाव अधिकारी ने दो सप्ताह अतिरिक्त समय की मांग की थी। चुनाव आयोग ने 26 दिसंबर शुक्रवार तक गणना फॉर्म भरने की तारीख बढ़ा दी। गणना फॉर्म जमा करने की तारीख में इजाफा के साथ ही ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन की तिथि बढ़ाई गई है।यूपी में पहले 16 दिसंबर को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाना था। इसे चुनाव आयोग ने बढ़ाकर 31 दिसंबर कर दिया है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी वैध मतदाता को मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। फरवरी 2026 में फाइनल मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद भी नए वोटरों को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए फॉर्म 6 भरने की कवायद जारी रहेगी।

यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के अनुसार प्रदेश में 91 फीसदी से अधिक गणना फॉर्म बांटे जा चुके हैं। 80 फीसदी वोटर फॉर्म भरकर जमा कर चुके हैं। 76 फीसदी मतदाताओं की 2003 की वोटर लिस्ट से मैपिंग पूरी हो चुकी है। 18 फीसदी यानी 2.91 करोड़ वोटर्स ऐसे हैं जिन तक फॉर्म पहुंच नहीं सका है।

स्वास्थ्य

जोड़ों के दर्द का काल हैं ये 5 नुस्खे, देते हैं तुरंत आराम

सर्दियों का मौसम आते ही जोड़ों के दर्द की समस्या बढ़ जाती है। हड्डियों या जोड़ों में किसी भी प्रकार के विकार के कारण हड्डियों में दर्द और सूजन की दिक्कत उत्पन्न हो जाती है। जोड़ों में दर्द के बहुत से अन्य कारण भी हो सकते हैं जैसे जोड़ों पर यूरिक एसिड का इकट्ठा होना। कभी कभी दर्द अनुवांशिक कारणों से भी जोड़ों में दर्द होता है तो कभी ये दर्द कमजोरी के चलते भी होते हैं। दर्द के चलते लोगों की काम करने की क्षमता पर भी काफी असर पड़ता है। यह दर्द उन जोड़ों में अधिक होता है जिन जोड़ों पर व्यक्ति ज्यादा निर्भर रहता है।

क्या है यह रोग

जोड़ों में दर्द एवं सूजन के साथ साथ इस रोग में भिन्न भिन्न जोड़ों की रचना में अंतर आ जाता है तथा जोड़ों के कार्य में विकार आ जाता है। घुटने और कूल्हे प्रभावित होने पर रोगी चलने में असमर्थ हो जाता है जिसके कारण उसका वजन शुगर कोलेस्ट्रोल एवं रक्तचाप भी बढ़ सकता है और अन्य बीमारियाँ भी हावी होने लगती हैं।

क्या है जोड़ों में दर्द का कारण

आराम पसंद लोगों को या अपनी क्षमता से अधिक काम करने वालों को यह रोग जल्दी होता है ।बासी अन्न, अपच पैदा करने वाला खाना जैसे छोले,चना,मटर आदि का अधिक सेवन करना, ठंडी सीलन भरी जगहों में रहना, अधिक चिंता में पड़े रहना इसके प्रमुख कारण हैं ।आयुर्वेद के अनुसार इन कारणों से दर्द का प्रमुख दोष वात प्रभावित हो जाता है जिससे संधियों की झिल्लियों में बदलाव आने लगता है तथा झिल्ली कमजोर होने लगती है। टेढे मेढ़े बैठने वाले व्यक्ति,लम्बे समय तक पालथी या एक ही आसन पर बैठना,कमर गर्दन झुकाकर कंप्यूटर फोन में लगातार एक ही अवस्था में कार्य करते रहना संधियों में विकृति ला देता है। हाथ पैर घुटने तथा अन्य अंग टेढे मेढ़े और सूजनयुक्त हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त यूरिक एसिड का बढ़ना, आमवात आदि कारण भी जोड़ों के दर्द के प्रमुख कारणों में से हैं।

जोड़ों के दर्द से बचने के कुछ प्राकृतिक उपाय:

- जोड़ों के दर्द से बचाव के लिए मरीज को हमेशा गुनगुने पानी से नहाना चाहिए।
- ऐसे आहार लें जिनसे कब्ज होने का डर ना हो।
- फास्ट फूड से तौबा करें और तला भुना आहार भी कम खायें।
- पाचन क्रिया को ठीक रखने के लिए आप त्रिफला चूर्ण का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- प्रातः प्राणायाम में कपालभाति, भास्त्रिका, अनुलोम विलोम जैसे व्यायाम करें।
- सुबह शाम 15 मिनट तक गरम पानी में पैर डालें और ध्यान रखें कि ऐसा करते समय आपके पैरों में हवा ना लगे।
- इस रोग का उपचार करने में तुलसी बड़ी कारगर भूमिका निभाती है क्योंकि तुलसी में वात विकार को मिटाने का प्राकृतिक गुण होता है। तुलसी का तेल बनाकर दर्द वाली जगह लगाने से तुरंत आराम मिलता है।
- ज्यादा तकलीफ होने पर नमक मिले गरम पानी का सेंका करें व हल्के गुनगुने सरसों के तेल की मालिश करें।

चेहरे की झुर्री और पिंपल्स को तुरंत गायब करे एप्पल साइडर वेनिगर

आज कल एप्पल साइडर वेनिगर का बोलबाला है। हर कोई इसे मोटापा कम करने के लिये या फिर त्वचा पर लगाने के लिये यूज करने में लगा हुआ है। एप्पल साइडर विनेगर में मैलिक एसिड भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो एक शक्तिशाली एंटीफंगल एजेंट की तरह काम करता है, त्वचा की अशुद्धियों को साफ करता है, संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारता है और त्वचा को साफ करता है। इसके अलावा यह त्वचा के पीएच बैलेंस (संतुलन) को बनाये रखता है और त्वचा को बहुत अधिक तैलीय या बहुत अधिक शुष्क होने से बचाता है। एप्पल साइडर विनेगर में एमिनो एसिड्स होते हैं जो त्वचा की नमी को बनाये रखते हैं ताकि त्वचा के रोम छोद्रों से नमी बाहर न निकल सकें और यह फाइन लाइंस को भी दूर करते हैं।

नोट:

इसे लगाने से पहले हमेशा एक बार पैच टेस्ट कर लें और देंख लें कि कहीं आपकी स्किन संवेदनशील तो नहीं बन गई है। अगर आपकी स्किन की खाल उतने लगे या फिर रूखी लगने लगे तो इसका प्रयोग तुरंत ही बंद कर दें।

दाग और झाइयों को दूर करे

इसमें अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड होता है जो कि स्किन के रंग को हल्का कर देता है और पिगमेंटेशन को दूर कर देता है। इसलिये यह झाइयों को दूर करने में मददगार साबित होता है। कई सारे कॉस्मैटिक प्रोडक्ट्स इस चीज का इस्तमाल अपने प्रोडक्ट में जरुर करते हैं।

झुर्रियां मिटाए

पहले से पड़ी हुई झुर्रियों को तो यह नहीं मिटा सकता लेकिन आने वाली झुर्रियों को यह रोक सकता है। सिरका स्किन को हाइड्रेट रखने में मदद करता है और स्किन को टाइट बनाता है।

मुंहासे मिटाए

मुंहासे मिटाने के लिये आप, एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें और इसमें समान मात्रा में एप्पल साइडर विनेगर मिलाएं। इसमें एक चम्मच शहद मिलाएं और पेस्ट बनायें। इसकी पतली परत चेहरे और गर्दन पर लगायें। इसे 15 मिनिट तक लगा रहें दें और फिर साफ पानी से धो डालें। त्वचा को साफ और नरम बनाये रखने के लिए इसे सप्ताह में दो बार लगायें। यह त्वचा से अत्यधिक तेल को साफ करेगा और स्किन को भी टोन करेगा।

स्किन को टोन करता है

त्वचा के प्राकृतिक पीएच बैलेंस को बनाये रखने के लिए इस सरल पैक का उपयोग करें। 1/2 कप विनेगर में एक कप साफ पानी मिलाएं। इस मिश्रण में रुई के फाहे को डुबायें और इसे त्वचा पर लगायें। इसे पांच मिनिट तक लगा रहने दें और बाद में ठंडे पानी से धो डालें। बचे हुए मिश्रण को एयर टाइट डिब्बे में रखें।

चेहरे से रेडनेस मिटाए

एप्पल साइडर वेनिगर चेहरे पर पड़े रेड मार्क को मिटाता है। इसमें आफटीफलेमेटरी प्रॉपर्टी होता है जो कि रेजर से जले घाव को भी ठीक करता है। यह घाव और चोट को ठीक करने में मदद करता है और इंफेक्शन नहीं होने देता । इसको लगाने से थोड़ा दर्द तो होगा पर इतना नहीं कि आप सह ना पाएं।

स्किन को डिटॉक्स करे

इसमें एसेटिक ऐसिड पाया जाता है जो कि एंटी बैक्टीरियल गुणों से भरा होता है। यह स्किन को साफ करने में मदद करता है और त्वचा से टॉक्सिन मिटाता है। इससे स्किन रिफ्रेश दिखती है और साफ भी।

टिप्स

शादी के दिन आपकी खूबसूरती में चार-चांद लगा देंगे ये टिप्स

- आभूषण सिर्फ स्त्रियों को ही नहीं बल्कि पुरुषों को भी आकर्षित करते हैं। मेल एक्सेसरीज का चलन भारतीय समाज में सदियों से रहा है। शादी-ब्याह के इस अवसर पर बन्ने राजा के लिए किस तरह की एक्सेसरीज चलन में हैं आइए जानें ।
- बन्ने की पगड़ी की सजावट कलगी के बिना अधूरी है और कुंदन की बनी कलगी बढ़ाएगी इसकी शान।
- गोल्ड और प्लेटिनम से बने और हीरों से जड़े इस गुलबंद हार को बड़ी बारी की से डिजाइन किया गया है।
- शेरवानी, कोट और कुर्तों में कफलिंग्स का चलन बहुत पुराना है। कुंदन के बने ये कफलिंग्स आपको जरूर आकर्षित करेंगे। मोतियों और कुंदन से बना हार बन्ने की शान और शेरवानी के लुक, दोनों को बढ़ाने के लिए काफी है ।शाही घरानों से निकलकर ब्रोच का फैशन अब क्लासिक और फॉर्मल लुक की शान बढ़ा रहा है।
- आभूषणों की जगमगाहट से दुलहन का श्रृंगार और भी खिल उठता है। शादी-ब्याह के अवसर पर गहनों की डिजाइन को भी दुलहन की पसंद के अनुसार ही बनाया जाता है। कुंदन से बना यह जड़ाऊ हार आपके महत्वपूर्ण दिन को बना देगा और भी खूबसूरत रजवाड़ा स्टाइल का यह हार गोल्ड, कुंदन और मोती से मिलकर बना है पारंपरिक डिजाइन से अलग यह ब्रेसलेट गोल्ड और हीरे से बने नायाब डिजाइन का नमूना है।

कोल्ड शोल्डर: कंधों को बनाएगा आकर्षक यह फैशन ट्रेंड

फैशन की दुनिया का नया चलन है कोल्ड शोल्डर। इससे आपके कंधे और ज्यादा आकर्षक दिखते हैं। तीन दशक पहले यानी 80 के दशक में चले एक खास चलन कोल्ड शोल्डर ने फैशन की दुनिया में वापस दस्तक दी है। कई नए रंगों व प्रयोगों के साथ आए इस चलन को एक नया अंदाज दिया जा रहा है। फैशन का यह अंदाज नए ट्रेंड के शौकीनों को एक नए रंग में रंग रहा है। डेनिम हो या शीअर शिफॉन या फिर पिछले साल की सर्दियों के स्वेटर, जैकेट में भी हर जगह कट ऑफ शोल्डर ही छाया रहा है। वुलेन कपड़ो में भी यह अंदाज खासा नजर आया। गर्मियां परवान चढ़ चुकी हैं। कुछ खास दिखने की चाहत के साथ ही गर्मी से भी काफी हद तक निजात पाने की कोशिश हर कोई करता है। आइए जानते हैं, इस तेज धूप वाले मौसम में कैसे फैशन के इस नए चलन के साथ तालमेल बिठाएं:

क्या है कोल्ड शोल्डर चलन

अगर आप अपने कंधों को ज्यादा दिखाना भी नहीं चाहतीं, लेकिन हॉट लुक पाना चाहती हैं तो कोल्ड शोल्डर का यह चलन आपके लिए ही है। कोल्ड शोल्डर परिधानों में कंधों पर कट देकर या स्ट्रिप जोड़कर तैयार किया जाता है। कोल्ड शोल्डर वाली ड्रेस पहनकर कंधे आकर्षक भी लगते हैं और साथ ही पहनने वाले को मॉडर्न लुक भी मिलता है। भारतीय परिधानों में साड़ी व लहंगे के साथ ब्लाउज में भी यह कट दिया जाता है। कुछ समय पहले तक ऑफ शोल्डर व वन शोल्डर ड्रेस काफी चलन में थीं, लेकिन कोल्ड शोल्डर ने इन सारे ही चलन को पीछे छोड़ दिया है। अब टी-शर्ट से लेकर वन पीस ड्रेस तक में इस ट्रेंड को अपनाया जा रहा है।

सभी के लिए है यह अंदाज

कोल्ड शोल्डर का चलन हर उम्र की महिलाओं के वॉर्डरोब में देखा जा रहा है। यह साड़ी, लहंगे के ब्लाउज और सूट की बाजुओं को भी आकर्षक अंदाज दे रहा है। 20 से लकर 45 साल तक की महिलाएं इसे अपने वॉर्डरोब का हिस्सा बना सकती हैं। फैशन डिजाइनर अनुपमा दयाल बताती हैं, 'यह चलन सभी के लिए है और हर तरह के पहनावे को निखारता है। पर, इसे पहनते वक्त तालमेल का ध्यान जरूर रखें।'

कैसे पहनें कोल्ड शोल्डर ड्रेस

वैसे तो हर तरह के कंधे पर यह स्टाइल अच्छा लगता है, लेकिन इसे पहनते वक्त भी कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी हो जाता है। घेरदार बाहों के कोल्ड शोल्डर टॉप को हमेशा अच्छी फिटिंग वाली जींस या स्कर्ट के साथ पहनें। वहीं अगर अच्छी फिटिंग वाला टॉप पहन रही हैं तो साथ में पलाजो या ए लाइन स्कर्ट पहनें। लहंगों में क्रॉप टॉप स्टाइल में कोल्ड शोल्डर खूब फबते हैं। ऑफिस वीयर में हमेशा कम कट वाले कोल्ड शोल्डर टॉप या शर्ट पहनें।

गुजरात की ये 7 जगह हैं खास

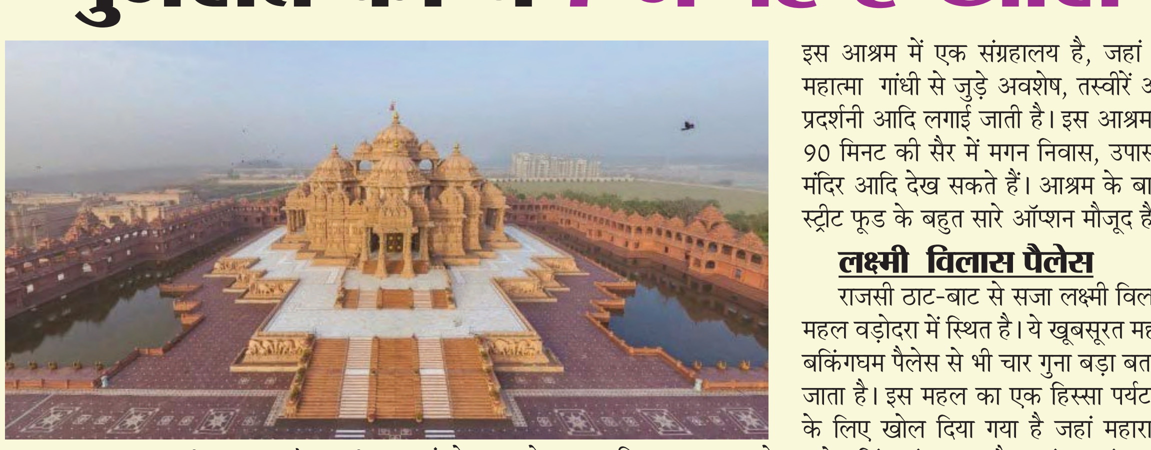

गुजरात इन दिनों चुनाव और उसके नतीजों को लेकर सुर्खियों में रहा। ऐसे में इस राज्य में घूमने-फिरने के लिए क्या खास है, ये भी जानना जरुरी हो जाता है। चलिए, आज हम आपको बताते हैं, गुजरात में सैर-सपाटे की सबसे खास जगह।

गिर नेशनल पार्क

गिर नेशनल पार्क में आपको एशियाई शेर के अलावा कई जानवरों की 40 अन्य प्रजातियां भी देखने को मिलती हैं, जिनमें स्पॉट हिरण, सांबर आदि भी शामिल हैं।

अहमदाबाद

अहमदाबाद को विश्व धरोहर शहर घोषित किया गया है। अगर आप धार्मिक स्थलों पर घूमने-फिरने के शौकीन हैं, तो आप अहमदाबाद के स्वाममीनारायण मंदिर, साबरमती आश्रम, सिदि सईद मस्जिद में घूम सकते हैं। आपको यहां गुजराती व्यंजनों से सजी थाली आसानी से मिल जाएगी। आप यहां थेपला, ढोकला, मुठिया का मजा ले सकते हैं।

दीउ

अगर आपको बीच पर घूमने का मजा लेना है, तो दीउ एक बेहतरीन जगह है। दीउ छोटा-सा शहर एक पुल से गुजरात से जुड़ा हुआ है आप दीउ में घोग्लाह बीच, नागोआ बीच, गोप्ती माता बीच पर अपनी छुट्टियां बिता सकते हैं।

साबरमती आश्रम

साबरमती आश्रम में आपको महात्मा गांधी की झलक मिलेगी। महात्मा गांधी ने यहीं से दांडी मार्च की शुरूआत की थी।

इस आश्रम में एक संग्रहालय है, जहां पर महात्मा गांधी से जुड़े अवशेष, तस्वीरें और प्रदर्शनी आदि लगाई जाती है। इस आश्रम में 90 मिनट की सैर में मगन निवास, उपासना मंदिर आदि देख सकते हैं। आश्रम के बाहर स्ट्रीट फूड के बहुत सारे ऑप्शन मौजूद हैं।

लक्ष्मी विलास पैलेस

राजसी ठाट-बाट से सजा लक्ष्मी विलास महल वड़ोदरा में स्थित है। ये खूबसूरत महल बकिंगघम पैलेस से भी चार गुना बड़ा बताया जाता है। इस महल का एक हिस्सा पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है जहां महाराजा फतेह सिंह संग्रहालय है. यहां पर संगमरमर और कांस्य की कलाकृतियां देख सकते हैं। यहां पर आपको कई बेहतरीन रेस्टोरेंट मिलेंगे, जहां आप अपनी पसंद के खाने का मजा ले सकते हैं।

रण ऑफ कच्छ

गुजरात का सफर रण ऑफ कच्छ को देखे बिना अधूरा है। ये दुनिया का सबसे बड़ा सॉल्टस रेगिस्तान है। कच्छ आने का सही समय 'रण उत्सव' है। ये उत्सव हर साल नवम्बर में आयोजित किया जाता है।

द्वारका

द्वारका चार धाम में से एक है। यहां गोमती नदी का दृश्य बहुत ही मनोरम लगता है. यहां द्वारकाधीश मंदिर में जन्माष्टमी के दिन दीवाली जैसा माहौल होता है। मंदिर के पास आपको मिठाई की बहुत-सी दुकानें मिलेगी। गुजरात की कई स्पेशल मिठाई आपको द्वारका के आसपास के बाजारों में मिल जाएगी।

सर्दी के मौसम में शिशु पड़ते हैं जल्दी बीमार, ऐसे करें देखभाल

- नवजात शिशु के कमरे का तापमान 28-29 सेंटग्रिड अनुकूल रहता है। इसे रूम थमार्मीटर की मदद से जांच सकते हैं। ध्यान रहे, अत्यधिक ठंडे कमरे में शिशु को हाइपोथर्मिया हो सकता है, जबकि अत्यधिक गर्म कपड़े लपेटने से बुखार आ सकता है।
- शिशु की धूप में मालिश करना अच्छा रहता है, पर ध्यान रखें कि इस दौरान वह ठंडी हवा से न जकड़ जाए।
- आमतौर पर हम नहलाने से पहले शिशु की मालिश करते हैं, पर नहलाने के बाद भी मालिश करना और अधिक उपयोगी होता है, क्योंकि तेल की यह परत नौनिहालों के लिए हीट इंसुलेटर का काम करेगी। नन्हें-मुन्नों की मालिश गर्म कमरे में करें।
- ब्लोअर या रूम हीटर का मुंह बच्चे के सामने न रखें, न ही उनके बहुत करीब रखें। बच्चे के सामने या करीब रखने पर उसे अत्यधिक गर्मी पहुंचेगी। एक और बात का विशेष ध्यान रखें, ब्लोअर या रूम हीटर से थोड़ी दूर पर एक गहरे बर्तन में पानी अवश्य रखें। इसकी भाप पूरे कमरे में नमी बनाएगी और इससे शिशु को सांस लेना सुखद रहेगा।
- नवजात शिशु के बिस्तर में गर्म पानी की बोतल के इस्तेमाल से बचें। इससे उनके जलने का खतरा रहता है।
- इस मौसम में अक्सर घर के सदस्यों को खांसी-जुखाम हो जाता है। संक्रमित लोग शिशु से दूर रहें। फेस मास्क पहनें व साबुन से हाथ धोकर ही बच्चे को छुएं।

रेसिपी

पाइनएप्पल खोया बर्फी

सामग्री

1 बड़े साइज का पाइनापल (गोल स्लाइस में कटा हुआ), 1 कप ताजा खोया, पिसी इलायची, केसर के लच्छे, 1 बूंद खाने वाला पीला रंग, 1 चम्मच चीनी

विधी

एक बर्तन में पाइनापल डालें, उसके ऊपर से शकर बुरकाएं। कुकर के तल में थोड़ा पानी रखें व पाइनापल के उस बर्तन को उसमें रख दें। अब 15-20 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। ठंडा होने दें, फिर मिक्सी में महीन पीसकर सूप बनाने की छलनी से छानकर पाइनएप्पल का पल्प तैयार कर लें। अब एक कड़ाही में पाइनएप्पल का तैयार पल्प और शकर डालकर धीमी आंच पर चलाते हुए गाढ़ा कर लें। दूसरी तरफ एक कड़ाही में मावा सेंक लें, फिर मावे को पाइनापल में मिक्स करके गाढ़ा होने तक सेंकें। ऊपर से पिसी इलायची, पीला रंग और केसर के लच्छे डालें और हिलाएं। अब एक थाली में घी का हाथ लगाकर मिश्रण को फैलाएं। मिश्रण ठंडा होने और अच्छी तरह जमने पर चाकू से आप बर्फी काट लें। अब एयरटाइट डिब्बे में भरकर रखें और जब मनचाहे तब पाइनापल-खोया की स्वादिष्ट बर्फी खाएं।

मोहन भोग

सामग्री

सूजी- 1 कप ,चीनी- 1/2 कप, दूध- 1 कप , पानी- 1 कप,घी- 1/2 कप, किशमिश- 2 चम्मच,तेजपत्ता- 1, इलायची पाउडर- 1 चम्मच, केसर- चुटकी भर , काजू- 2 चम्मच

विधी

एक पैन में पानी, दूध, चीनी, केसर और इलायची पाउडर डालकर चीनी के घुलने तक धीमी आंच पर पकाएं। कड़ाही में घी गर्म करें और सूजी को सुनहरा होने तक भूनें। अब धीरे-धीरे दूध वाले मिश्रण को कड़ाही में डालें। धीमी आंच पर लगातार मिश्रण को मिलाते हुए पकाएं। सूजी को तब तक पकाएं, जब तक सूजी कड़ाही में चिपकनी बंद न हो जाए। गैस ऑफ कर दें और कड़ाही को कम-से-कम दो मिनट के लिए ढक दें। एक छोटे-से पैन में एक चम्मच घी गर्म करें और उसमें काजू और किशमिश को काजू के सुनहरा होने तक भूनें। भुने हुए मेवों को मोहन भोग में डालकर मिलाएं और सर्व करें।

संपादकीय

बाबरी बनाम राम मंदिर

तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने कुछ मुस्लिम चेहरों के साथ बाबरी मस्जिद की नींव रखी, तो दूसरी तरफ बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस, बाबा बागेश्वर और कई साधु-संतों ने, एक व्यापक जन-सैलाब के साथ, 'गीता पाठ' किया। बाबरी मस्जिद से 11 किमी की दूरी पर 'बहरामपुर' में राम मंदिर बनाने का उद्घोष किया गया। इन दोनों फैसलों और कर्मकांडों का धार्मिक आस्था से कोई सरोकार नहीं है। ये सांप्रदायिक, हिंदू बनाम मुसलमान, जमावड़े थे, जिनकी मानसिकता में अप्रैल-मई, 2026 के विधानसभा चुनाव उमड़-घुमड़ रहे थे। बेशक प्रभु श्रीराम समूचे भारत के जनमानस के सबसे अधिक स्वीकार्य और पूजनीय आराध्य हैं। राम के जीवन-चरित पर सबसे अधिक, प्रमुख भाषाओं में, 'रामायण' का सृजन किया गया है। यदि हमारे आराध्य का एक और मंदिर बनाया जाता है, तो वह विवादास्पद नहीं हो सकता, क्योंकि बहुसंख्यक हिंदू 'मूर्ति पूजक' हैं, लेकिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में आराध्य का भव्य मंदिर बन चुका है। मंदिर के शिखर पर सनातन की प्रतीक 'धर्म-ध्वजा' भी सुशोभित की जा चुकी है। देश भर से लाखों श्रद्धालु अपने आराध्य श्रीराम के दर्शन करने और मत्था टेकने अयोध्या जा रहे हैं। राम मंदिर का सम्मान किसी तीर्थ-स्थान से कमतर नहीं है, लिहाजा एक और राम मंदिर के उद्घोष का औचित्य क्या है? देश में आज भी प्रभु राम के असंख्य मंदिर हैं, जहां अनवरत पूजा-पाठ जारी है। बेशक राम के नाम पर धुरवीकरण और सामुदायिक लामबंदी जरूर की जा सकती है। चुनाव के मद्देनजर उनका महत्व भी निर्णायक है। यकीनन हिंदुओं अथवा ऐसे आस्थावानों के ध्रुवीकरण से भाजपा को चुनावी फायदा सर्वाधिक होता रहा है। स्वतंत्र भारत में बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं के स्मारक के तौर पर मस्जिद बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। भारत अब एक संप्रभु, लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र है, उसमें बाबर का स्मारक स्वीकार्य नहीं है। मुस्लिम मस्जिद बनाना चाहते हैं, तो सरकार से बाकायदा इजाजत लें और पैगंबर मुहम्मद के नाम पर मस्जिद बनाएं। किसे आपत्ति होगी? हालांकि राजधानी दिल्ली में 'बाबर रोड' आज भी मौजूद है। ऐसे और भी स्मारक बाबर के नाम पर देश में होंगे, लेकिन नए प्रयास, नए शिलान्यास, नए निर्माण को नहीं होने देना चाहिए। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कथित बाबरी मस्जिद की नींव नहीं रखने देनी चाहिए थी। भाजपा के जो चेहरे चीखा-चिल्ली कर बाबरी का विरोध कर रहे थे, उन्हें भी नींव का पुरजोर विरोध करना चाहिए था। मुख्यमंत्री को अपने ही बागी विधायक को गिरफ्तार कराना चाहिए था, लेकिन बाबरी मस्जिद की प्रतीकात्मक नींव रख दी गई और वह तबका अपनी सांप्रदायिकता में कामयाब रहा। ममता को मुर्शिदाबाद की 24 विधानसभा सीटों पर 65 फीसदी से ज्यादा मुसलमानों के वोट की चिंता थी, तो ममता हिंदुओं के वोट भी छोड़ नहीं सकती थी। बंगाल में 35-40 फीसदी हिंदू वोट ममता की पार्टी के पक्ष में भी जाते हैं, लिहाजा मुख्यमंत्री ने विधायक को निलंबित ही किया। हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर की तारीख इसलिए तय की थी, क्योंकि 1992 में इसी तारीख को अयोध्या की कथित बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराया गया था। मुसलमानों के एक तबके में आज भी उस घटना के खिलाफ गुस्सा और आक्रोश है। मुसलमान उस विध्वंस को 'पाक मस्जिद की शहादत' करार देते हैं। उसी जमीन पर सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ के फैसले के बाद राम मंदिर बना है। अदालत ने मस्जिद की वैकल्पिक जगह जहां देने का भी आदेश दिया था, उसे मुसलमानों ने न तो लिया है, मस्जिद निर्माण तो बहुत दूर की कौड़ी है। मुर्शिदाबाद में जिस बाबरी मस्जिद की कथित नींव रखी गई है, उसके निर्माण को पैसा कहां से आएगा।

राम के जीवन-चरित पर सबसे अधिक, प्रमुख भाषाओं में, 'रामायण' का सृजन किया गया है। यदि हमारे आराध्य का एक और मंदिर बनाया जाता है, तो वह विवादास्पद नहीं हो सकता, क्योंकि बहुसंख्यक हिंदू 'मूर्ति पूजक' हैं, लेकिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में आराध्य का भव्य मंदिर बन चुका है। मंदिर के शिखर पर सनातन की प्रतीक 'धर्म-ध्वजा' भी सुशोभित की जा चुकी है। देश भर से लाखों श्रद्धालु अपने आराध्य श्रीराम के दर्शन करने और मत्था टेकने अयोध्या जा रहे हैं। राम मंदिर का सम्मान किसी तीर्थ-स्थान से कमतर नहीं है, लिहाजा एक और राम मंदिर के उद्घोष का औचित्य क्या है? देश में आज भी प्रभु राम के असंख्य मंदिर हैं, जहां अनवरत पूजा-पाठ जारी है। बेशक राम के नाम पर धुरवीकरण और सामुदायिक लामबंदी जरूर की जा सकती है। चुनाव के मद्देनजर उनका महत्व भी निर्णायक है। यकीनन हिंदुओं अथवा ऐसे आस्थावानों के ध्रुवीकरण से भाजपा को चुनावी फायदा सर्वाधिक होता रहा है। स्वतंत्र भारत में बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं के स्मारक के तौर पर मस्जिद बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। भारत अब एक संप्रभु, लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र है, उसमें बाबर का स्मारक स्वीकार्य नहीं है। मुस्लिम मस्जिद बनाना चाहते हैं, तो सरकार से बाकायदा इजाजत लें और पैगंबर मुहम्मद के नाम पर मस्जिद बनाएं। किसे आपत्ति होगी? हालांकि राजधानी दिल्ली में 'बाबर रोड' आज भी मौजूद है। ऐसे और भी स्मारक बाबर के नाम पर देश में होंगे, लेकिन नए प्रयास, नए शिलान्यास, नए निर्माण को नहीं होने देना चाहिए। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कथित बाबरी मस्जिद की नींव नहीं रखने देनी चाहिए थी।

निस्संदेह वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता, मंदी, छंटनी और बाजार उतार-चढ़ाव से जूझ रही है

कैंपस प्लेसमेंट में धांधली: नैतिकता और छात्र हितों का हनन

ललित गर्ग

भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में नैतिकता, पारदर्शिता और छात्र-हित संरक्षण को मजबूती प्रदान करने वाला साहसिक कदम है। इन कंपनियों ने छात्रों को ऑफर लेटर दिए, उनके परिवारों के भीतर आशा की किरण जगाई और अंतिम समय में बिना स्पष्ट कारण उन्हें रद्द कर दिया। यह केवल एक अनुबंध उल्लंघन नहीं, बल्कि छात्र के भविष्य, उसके मानसिक संसार और उसके सामाजिक विश्वास पर सीधा प्रहार है। आइआइटी, एनआइटी और शीर्ष विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाना किसी विद्यार्थी की दीर्घकालिक मेहनत और प्रतिभा की पहचान है। प्लेसमेंट और ऑफर लेटर केवल नौकरी नहीं, बल्कि परिवार के लिए भविष्य की सुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास का प्रतीक होते हैं।

देश के प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थानों-विशेषतः आइआइटीज द्वारा 20 से अधिक कंपनियों को कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया से बाहर करना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में नैतिकता, पारदर्शिता और छात्र-हित संरक्षण को मजबूती प्रदान करने वाला साहसिक कदम है। इन कंपनियों ने छात्रों को ऑफर लेटर दिए, उनके परिवारों के भीतर आशा की किरण जगाई और अंतिम समय में बिना स्पष्ट कारण उन्हें रद्द कर दिया। यह केवल एक अनुबंध उल्लंघन नहीं, बल्कि छात्र के भविष्य, उसके मानसिक संसार और उसके सामाजिक विश्वास पर सीधा प्रहार है। आइआइटी, एनआइटी और शीर्ष विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाना किसी विद्यार्थी की दीर्घकालिक मेहनत और प्रतिभा की पहचान है। प्लेसमेंट और ऑफर लेटर केवल नौकरी नहीं, बल्कि परिवार के लिए भविष्य की सुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास का प्रतीक होते हैं। ऐसे में जब कंपनियां अचानक अपना वादा तोड़ देती हैं, तो विद्यार्थी केवल पेशेवर नुकसान नहीं झेलते, बल्कि मानसिक तनाव, अविश्वास और सामाजिक दबाव से भी गुजरते हैं। यह उनके मनोबल को कमजोर करता है और उनकी योग्यता के सम्मान को ठेस पहुंचाता है। इस तरह की स्थितियां बनना न केवल भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था पर एक चिन्ताजनक दाग है, बल्कि सरकार एवं कम्पनियों पर छात्रों के जीवन से खिलवाड़ करने का शर्मनाक द्योतक है। निस्संदेह वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता, मंदी, छंटनी और बाजार उतार-चढ़ाव से जूझ रही है। लेकिन इन चुनौतियों का भार छात्रों के कंधों पर डालना किसी मानवीय, पेशेवर या नैतिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। विश्वविद्यालय किसी प्रयोगशाला की तरह नहीं हैं जहां विद्यार्थियों को जोखिमपूर्ण स्थिति में डालकर कंपनियां प्रयोग चलाती रहें। आइआइटीज का यह निर्णय स्पष्ट संदेश देता है कि छात्रों के भविष्य और सम्मान से खिलवाड़ सहन नहीं किया जाएगा तथा संस्थान उनके साथ खड़ा रहेगा। यह कदम उच्च शिक्षा की गरिमा और राष्ट्रीय प्रतिभा के सम्मान की पुनर्स्थापना है। यह अन्य विश्वविद्यालयों के लिए भी मार्गदर्शक हो सकता है, क्योंकि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं बल्कि सुरक्षित और विश्वसनीय भविष्य प्रदान करना है। देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेना ही छात्रों के लिये एक बड़ी चुनौती होती है, छात्र इन संस्थानों के भारीभरकम आर्थिक बजट को किसी तरह पूरा करते हैं, इसके बाद भी उनको नौकरी नहीं मिलती है तो यह उनके जीवन को अंधकारमय बना देने जैसा है। देश के अधिकांश शिक्षण संस्थानों में प्लेसमेंट व्यवस्था उतनी सुदृढ़ और पारदर्शी नहीं है, जितनी आइआइटीज में। हजारों छात्र नौकरी व अवसर की आशा में बैठते हैं और कुछ कंपनियां इस स्थिति का दुरुपयोग कर "ऑफर रद्द करने" की प्रवृत्ति अपनाती हैं। अब आवश्यक है कि अन्य विश्वविद्यालय भी कड़ी और अनुशासित प्लेसमेंट नीति अपनाएं, कंपनियों के व्यवहार का रिकॉर्ड रखें और बार-

बार गलती करने वालों को ब्लैकलिस्ट करें। यदि शीर्ष विश्वविद्यालय सामूहिक रूप से यह कदम उठाएं, तो कॉर्पोरेट जगत पर नैतिक अनुशासन का दबाव स्वतः निर्मित होगा। यह विषय अब केवल विश्वविद्यालय का मसला नहीं बल्कि राष्ट्रीय चिंता बन चुका है। छात्रों की बेरोजगारी, अवसरों की अनिश्चितता और कंपनियों की बेहिसाब मनमानी देश की प्रतिभा को क्षति पहुंचा रही है। इसलिए सरकार और नियामक संस्थाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार को चाहिए कि प्लेसमेंट अनुबंध और कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले स्पष्ट दिशानिर्देश बनाए, कंपनियों के व्यवहार का राष्ट्रीय डाटा रिकॉर्ड विकसित करे, गलती करने वाली कंपनियों को सरकारी परियोजनाओं और प्रोत्साहनों से वंचित करे तथा आवश्यकता पड़ने पर कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित करे। छात्रों के संरक्षण हेतु बैकअप प्लेसमेंट समर्थन, आर्थिक सहायता और अनुबंधिक सुरक्षा उपाय जैसी व्यवस्थाएं भी विकसित की जानी चाहिए, ताकि किसी छात्र का भविष्य कंपनी की मनमानी से प्रभावित न हो। आइआइटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पाना ही किसी भी छात्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि होती है। आइआइटी की प्लेसमेंट व्यवस्था पहले से ही काफी अनुशासित और नियमबद्ध है। कंपनियों को भाग लेने से पहले कई शर्तों का पालन करना होता है। इसके बावजूद यदि कोई कंपनी अपने वादे से मुकरती है, तो उसे जवाबदेह ठहराया जाना आवश्यक है। क्योंकि छात्रों को जब ऐसे किसी प्रतिष्ठित कंपनी से ऑफर लेटर मिलता है, तो वह न केवल उनके कॅरियर, बल्कि पूरे परिवार के भविष्य की उम्मीद बन जाता है। यदि वही कंपनी अंतिम समय में बिना ठोस वजह के ऑफर रद्द कर दे, तो यह केवल पेशेवर अनुशासन की कमी नहीं, बल्कि छात्रों के साथ किया गया खुला विश्वासघात है। आज का कॉर्पोरेट जगत तेजी से बदल रहा है, उसके मूल्य और मानक बिखर रहे हैं, भारत जब दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों का बनना चिन्ताजनक है। इससे भारत के उच्च शैक्षणिक संस्थानों की साख एवं प्रतिष्ठा भी दांव पर लगती है, इन्हीं स्थितियों के कारण छात्र विदेशों में उच्च शिक्षा के लिये अग्रसर होते हैं। भारत ज्ञान और युवा शक्ति का देश है। उसके शीर्ष संस्थानों की वैश्विक प्रतिष्ठा तभी कायम रह सकती है जब प्लेसमेंट प्रक्रिया भरोसेमंद, सम्मानजनक और नैतिक होगी। कंपनियों को भी समझना होगा कि युवाओं के साथ अनुचित व्यवहार उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाता है और समाज के साथ उनके संबंध कमजोर करता है। आइआइटी का यह निर्णय उन कंपनियों के लिए चेतावनी तो है ही, लेकिन शिक्षा जगत और नीति निर्माताओं के लिए अवसर भी है-एक ऐसी प्रणाली विकसित करने का अवसर जहां छात्र का सम्मान एवं जीवन-सुरक्षा सर्वोपरि हो। यदि संस्थान, सरकार और समाज मिलकर स्पष्ट, कठोर और नैतिक ढांचा बनाएं तो निश्चित ही युवा प्रतिभा सुरक्षित होगी और भारत की विश्वसनीयता भी सुदृढ़ होगी। छात्र केवल डिग्री प्राप्त करने वाले नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव हैं। उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। इसलिए आइआइटी का यह निर्णय स्वागतयोग्य है, बल्कि इसे बदलाव की दिशा में एक निर्णायक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अन्य विश्वविद्यालय, सरकार और समाज भी इसी दिशा में आगे बढ़ें, तो निश्चित ही देश की प्रतिभा को वह सम्मान, सुरक्षा और अवसर मिलेगा जिसकी वह अधिकारी है। उच्च शिक्षा संस्थानों में प्लेसमेंट के नाम पर कंपनियों द्वारा छात्रों के साथ की जाने वाली धांधली, छल-प्रपंच और वायदाखिलाफी आज एक गम्भीर चिंता का विषय है। अनेक बार छात्रों को आकर्षक वेतन, उज्ज्वल भविष्य और स्थायी नौकरी के सपने दिखाए जाते हैं, किंतु चयन प्रक्रिया के बाद उन्हें कम वेतन, अस्थायी अनुबंध, असंगत कार्यक्षेत्र या नियुक्ति टालने जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह विश्वासघात केवल छात्र का नहीं, बल्कि संस्थान और शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता का नुकसान है। अतः भारत सरकार को एक स्पष्ट, कठोर और पारदर्शी नीति बनानी चाहिए, जिसमें प्लेसमेंट देने वाली कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित हो, अनुबंधित शर्तों का पालन अनिवार्य हो तथा उल्लंघन पर दंडात्मक प्रावधान हों। इससे छात्रों का भविष्य सुरक्षित होगा, शिक्षा-प्रणाली की गरिमा बचेगी और उद्योग जगत में विश्वसनीयता एवं नैतिकता की संस्कृति विकसित होगी। इस दृष्टि से आइआइटी प्रशासन का ताजा निर्णय कि ऐसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया जाए, एक सख्त संदेश देता है कि छात्रों का सम्मान, कैरियर और भविष्य सर्वोपरि है। आज आवश्यकता इस बात की है कि दुनियाभर में अपनी पहचान रखने वाले आइआइटी और एनआइटी जैसे संस्थान इस तरह की नीति अपनाएं। इससे कंपनियों पर नैतिक और व्यावसायिक अनुशासन बनाए रखने का दबाव बनेगा। साथ ही छात्रों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा कि अन्याय होने पर संस्थान उनके साथ खड़ा होगा। इसके अलावा सरकार और उच्च शिक्षा नियामक संस्थाओं को भी इस दिशा में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। एक ऐसी केंद्रीय व्यवस्था विकसित की जा सकती है, जिसमें ऑफर लेटर रद्द करने जैसी घटनाओं का रिकॉर्ड रखा जाए और बार-बार ऐसा करने वाली कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया जाए।

देश दुनिया से

भारत-रूस की मित्रता लाएगी वैश्विक शांति

दो दिवसीय यात्रा पर भारत पधारे रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का न केवल भारतीय शासन ने अत्यंत गरिमामयी ढंग से राजकीय सम्मान किया, अपितु देश के लोगों में भी उनके आगमन से अपार हर्ष है। पुतिन की इस यात्रा द्वारा दोनों देशों के ऐतिहासिक पारस्परिक संबंधों को एक नया विश्वसनीय आयाम प्राप्त हुआ है। हालांकि भारत-रूस के संबंध गत नौ-दस दशकों से विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर विश्वास तथा सहायता पर आधारित ही रहे हैं, किंतु गत एक दशक में विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की एक नवायामी दिशा परिलक्षित होती हुई दिखाई दे रही है। इससे विश्व के देशों की नई शक्ति श्रेणी निर्धारित हो रही है। अमेरिका, चीन तथा यूरोपीय देशों की अहितकारी गुप्त नीतियों को भारत-रूस की मैत्री से कठिन चुनौतियां मिल रही हैं। संभवतः विश्व में भारत एवं रूस ही ऐसे दो देश हैं, जिनका संबंध-संयोजन स्वार्थ की भेंट नहीं चढ़ा। इनके मध्य उपभोक्ता उत्पादों के व्यापार में अधिक भागीदारी न होने के बाद भी, दोनों ही राष्ट्रों ने इस कारण कभी एक-दूसरे के प्रति हीनता, अनादर की भावना नहीं रखी। इसके विपरीत भूराजनीतिक, आर्थिक, युद्धक एवं अन्य संकटों की समयावधि में दोनों ही देशों ने एक-दूसरे की बढ़चढ़ कर सहायता की है, और अभी पुतिन की इस यात्रा के बाद तो सुनिश्चित होता दिख रहा है कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सहायता एवं समर्पण की परिधि को सुदृढ़तापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सदैव कटिबद्ध रहेंगे। पुतिन ने इससे पहले सन् 2000, 2012, 2014, 2018, 2021 में पांच बार भारत की यात्रा की है। कोरोना काल के बाद उनकी यह पहली भारतीय यात्रा है। हालांकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्तारूढ़ होने के बाद सात बार रूस की यात्रा की है, किंतु गत सितंबर में चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर वार्ता में रूस के साथ द्विपक्षीय वार्ता के समय दोनों राष्ट्राध्यक्षों के मध्य पुतिन की कार में बैठकर परस्पर व गुप्त संवाद करने का जो चित्र-चलचित्र प्रसारित हुआ था, उससे भलीभांति अवगत हो गया था कि विश्व, विशेषकर दक्षिण एशिया में अमेरिकी कूटनीतिक प्रसारण पर प्रतिबंध हेतु अधि संभवतः रूस-भारत तथा कम संभावित रूप में रूस-भारत-चीन के बीच एक नई वैश्विक राजनीतिक समझ विकसित होने लगी है। पुतिन की भारत यात्रा की समयावधि में यह पहली बार है कि दोनों देशों की ओर से रक्षामंत्रियों, विदेशमंत्रियों एवं सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर टू प्लस टू वार्ता का आयोजन किया गया। पुतिन-मोदी की अध्यक्षता में संपन्न 23वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य तथा भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रेस भेंटवार्ता से स्पष्ट है कि दोनों देश अब आगे भविष्य में सामरिक संबंधों के साथ-साथ आर्थिक-व्यापारिक संबंधों को भी शक्तिसंपन्न करने हेतु संकल्पबद्ध हैं। दोनों नेताओं की भेंटवार्ताओं से भारत-रूस की कार्यनीतिक सहभागिता को नवदिशा प्राप्त हुई है। हालांकि दोनों ही देशों के मध्य सोवियत संघ के अस्तित्व के समय से ही द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश समझौतों का दीर्घकालिक दृढ़ संबंध रहा है, किंतु विगत कुछ वर्षों में दोनों का द्विपक्षीय व्यापार इनके आर्थिक समन्वयन के साथ नवशिखर तक पहुंचा है। सोवियत संघ के विघटन पर रूस की उत्पत्ति के बाद रूस-भारत का द्विपक्षीय व्यापार 1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में वर्ष 2024-25 के वित्तीय वर्ष में 68.7 बिलियन डालर तक पहुंच चुका है, और अब इस शिखर वार्ता के उपरांत द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। जहां पुतिन ने भारत को निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति करते रहने का आश्वासन दिया है, वहां दोनों देशों ने निवेश अनुबंधों के अंतर्गत भारतीय कंपनियों को रूस के तेल एवं गैस, औषधि व सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, तो रूसी कंपनियों को भारत के ऊर्जा, अवसंरचना निर्माण तथा विनिर्माण क्षेत्रों में पहले से अधिक निवेश करने के लिए प्रेरित किया है। वार्ता में ऐसे ही विभिन्न कार्यक्षेत्रों सहित निर्बाध एवं सुगम पारस्परिक प्रवासन व गतिशीलता के 16 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग अधिक बढ़ेगा। शिखर वार्ता में यह संभावना प्रकट की गई है कि द्विपक्षीय सहयोग पर आधारित औषधीय उद्योग द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा बढ़ेगी तथा नवीन उद्योग विकसित होंगे। चूंकि जहां एक ओर, भारत में प्राकृतिक फाइबर, कारपेट से लेकर तकनीक आधारित वस्त्रोत्पादन की प्रचुरता, उपलब्धता है, और साथ ही साथ इनकी अभिकल्पना, कारीगरी में भी वैश्विक उपस्थिति है, वहीं दूसरी ओर रूस पॉलिमर और सिंथेटिक कच्ची सामग्री का एक बड़ा उत्पादक है। अतः दोनों देश एक साथ एक स्थायी व लाभकारी वस्त्र कारोबार कर सकते हैं। व्यापार में घनिष्ठता बढने पर दोनों देश उर्वरक, सिरेमिक, सीमेंट, विनिर्माण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग करते हुए नए आर्थिक आयाम प्राप्त कर सकते हैं। पुतिन ने ब्रिक्स संगठन को सशक्त करने में भारत-रूस के सहयोग पर भी ध्यानाकृष्ट किया। दोनों नेताओं ने आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की अपनी-अपनी राष्ट्रीय कार्यनीति का भी समर्थन किया। भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर तटस्थ बने रहने के आरोप का खंडन करते हुए स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी देश की संतुलित प्रगति में सबसे बड़ा बाधक है, अतः रूस-यूक्रेन ही नहीं, अपितु विश्व में कहीं किन्हीं देशों के बीच युद्ध होना ही नहीं चाहिए। भारत-रूस के दृढ़ संबंधों में अधिक सुदृढ़ता, डेमोक्रेट्स के राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में अमेरिका तथा अमेरिका के नेतृत्व में यूरोपीय देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने के बाद, पनपी है। यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे हुए रूस के बारे में अमेरिका, यूरोपीय देशों से लेकर अन्य देशों ने वैरभाव पाल लिया है। ये देश यूक्रेन की संप्रभुता, स्वायत्तता तथा शोषण के लिए तो रूस का विरोध अवश्य करते रहे हैं और निरंतर कर रहे हैं, किंतु साथ ही रूसी संप्रभु, स्वायत्त एवं राष्ट्रीय अधिकारों की उपेक्षा भी कर रहे हैं। अमेरिका ने तो रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर व्यापार शुल्क में अतिशय वृद्धि कर दी थी। किंतु चीन, स्वयं कुछ यूरोपीय देशों तथा यहां तक कि अमेरिका ने भी अपने आर्थिक-व्यापारिक हितों के लिए रूस से कच्चा तेल सहित अन्य निर्मित व अद्र्धनिर्मित खनिजों की खरीददारी जारी रखी है। इन विरोधाभासों के बीच भारत-रूस ने पारस्परिक संबंधों, मैत्री तथा विश्वास को गहरा करने पर ही अपना ध्यान केंद्रित रखा। रूस पर अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के प्रतिबंध से उत्पन्न व्यापारिक-आर्थिक संकट में भारत ने मित्रता का कर्तव्य निभाते हुए वर्ष 2021 से लेकर 2024 तक बड़ी मात्रा में रूसी कच्चा तेल खरीदा, अपने संशोधन संयंत्रों में उसे खपतयोग्य सीमा तक संशोधित किया तथा वापस यूरोपीय देशों और यहां तक कि यूक्रेन को भी बेचना आरंभ कर दिया। रूस-भारत के इस व्यापारिक सहसंबंध के कारण भारत की अर्थव्यवस्था को पंख लग गए।

कुछ अलग

मल्हार गाइए, ढोल बजाइए...

नमस्कार बंधु! जो रुपया गिरकर अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है, घबराने की कोई जरूरत नहीं। हम हैं न! हमने बड़ों बड़ों का उठा दिया। इसे भी उठा देंगे। हमारे सामने इसकी औकात ही क्या! प्रिय बंधु! हमने अपने जीवन में इतने गिरते हुए देखे हैं कि अब हम किसी के गिरने को कतई भी गंभीरता से नहीं लेते। हम किसी के गिरने से कतई नहीं घबराते। बल्कि किसी के गिरने पर उसके गिरने का उत्सव मनाते हैं। हम जानते हैं कि तुमने अब घबराना छोड़ दिया है। आखिर आदमी जिंदगी भर कब तक घबराता फिरे? किस किससे घबराता फिरे? आदमी ही क्या, गधा भी जब घबराते घबराते थक जाता है तो फाइनली वह घबराना छोड़ देता है। डियर बंधु! हम किसी से अपनी तुलना क्यों करें? हम हम हैं, और और हैं। और हम नहीं हो सकते, और हम और नहीं हो सकते। उनका डॉलर डॉलर है, हमारा रुपया रुपया है। वे अपना डॉलर अपने पास रखें, हम तो अपना रुपया अपने पास रखे ही हैं। विकास के लिए किसी से अपनी तुलना करना गलत है। ये सब देश विरोधी हैं। ये सब देश के विकास के गतिरोधी हैं। जरा सोचो तो, हमें कौन से अपनी जेब में डॉलर लेकर गोभी, बैंगन, प्याज, टमाटर खरीदने निकलना है? हम तो अपनी जेब में अपना रुपया लेकर ही जाएंगे न भाई साहब! वह उठा हो या गिरा, इससे क्या फर्क पड़ता है? है तो रुपया ही न! अपने तो गिरे हुए भी दूसरों के उठे हुओं से हजार दर्जे प्यारे होते हैं जनाब! होने भी चाहिएं, जो हममें लेश मात्र भी देशभक्ति हो तो।

आप का नजरिया

मानवाधिकारों का मसला

मानव इतिहास में 10 दिसंबर 1948 का दिन इसलिए दर्ज है कि इस दिन मानवाधिकारों की वह सार्वभौमिक घोषणा स्वीकार की गई थी जिसने मनुष्य को केवल एक जैविक प्राणी के रूप में नहीं, उसकी गरिमा, स्वतंत्रता और व्यक्तित्व की पूर्णता के साथ देखने का दृष्टिकोण प्रदान किया था। आज इस घोषणा को हुए 77 वर्ष बीत चुके हैं परंतु विडंबना है कि मानवाधिकारों की रक्षा का वादा अभी भी कागजों, सम्मेलनों और घोषणाओं से बाहर वास्तविक जीवन में परिलक्षित नहीं होता। दुनिया की बड़ी आबादी आज भी उन अधिकारों (जीवन, समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय, भोजन, शिक्षा, अभिव्यक्ति, गरिमा और भय से मुक्त जीवन का अधिकार) की प्रतीक्षा में है, जिन्हें सार्वभौमिक कहा गया था। मानवाधिकारों की स्थापना का विचार द्वितीय विश्वयुद्ध की त्रासदी से उपजा था। उस युद्ध ने सभ्यता के चेहरे से मानवता का मुखौटा चीर दिया था। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना इसी संकल्प के साथ हुई थी कि ऐसी त्रासदियां दोबारा न हों। मानवाधिकार उसी संकल्प का दस्तावेज थे, एक ऐसी प्रतिज्ञा, जो मानव को राष्ट्रों की सत्ता, राजनीति और विचारधाराओं के बीच दबने से बचा सके, परंतु बीते सात दशकों ने यह दिखा दिया है कि घोषणा करना जितना आसान है, उसका संरक्षण उतना ही कठिन। आज स्थिति यह है कि मानवाधिकारों की बात करते समय भूख, गरीबी, युद्ध, कुपोषण, बाल मजदूरी, लैंगिक हिंसा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दे अभी भी प्रासंगिक हैं, लेकिन इन पुरानी चुनौतियों के बीच एक नई और अदृश्य चुनौती उभर चुकी है कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई)। यह चुनौती इतनी गहरी और व्यापक है कि इसके प्रभाव न केवल आर्थिक ढांचे, शासन प्रणाली, नौकरी और नैतिकता के स्वरूप को बदल रहे हैं, बल्कि मानव अस्तित्व, स्वतंत्रता और निजता की परिभाषा तक को पुनर्गठित कर रहे हैं। यही कारण है कि आज विश्व मानवाधिकार दिवस केवल अतीत की उपलब्धियों का स्मरण नहीं बल्कि भविष्य की संभावित विडंबनाओं के प्रति चेतावनी भी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दखल अब मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में व्यापक होती जा रही है। निर्णय लेने की क्षमता, जो अब तक मानव विवेक के हाथ में थी, वह धीरे-धीरे मशीनों के एल्गोरिद्म के हवाले होने लगी है। न्यायपालिका से लेकर स्वास्थ्य, वित्त, शिक्षा, सुरक्षा, मीडिया और नौकरियों तक, एआई के आधार पर किए गए निर्णय मानवाधिकारों की अवधारणा को चुनौती देते दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या एक एल्गोरिद्म यह तय कर सकता है कि कौन अपराधी है, किसे नौकरी मिलेगी, किस पर नजर रखी जाएगी, किसकी पहचान संदिग्ध है या कौनसा विचार मान्य है? और यदि मशीन ने गलत निर्णय दिया तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? मानवाधिकारों की घोषणा के समय दुनिया डिजिटल नहीं थी। तब यह प्रश्न अप्रासंगिक लगता था कि मनुष्य की निजता क्या मशीन की संपत्ति बन सकती है या क्या डिजिटल पहचान हमारी जैविक पहचान पर हावी हो सकती है? आज यह आशंका वास्तविकता है। विश्व का बड़ा हिस्सा आज स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और डेटा आधारित प्रणालियों की गिरफ्त में है। हम जितना सोचते हैं, उससे कहीं अधिक हमारा व्यवहार, हमारी पसंद, हमारी निजता, हमारी कमजोरी और हमारा भविष्य, सब डेटा की भाषा में किसी सर्वर पर संरक्षित हो चुका है। यह डेटा हमारी नई पहचान है और हमारा यह डिजिटल स्वरूप मानवाधिकारों की परिभाषा को एक नए मोड़ पर खड़ा कर चुका है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सर्वाधिक खतरनाक पहलू यह है कि यह निष्पक्ष होने का दावा करती है, लेकिन डेटा और एल्गोरिद्म भी समाज की पूर्वाग्रहपूर्ण मानसिकता से मुक्त नहीं होते। यदि डेटा पक्षपाती है, तो एआई भी पक्षपात को ही वैज्ञानिक सत्य में बदल देता है। इस तरह यह तकनीक कभी-कभी दमनकारी सत्ता की सबसे शक्तिशाली सहयोगी में बदल सकती है।

आज इस घोषणा को हुए 77 वर्ष बीत चुके हैं परंतु विडंबना है कि मानवाधिकारों की रक्षा का वादा अभी भी कागजों, सम्मेलनों और घोषणाओं से बाहर वास्तविक जीवन में परिलक्षित नहीं होता। दुनिया की बड़ी आबादी आज भी उन अधिकारों (जीवन, समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय, भोजन, शिक्षा, अभिव्यक्ति, गरिमा और भय से मुक्त जीवन का अधिकार) की प्रतीक्षा में है, जिन्हें सार्वभौमिक कहा गया था। मानवाधिकारों की स्थापना का विचार द्वितीय विश्वयुद्ध की त्रासदी से उपजा था। उस युद्ध ने सभ्यता के चेहरे से मानवता का मुखौटा चीर दिया था। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना इसी संकल्प के साथ हुई थी कि ऐसी त्रासदियां दोबारा न हों। मानवाधिकार उसी संकल्प का दस्तावेज थे, एक ऐसी प्रतिज्ञा, जो मानव को राष्ट्रों की सत्ता, राजनीति और विचारधाराओं के बीच दबने से बचा सके, परंतु बीते सात दशकों ने यह दिखा दिया है कि घोषणा करना जितना आसान है, उसका संरक्षण उतना ही कठिन। आज स्थिति यह है कि मानवाधिकारों की बात करते समय भूख, गरीबी, युद्ध, कुपोषण, बाल मजदूरी, लैंगिक हिंसा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दे अभी भी प्रासंगिक हैं, लेकिन इन पुरानी चुनौतियों के बीच एक नई और अदृश्य चुनौती उभर चुकी है कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई)। यह चुनौती इतनी गहरी और व्यापक है कि इसके प्रभाव न केवल आर्थिक ढांचे, शासन प्रणाली, नौकरी और नैतिकता के स्वरूप को बदल रहे हैं, बल्कि मानव अस्तित्व, स्वतंत्रता और निजता की परिभाषा तक को पुनर्गठित कर रहे हैं। यही कारण है कि आज विश्व मानवाधिकार दिवस केवल अतीत की उपलब्धियों का स्मरण नहीं बल्कि भविष्य की संभावित विडंबनाओं के प्रति चेतावनी भी है।

दृष्टि कोण

शारीरिक क्षमताओं को पंख लगाती है फिटनेस

फिटनेस हमारे शारीरिक स्वास्थ्य की एक ऐसी अवस्था है जो हमारे शरीर में हमारी दैनिक क्रियाओं, खेलों और हमारे पेशे से संबंधित क्रियाओं को ताकत और ऊर्जा के साथ करने की क्षमता का विकास करती है। इसको हम एक ऐसी अवस्था के रूप में भी देख सकते हैं जो हमें अपने कार्यों को बिना थके करने के योग्य बनाती है। फिटनेस के प्रति समाज में जागरूकता का अभाव कई प्रकार की भ्रांतियों को भी जन्म देता है। इसलिए फिटनेस के प्रति जागरूकता और इसके प्रति समर्पण वर्तमान परिदृश्य में बहुत आवश्यक हो जाता है। फिट होना या फिटनेस की अवस्था को प्राप्त करने की आवश्यकता को अक्सर किसी एथलीट या खिलाडियों की जरूरतों से जोडक़र देखा जाता है और ये एक प्रचलित गलतफहमी भी है कि फिटनेस केवल खिलाडियों के लिए जरूरी है और एक आम इनसान से इसका कोई ज्यादा संबंध नहीं है। जबकि सच्चाई ये है कि आज के दौर में फिटनेस हर व्यक्ति की जरूरत बन चुकी है। इसके अलावा एक ये अज्ञानता भी समाज में प्रचलित है कि एक व्यक्ति के पतले होने पर उसको फिट मान लिया जाता है और मोटे होने पर अनफिट करार दे दिया जाता है। जबकि ऐसा होना कोई जरूरी नहीं है। एक पतला इनसान भी अनफिट हो सकता है और मोटा व्यक्ति फिट हो सकता है। फिटनेस के संबंध में जागरूकता का आभाव ही ऐसी धारणाओं को समाज में फैलने देने के लिए जिम्मेदार है। इसलिए इन सब विषयों को गहराई से समझने की आवश्यकता है। फिटनेस को आसानी से समझने के लिए ये जानना जरूरी है कि ये एक ऐसी शक्ति है जो हमें अपने कार्यों को करने में आनंद महसूस करवाती है और हम कार्यों से पीछे हटने की बजाय उनको अपनी पूरी ताकत से करने के लिए प्रयास करते हैं। इसके अलावा हम अपने आप में अच्छा और ताकतवर महसूस करते हैं। फिटनेस हमें मानसिक रूप से भी स्वस्थ बनाती है और अवसाद जैसी भयंकर बीमारियों से लडऩे की क्षमता को भी विकसित करती है। जीवन में फिटनेस प्राप्त करने के लिए शारीरिक क्रियाओं के साथ खानपान की अच्छी आदतों का मिश्रण एक सर्वोतम तरीका माना जाता है। लेकिन इसके लिए निरंतरता एक आवश्यक पहलू बन जाता है। ये कोई एक दिन में होने वाला करिश्मा नहीं है। फिटनेस के लिए की जाने वाली क्रियाओं और आदतों को निरंतर करने से ही फिटनेस के लाभों को सही रूप में महसूस किया जा सकता है। शारीरिक क्रियाओं के चुनाव हम अपनी सुविधा और अपने शौक के अनुसार कर सकते हैं। इसमें सैर, दौड़, साइकिलिंग या किसी भी प्रकार का कोई खेल शामिल है। लेकिन इन क्रियाओं को करते समय कुछ वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देना भी जरूरी हो जाता है, जिसमें सबसे पहला है ऐसी क्रिया या व्यायाम करना जो हमारे हृदय और फेफड़ों को मजबूत करे। ये तब होता है जब हम कोई ऐसी क्रिया या व्यायाम करते हैं जो हमारे दिल की धडक़न की गति को बढ़ाते हैं और कुछ देर के लिए बढ़ा कर रखते हैं। ये क्रियाएं हमारे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ाती हैं। ये क्रियाएं यदि प्रतिदिन कम से कम 35 मिनट की जाएं तो इनके न केवल बहुत से हृदय संबंधी लाभ प्राप्त होते हैं, बल्कि इससे टाइप टू मधुमेह के खतरे को भी कम किया जा सकता है। इसके इलावा इस प्रकार की शारीरिक क्रियाओं से मानसिक स्वास्थ्य को भी बल मिलता है और ये क्रियाएं अच्छी नींद लाने में भी सहायता करती हैं। इन क्रियाओं के दौरान हमारे शरीर में कुछ ऐसे हार्मोन भी बनते हैं जो हमारे मानसिक स्वास्थ के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं।

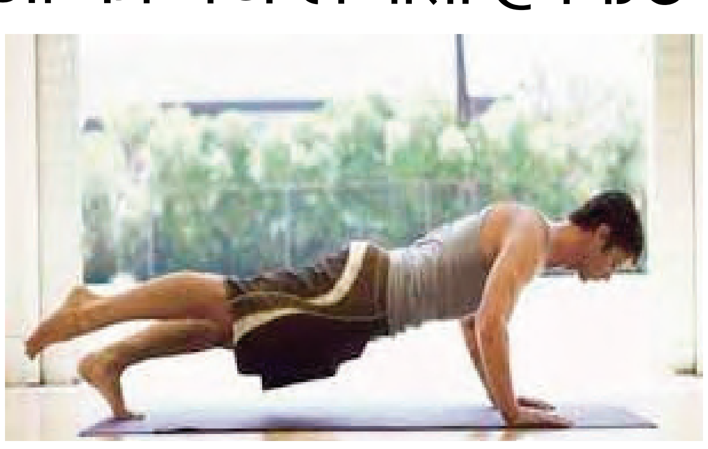

कई शहर जमीन धंसने और समुद्र के बढ़ते जलस्तर की चपेट में : शोध

लंदन, 11 दिसंबर (एजेंसियां) ।

शंघाई, कराची, ढाका, निंगबो और ग्वांगझू जैसे शहर लगातार जमीन धंसने और समुद्र के बढ़ते जलस्तर की चपेट में हैं। हाल ही में एक रिसर्च में चेतावनी दी गई है कि समुद्र के किनारे बसे ये शहर अब सुरक्षित नहीं हैं। वैज्ञानिकों ने इसे एक 'कॉम्बिनेशन खतरे' कहा है, जो किसी परमाणु हमले से कम नहीं। दुनिया के कई बड़े और महत्वपूर्ण डेल्टा शहरों के लिए खतरा बढ़ता जा रहा है। अगर इन शहरों ने अपनी सुरक्षा रणनीति नहीं बदली, तो यहां न्यू ऑरलियन्स जैसी तबाही हो सकती है, जैसा 2005 में हरिकेन कैटरीना ने दिखाया था। ताजा अध्ययन में बताया गया है कि शंघाई जैसे शहर सिर्फ ऊंची दीवारों और बांधों के भरोसे नहीं रह सकते। क्लाइमेट चेंज के चलते समुद्री तूफान और ज्वार के स्तर में वृद्धि ने खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। बड़े तूफान के समय यह दीवारें ताश के पत्तों की तरह ढह सकती हैं। इसके बाद आने वाली बाढ़ 'पोल्डर फ्लड' कहलाती है। यह सामान्य बाढ़ से अलग होती है, क्योंकि पानी शहर के अंदर फंस जाता है और बाहर नहीं निकल पाता।

'पोल्डर इफेक्ट' को समझना बेहद जरूरी है। साधारण बाढ़ में पानी ढलान के कारण बहकर बाहर चला जाता है, लेकिन डेल्टा शहर समुद्र के स्तर से नीचे हैं। जब सुरक्षा दीवारें टूटती हैं, तो शहर एक कटोरे की तरह पानी में डूब जाता है। गुरुत्वाकर्षण के कारण पानी बाहर नहीं निकल पाता। इसे ही पोल्डर इफेक्ट कहा जाता है। यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के प्रोफेसर रॉबर्ट निकोल्स के अनुसार, 'जब सुरक्षा दीवारें फेल होती हैं तो पोल्डर इफेक्ट की तबाही बहुत खौफनाक होती है।' रिसर्च में 40 बड़े डेल्टा शहरों की पहचान की गई है, जिनमें करीब 30 करोड़ लोग रहते हैं और सभी 'कंपाउंड फ्लडिंग' के खतरे में हैं।

सबसे ज्यादा खतरा चीन के शंघाई, निंगबो और ग्वांगझू, म्यांमार के यांगून, बांग्लादेश के ढाका, पाकिस्तान के कराची और अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स को है। वैज्ञानिकों ने शंघाई के लिए डिजिटल मॉडल तैयार किया, जिसमें पिछले 50 सालों के तूफानों का डेटा शामिल किया गया।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में राष्ट्रपति ने किया ट्रंप गोल्ड कार्ड लॉन्च, सरकारी खजाने में भारी बढ़ोतरी का दावा

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रंप गोल्ड कार्ड के नाम से नया वीजा प्रोग्राम शुरू किया है।इसकी घोषणा करते हुए बुधवार को उन्होंने कहा कि लोग इस गोल्ड कार्ड नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे। ट्रंप का दावा है कि नए वीजा प्रोग्राम से अमेरिकी खजाने में अरबों डॉलर की बढ़ोतरी होगी। ट्रंप ने वॉइट हाउस के रूजवेल्ट रूम में बिजनेस लीडर्स की मौजूदगी में इस बहुप्रतीक्षित योजना की घोषणा की। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'अमेरिकी सरकार का ट्रंप गोल्ड कार्ड आ गया। सभी योग्य और वेरिफाइड लोगों के लिए नागरिकता का सीधा रास्ता।अमेरिकी कंपनियां अपनी प्रतिभाओं को अपने पास रख पाएंगी। लाइव साइट 30 मिनट में खुलेगी।' इस कार्ड को लॉन्च करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि यह ग्रीन कार्ड जैसा है लेकिन इससे फायदा कहीं ज्यादा है।इससे आने वाला अरबों डॉलर अमेरिकी सरकार के खजाने में जाएगा। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश में प्रतिभाशाली लोगों को लाने का मौका देगा। 'ट्रंप गोल्ड कार्ड' के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसकी आधिकारिक वेबसाइट पर इच्छुक लोग आवेदन कर सकते हैं।

महीनों बाद सार्वजनिक हुईं वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया मचाडो, नोबेल पुरस्कार लेने पहुंचीं नॉर्वे

ओस्लो। वेनेजुएला की प्रमुख विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो महीनों की चुप्पी और सार्वजनिक

जीवन से दूरी के बाद पहली बार नॉर्वे में नजर आईं, जहां वे अपना नोबेल शांति पुरस्कार लेने के लिए गुप्त यात्रा पर पहुंचीं। 58 वर्षीय मचाडो जनवरी से सार्वजनिक रूप से नहीं दिखी थीं, ऐसे में ओस्लो में उनकी उपस्थिति वैश्विक और वेनेजुएला की राजनीति दोनों में बड़ा संकेत मानी जा रही है। देर रात ओस्लो के ग्रैंड होटल की बालकनी पर मचाडो ने समर्थकों का अभिवादन किया। इस दौरान उनके समर्थक बड़ी संख्या में होटल के बाहर एकत्र हुए थे। मचाडो को देखकर लोग भावुक हो उठे, वहीं मचाडो भी भीड़ को हाथ हिलाते और फ्लाइंग किस देते हुए भावुक दिखीं। उन्होंने समर्थकों के साथ गीत भी गाए। इस यात्रा से जुड़ा सबसे बड़ा पहलू यह है कि वेनेजुएला सरकार ने उन पर यात्रा प्रतिबंध लगा रखा था और चेतावनी दी थी कि विदेश यात्रा करने पर उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया जाएगा। इसके बावजूद मचाडो ने जोखिम उठाते हुए नॉर्वे जाने का फैसला लिया। एक बयान में उन्होंने कहा कि वे 'पूरी तरह जानती हैं कि वह क्या जोखिम उठा रही हैं,' लेकिन लोकतांत्रिक संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय समर्थन उनके लिए महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों का मानना है कि उनकी यह उपस्थिति वेनेजुएला की विपक्ष के लिए एक नया मनोबल पैदा करेगी।

खाड़ी देशों में भारत का प्रभाव हो रहा कम, सऊदी अरब-पाक में परमाणु सुरक्षा डील

रियाद। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच परमाणु सुरक्षा डील पर हस्ताक्षर किया गया था। अमेरिका में

इस डील को अपने सुरक्षा हित से देखा। इस डील में कहा गया है कि सऊदी अरब या पाकिस्तान पर कोई भी हमला हुआ तो दूसरे देश पर हमला माना जाएगा। अमेरिकी विश्लेषक का मानना है कि इसे कतर पर हुए इजराइल हमले से जोड़कर देखना चाहिए। वह भी तब जब कतर को अमेरिकी सुरक्षा गारंटी मिली हुई थी। सऊदी अरब और पाकिस्तान की इस सुरक्षा डील को कई विश्लेषकों ने भारत के लिए झटका बताया। यह डील अमेरिका की बजाय खाड़ी देशों में भारत के हितों को लेकर ज्यादा अहम और नुकसानदायक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक लेख में सीनियर फेलो जीन लूप ने कहा कि सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रिश्ते में कुछ भी नया नहीं है। दोनों देशों के बीच लेबर और सुरक्षा को लेकर लंबे समय से करीबी संबंध हैं। सऊदी अरब की सेना ऐतिहासिक रूप से ट्रेनिंग के लिए पाकिस्तानी सैनिकों पर भरोसा करती है। साल 1963 से पाकिस्तान की सेना सऊदी अरब में तैनात होती रही है। ये पाकिस्तानी सैनिक मक्का और मदीना समेत सऊदी अरब की जमीन की सुरक्षा करते हैं। जीन ने कहा कि पाकिस्तान के इस प्रभाव की वजह से भारत लंबे समय तक खाड़ी देशों में अपने प्रभाव को नहीं बढ़ा पाया। 6 खाड़ी देशों में 97 लाख भारतीय रहते हैं। साल 2024 में खाड़ी देशों से भारत को 47 अरब डॉलर विदेशी मुद्रा मिली थी। पीएम मोदी के आने के बाद भारत ने खाड़ी देशों में खुद को एक रणनीतिक खिलाड़ी के रूप में पेश किया। भारत ने यूएई के साथ अपनी दोस्ती को और मजबूत किया। सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी भारत के राजकीय दौरे पर आए थे।

रूस-यूक्रेन युद्ध- सेंट पीटर्सबर्ग में भीषण धमाके, मॉस्को ने ड्रोन हमलों को रोका

मॉस्को, 11 दिसंबर (एजेंसियां) ।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में लगातार बढ़ते हमलों के बीच बुधवार रात एक बड़ा हादसा सेंट पीटर्सबर्ग में सामने आया। शहर के सबसे बड़े बाजार में अचानक कई जोरदार धमाके हुए, जिनकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई। इन धमाकों के बाद लगी भीषण आग में कई लोग घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति की जान चली गई। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार विस्फोटों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पूरा शॉपिंग कॉम्पलेक्स आग की लपटों में घिर गया और लगभग पूरी तरह नष्ट हो गया। धमाकों के कारणों को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि शुरुआती रिपोर्टें बताती हैं कि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। एक महिला को धुएं में मौजूद कार्बन मोनोऑक्साइड के कारण सांस लेने में दिक्कत हुई, जबकि एक व्यक्ति आग से बचने के लिए दूसरी मंजिल से कूद गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में विशाल काले धुएँ के गुबार उठते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिनसे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आग कितनी भयानक थी। सुरक्षा एजेंसियां धमाकों के कारणों की जांच में जुटी हैं। इस घटना के कुछ ही समय बाद रूस की राजधानी मॉस्को में भी खतरे की स्थिति उत्पन्न हो गई। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि बुधवार रात एयर डिफेंस सिस्टम ने शहर की ओर बढ़ रहे कई ड्रोन्स को निशाना बनाकर मार गिराया। उनके अनुसार लगभग साढ़े तीन घंटे के भीतर कुल 31 ड्रोन्स को इंटरसेप्ट किया गया। दोपहर में भी एक ड्रोन को गिराया गया था। ड्रोन्स को नष्ट किए जाने के बाद इमरजेंसी टीमें मलबा इकट्ठा करने में जुट गईं।

मेयर ने बताया कि इन ड्रोन हमलों में किसी भी प्रकार की जनहानि या संपत्ति को नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि एहतियातन एविएशन मंत्रालय ने मॉस्को के सभी हवाईअड्डों पर उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दीं और कई विमानों को सेंट पीटर्सबर्ग के पुलकोवो एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट कर दिया गया।यह घटनाएं ऐसे समय में हुई हैं जब मॉस्को में नाजी जर्मनी पर जीत की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक बड़े सैन्य परेड का आयोजन किया जा रहा है। इस परेड में मॉस्को के मेयर मुख्य अतिथि होंगे। बढ़ते हमलों के बीच सुरक्षा एजेंसियों को कड़े उपाय अपनाने पड़े हैं।

मोदी साहब, हम जिंदा रहना चाहते हैं पाक जो दुनिया के लिए खतरा है उससे आजाद कराएं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की शहबाज सरकार ने संविधान संशोधन कर असीम मुनीर को परमाणु बमों का एकाधिकार सौंप दिया है, जिसके बाद पाकिस्तान से लेकर विदेशों में भी परमाणु हथियारों को लेकर चिंता होने लगी है। इस बीच सिंध प्रांत के एक नेता ने भारत के पीएम मोदी को पत्र लिखकर दुनिया को हैरान कर दिया है। सिंधी नेता शफी बुरफत ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान एक खतरनाक रूप से अस्थिर दौर में जा रहा है, जिसे वह चरमपंथी, सैन्य कमांड स्ट्रक्चर कहते हैं। उन्होंने पत्र में लिखा कि पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर को पाकिस्तान के परमाणु बम का मालिक बनाना ना सिर्फ सिंध, बल्कि पूरे इलाके के लिए खतरा है। सिंध नेता ने मानवाधिकार दिवस से एक दिन पहले पीएम मोदी को असीम मुनीर को लेकर पत्र लिखा। इस पत्र में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को लेकर गंभीर चिंता जताई गई है। शफी बुरफत, सिंधी नेशनलिस्ट ग्रुप जेय सिंध मुत्ताहिदा महाज के चेयरमैन हैं। उन्होंने ये पत्र उस वक्त लिखा जब पाकिस्तानी संसद ने संविधान में संशोधन कर असीम मुमीर को चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस बना दिया यानि अब पाकिस्तान की नेशनल पॉलिसी से लेकर, इंटरनल सिक्योरिटी और पॉलिटिक्स पर असीम मुनीर का कब्जा हो गया है। यह पत्र एक पॉलिटिकल बयान नहीं है। यह एक चेतावनी है। यह इंसानियत के लिए एक अलार्म है। यह एक ऐसे देश की आवाज है जो एक दबाने वाले, कट्टर और खतरनाक रूप से अस्थिर देश में जिंदा रहने के लिए संघर्ष कर रहा है। पत्र में कई बातों का जिक्र करते हुए अंत में लिखा है कि आपकी लीडरशिप लाखों बेगुनाह लोगों की जान बचा सकती है। पीएम मोदी साहब, सिंधी देश पाकिस्तानी गुलामी को पूरी तरह और हमेशा के लिए खारिज करता है। हम जिंदा रहना चाहते हैं। हम इज्जत चाहते हैं। हम एक ऐसे कट्टरपंथी, मिलिट्री वाले देश से आजादी चाहते हैं, जो हमारे देश को दबाता है और दुनिया को खतरे में डालता है। इस पत्र में आगे लिखा है कि सभ्य दुनिया को इस खतरनाक सिस्टम को सामने लाना होगा, उसका सामना करना होगा और उसे खत्म करना होगा। जब तक पाकिस्तान का कट्टरपंथ, आतंकवाद और गैर-जिम्मेदार न्यूक्लियर रवैया खत्म नहीं हो जाता, तब तक उसका होना इस इलाके और दुनिया की शांति के लिए हमेशा खतरा बना रहेगा।

बांग्लादेश के वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन 6 घंटे बाद मुक्त, कर्मचारियों ने कार्यालय में बनाया था बंधक

ढाका, 11 दिसंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश में बुधवार दोपहर कार्यालय में बंधक बनाए गए वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन अहमद को रात करीब 8 बजे पुलिस की मदद से बाहर निकला गया। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के कर्मचारियों ने वित्त सलाहकार डॉ. अहमद को उनके कार्यालय में ही बंधक बना लिया था। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज कर रही है।

बांग्लादेश के प्रशासनिक हलकों में बुधवार दोपहर करीब 02 बजे उस समय हलचल मच गई जब विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के कर्मचारियों ने वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन अहमद को सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में बंधक बना लिया। सचिवालय की चौथी मंजिल पर प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने सलाहकार के कार्यालय के बाहर नाकाबंदी कर दी थी। प्रदर्शनकारी सभी सरकारी कर्मचारियों को 20 प्रतिशत विशेष भत्ता दिए जाने की मांग कर रहे हैं।

घटनाक्रम के मुताबिक प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने वित्त सलाहकार को उनके कार्यालय में गुरुवार तक मांगें पूरी किए जाने की बात कह कर वार्ता के लिए बुलाया। उनके कार्यालय पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारी तत्काल मांगें पूरी करने पर अड़े रहे। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का कहना था कि सरकार जबतक गजट अधिसूचना जारी नहीं करती वे पीछे नहीं हटेंगे। प्रदर्शनकारियों ने उनके कार्यालय की नाकेबंदी कर दी। आखिरकार रात करीब 8 बजे पुलिस की मदद से उन्हें बाहर निकाला गया। कर्मचारियों का यह प्रदर्शन ऐसे समय में हो रहा है जब अंतरिम सरकार के गठन के बाद कर्मचारियों में असंतोष तेजी से बढ़ रहा है। बांग्लादेशी अर्थशास्त्री सालेहुद्दीन अहमद अगस्त 2024 से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के वित्त सलाहकार हैं। वे बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर भी हैं।

(फेज) मोरक्को में इमारतें गिरने से 19 लोगों की मौत

फेज। उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को के ऐतिहासिक और घनी आबादी वाले शहर फेज में बुधवार को दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। दो पास-पास स्थित चार मंजिला रिहायशी इमारतें अचानक ढह गईं, जिसमें कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 16 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। मलबे में अब भी लोगों के फंसे होने की आशंका है और बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना भी जताई जा रही है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, अल-मुस्तकबल इलाके की ये इमारतें लंबे समय से उपेक्षा का शिकार थीं। आठ परिवारों का बसेरा रहने वाली इन बिल्डिंगों में काफी समय से दरारें और स्ट्रक्चरल खराबियां देखी जा रही थीं, लेकिन इन्हें ठीक करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन, सुरक्षाकर्मियों और सिविल प्रोटेक्शन टीमों ने आधी रात को ही मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया।

पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने 686 मिलियन डॉलर देगा अमेरिका

वाशिंगटन, 11 दिसंबर (एजेंसियां) ।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी कांग्रेस को पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने के लिए 686 मिलियन डॉलर की प्रस्तावित हथियार बिक्री की सूचना दी है। इसमें यह पैकेज 30-दिन की अनिवार्य समीक्षा अवधि में पहुंच गया है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के इस कदम ने वैश्विक स्तर पर हलचल बढ़ा दी है। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) ने हाउस स्पीकर माइक जॉनसन, सीनेट विदेश संबंध समिति के चेयरमैन जेम्स रिश और हाउस विदेश मामलों की समिति के चेयरमैन ब्रायन मास्ट को इस संबंध में सूचना दी है। डीएससीए ने पत्रों में कहा कि अमेरिकी वायुसेना पाकिस्तान को करीब 686 मिलियन डॉलर की रक्षा सामग्री और सेवाओं के लिए लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) जारी करने वाली है, जिसकी अनुमानित लागत 686 मिलियन डॉलर है। प्रस्तावित पैकेज में 37 मिलियन डॉलर के प्रमुख रक्षा उपकरण (एमडीए) और 649 मिलियन डॉलर के अतिरिक्त हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और लॉजिस्टिकल सपोर्ट शामिल हैं। एमडीए सूची में 92 लिंक-16 टेक्निकल डेटा लिंक सिस्टम भी शामिल हैं। यह एक जैम-प्रतिरोधी डिजिटल नेटवर्क है, जिसका उपयोग अमेरिकी और सहयोगी सेनाएं वास्तविक समय में युद्धक्षेत्र की जानकारी शेयर करने के लिए करती हैं। छह एमके-82 इनर्ट के अलावा 500-पाउंड बम बॉडी भी शामिल हैं, जो बिना गाइड वाले और कम ड्रैग वाले प्रशिक्षण हथियार हैं। इनका इस्तेमाल विशेष रूप से इंटीग्रेशन और रिलीज परीक्षण के लिए किया जाता है। इस डील में कई तरह की गैर-एमडीए वस्तुएं भी शामिल हैं, जिसमें एवियोनिक्स अपडेट, ऑपरेशनल फ्लाइट प्रोग्राम संशोधन, सुरक्षित संचार प्रणाली, आइडेंटिफिकेशन फ्रेंड या फो इक्विपमेंट, क्रिप्टोग्राफिक एप्लीक, मिशन-प्लानिंग सिस्टम, परीक्षण उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, ट्रेनिंग डिवाइस, सिमुलेटर, पब्लिकेशन और कॉन्ट्रैक्टर इंजीनियरिंग और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि ये अपग्रेड पाकिस्तान को अपने ब्लॉक-52 और मिड-लाइफ अपग्रेड एफ-16 बेड़े को आधुनिक बनाने में मदद करेगा। नोटिस में कहा गया है कि यह डील अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को सपोर्ट करेगी। इससे आतंकवाद विरोधी अभियानों में पाकिस्तान अमेरिकी और सहयोगी सेनाओं के साथ मिलकर काम करना जारी रख पाएगा।

800 पत्थर निगलने से हुई थी छोटे पक्षी की मौत: रिसर्च

बीजिंग,11 दिसंबर (एजेंसियां) ।

12 करोड़ साल पहले जीवित एक छोटे पक्षी की मौत ऐसे दर्दनाक और रहस्यमयी तरीके से हुई, जिसे जानकर आज भी वैज्ञानिक सिहर उठते हैं। विज्ञान जगत को हाल ही में एक ऐसी प्रागैतिहासिक पहेली मिली है, जिसने पेलियोन्टोलॉजी और फॉरेंसिक रिसर्च दोनों के विशेषज्ञों को गहरे विचार में डाल दिया है। इस पक्षी ने एक-दो नहीं, बल्कि 800 से अधिक छोटे पत्थर निगल लिए थे, जो उसकी अंतिम सांस का कारण बने। शिकागो के फील्ड म्यूजियम की मशहूर पेलियोन्टोलॉजिस्ट जिंगमाई ओ'कॉनर और उनकी टीम ने इस 'कोल्ड केस' की जांच शुरू की, जब चीन के शेडोंग तियान्यु म्यूजियम में रखे एक अद्भुत जीवाश्म का अध्ययन किया गया। इस प्राचीन पक्षी का नाम 'क्रोमियोर्निस फंकी' रखा गया है। यह जीवाश्म विशेष प्रकार की 'लैगरस्टेट' चट्टान में संरक्षित था, जिसमें जीवों के सिर्फ अस्थियां ही नहीं, बल्कि त्वचा, पंख और मांसपेशियों के संकेत भी सुरक्षित मिलते हैं। इस पक्षी के जीवाश्म में गर्दन और पंखों के चारों ओर मौजूद नरम ऊतकों की आकृति स्पष्ट दिखाई देती है, लेकिन वैज्ञानिकों का ध्यान सबसे ज्यादा उसके गले में मौजूद एक बड़े उभार ने खींचा। बारीकी से जांच करने पर पता चला कि यह उभार सैकड़ों पत्थरों का घना समूह था। जब वैज्ञानिकों ने पत्थरों की गिनती की तो वे हैरान रह गए 800 से ज्यादा पत्थर इस छोटे से पक्षी की ग्रासनली में फंसे हुए थे। केवल 33 ग्राम वजन वाले इस पक्षी ने अपने शरीर के अनुपात में अकल्पनीय मात्रा में पत्थर निगले थे। जांच से पता चला कि ये पत्थर जीवाश्म चट्टान का हिस्सा नहीं थे, यानी पक्षी ने इन्हें अपनी मृत्यु से पहले ही निगला था। विज्ञान में यह तथ्य स्थापित है कि कई पक्षी 'गैस्ट्रोलिथ' नाम की प्रक्रिया के तहत पत्थर निगलते हैं, जो भोजन को पीसने में सहायक होते हैं। लेकिन इस मामले में यह सिद्धांत पूरी तरह विफल हुआ, क्योंकि क्रोमियोर्निस जिस परिवार का हिस्सा था, उसके पास भोजन पीसने वाला गिजार्ड मौजूद ही नहीं होता। इतने विशाल पत्थरों का समूह पाचन में सहायक होने की बजाय घातक साबित हुआ। फॉरेंसिक विश्लेषण के अनुसार, संभव है कि पक्षी ने पत्थरों को उल्टी के माध्यम से निकालने की कोशिश की हो, लेकिन द्रव्यमान गले में फंस गया और सांस न ले पाने के कारण उसकी मृत्यु हो गई। 66 मिलियन वर्ष पहले हुए उस महाविनाश में यह पूरा पक्षी परिवार डायनासोरों के साथ मिट चुका था। लेकिन यह खोज हमें उस युग के जीव जगत की संवेदनशीलता और संघर्षों को समझने का अवसर देती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि संभवत: पक्षी बीमार था या उसे किसी खनिज की कमी थी, जिसके कारण उसने 'पिका' व्यवहार दिखाया अर्थात अजीब चीजें खाना शुरू कर दिया। यह जीवाश्म न केवल एक दुखद मौत की गवाही देता है, बल्कि यह भी बताता है कि प्राचीन काल के जीव भी बीमारियों और जटिल व्यवहारों से जूझते थे।

कप्तान हरमनप्रीत से मिलकर भावुक हुई मंधाना, बोली क्रिकेट ही सबसे अधिक पसंद, भारतीय जर्सी से मिलती है प्रेरणा

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना बुधवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दौरान मंधाना की मुलाकात टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर से हुई। शादी टूटने के बाद पहली बार किसी पब्लिश इवेंट में नजर आईं मंधाना ने हरमनप्रीत को गले लगाया और कहा कि मुझे क्रिकेट से ज्यादा कुछ भी पसंद नहीं है। साथ ही कहा कि भारतीय जर्सी पहनने से बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है। मंधाना ने हाल ही में सोशल मीडिया में पलाश मुछाल से शादी टूटने की बात कही थी। मंधाना ने कहा, क्रिकेट ने मुझे दो बातें सिखाई हैं। पहली ये कि हर दिन की शुरुआत शून्य से होती है और दूसरी ये कि अपने लिए नहीं अपनी टीम के लिए खेलो। उन्होंने कहा, विश्व कप में हमने तय किया था कि किसी को अपने लिए नहीं बल्कि साथी खिलाड़ियों के लिए खेलना है। इससे दबाव कम होता है और ऊर्जा बढ़ती है। मंधाना ने कहा कि जब आप सोचते हैं कि आपको अपने साथी के लिए अच्छा करना है, तो काम और भी आसान हो जाता है। मैं भी अपने बगल के खिलाड़ी के लिए शतक बनाना चाहती थी, अपने लिए नहीं। गौरतलब है कि मंधाना अब 21 दिसंबर से श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में खेलती हुई नजर आयेंगी। मंधाना को इस सीरीज के लिए भारतीय टीम का उपकप्तान बनाया गया है।

जूनियर हॉकी विश्व कप : भारतीय टीम ने अर्जेंटीना को हराकर कांस्य पदक जीता

चेन्नई। भारतीय हॉकी टीम ने जूनियर हॉकी विश्व कप में अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर कांस्य पदक जीत लिया है। इसी के साथ ही 9 साल के बाद भारतीय टीम को कोई पदक मिला है। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2001 में होबार्ट और साल 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। इस बार तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत में पिछड़ने के बाद भी शानदार वापसी करते हुए अंतिम 11 मिनट में 4 गोल कर मैच अपने नाम कर लिया। वहीं पिछले दो विश्वकप में भारतीय टीम हार के साथ ही हारकर चौथे स्थान पर रही थी। इस बार भारतीय टीम ने कोई गलती नहीं की और शुरुआती 3 क्वार्टर तक 2 गोल से पीछे होने के बाद भी हिम्मत नहीं हारी ओर अंतिम क्वार्टर में जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने अंतिम 11 मिनट में शानदार प्रदर्शन कर मैच पलट दिया। इन दौरान टीम ने एक के बाद एक चार गोल किये। अंकित पाल ने 49वें मिनट में पहला गोल किया। वहीं इसके कुछ ही मिनट बाद मनमीत सिंह ने 52 वें मिनट में दूसरा गोल कर मैच बराबरी पर ला दिया। शारदानंद तिवारी ने 57वें मिनट में तीसरा जबकि अनमोल इक्का ने 58वें मिनट में चौथ गोल दागा।

न्यूज ब्रीफ

मेसी 13 दिसंबर को आएंगे भारत, कोलकाता से शुरू होगा 'गोट टूर 2025'

नई दिल्ली। फुटबॉल दिग्गज लियोनल मेसी 13 से 15 दिसंबर तक होने वाले बहुप्रतीक्षित 'गोट टूर 2025' के लिए 13 दिसंबर को भारत पहुंचेंगे। तीन दिनों तक चलने वाला यह आयोजन देश के चार बड़े शहरों— कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और नई दिल्ली में होगा। मेसी मियामी से यात्रा कर रहे हैं और 13 दिसंबर की रात करीब 1:30 बजे कोलकाता पहुंचने का कार्यक्रम है। कोलकाता में उनका दिनभर व्यस्त शेड्यूल रहेगा, जिसकी शुरुआत सुबह 9:30 बजे से होने वाली बैठकों से होगी। इसके बाद वह कई कार्यक्रमों और इंटरैक्शन में हिस्सा लेंगे। दोपहर 2 बजे वह हैदराबाद रवाना होंगे। कोलकाता दौरे के दौरान मेसी की मुलाकात पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी तय है। हैदराबाद में मेसी का मुख्य कार्यक्रम राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होने वाला 717 एग्ज़िबिशन फुटबॉल मैच होगा। इस आयोजन में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी शामिल होंगे। शाम को मेसी के शानदार करियर का जश्न मनाने के लिए एक भव्य संगीत कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। 'गोट टूर हैदराबाद' की मुख्य संरक्षक और सलाहकार, पार्वती रेड्डी ने एक बयान में कहा कि हैदराबाद चरण का मुख्य आकर्षण युवा खिलाड़ियों के लिए एक विशेष फुटबॉल क्लिनिक होगा। उन्होंने कहा, 'यह मुख्य रूप से फुटबॉल क्लिनिक पर केंद्रित है, जिसे मेसी खुद लीड करेंगे।' उन्होंने यह भी खुलासा किया कि मेसी के साथ इंटर मियामी के साथी खिलाड़ी रोड्रिगो डी पॉल और लुइस सुआरेज़ भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम फाइनल में कार्लसन और अरोनियन के बीच खिताबी मुकाबला

नई दिल्ली। पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को हराते हुए फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम फाइनल के खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है, जहां उनका सामना अमेरिका के लेवोन अरोनियन से होगा। सिंदारोव ने कार्लसन को कड़ी चुनौती दी। उन्होंने दूसरा रैपिड गेम जीतकर मुकाबले को ब्लिट्ज टाईब्रेकर तक पहुंचाया। ब्लिट्ज मुकाबलों में तेज समय दबाव के बीच कार्लसन ने पहला 5+2 गेम जीता और दूसरा ड्रॉ कराते हुए फाइनल का टिकट पक्का किया। ब्लिट्ज मुकाबलों पर कार्लसन ने कहा, 'यह दोनों खिलाड़ियों की पूरी तरह से गड़बड़ी थी। क्या कहूं, यह बस खेल ही था। मैं बस उनसे थोड़ा अधिक टिक पाया और फाइनल में पहुंचकर अच्छा लग रहा है।' दूसरे सेमीफाइनल में, लेवोन अरोनियन ने जर्मनी के जीएम विन्सेंट केमर को ब्लिट्ज टाईब्रेकर में 2-0 से मात दी। इससे पहले दोनों रैपिड गेम ड्रॉ रहे थे। अब अरोनियन और कार्लसन के बीच शीर्ष स्थान की भिड़ंत होगी, जिसके विजेता को 2 लाख डॉलर की इनामी राशि मिलेगी। लोअर ब्रैकेट सेमीफाइनल में भारत के अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिका के जीएम हांस नीमन को हराया। एरिगैसी अब पांचवें स्थान के लिए अमेरिका के फाबियानो कारुआना से भिड़ेंगे।

अब पहाड़ी पर आलीशान घर बना रहे धोनी

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अब रांची की पहाड़ियों पर एक आलीशान घर बनाएंगे। ये घर एक पहाड़ी पर बनेगा। इसी कारण प्रशंसक इसे दूर से ही देख सकेंगे। धोनी शांत स्वभाव के हैं और माना जा रहा है कि दो और घर होने के बाद भी इसी कारण इस घर को वह बना रहे हैं ताकि शहर की भीड़भाड़ से दूर रहें। ऐसे में उनका ये घर भी आधुनिकता और सादगी का संतुलित उदाहरण रहेगा। वहीं प्रशंसक इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि ये घर बनने के बाद कैसा दिखेगा। धोनी के पास पहले से दो बंगले हैं। पहला हरमू में है जो उनका पुराना ठिकाना रहा है। वहीं दूसरा सिमरिया में स्थित है जहां वे फिलहाल परिवार के साथ रहते हैं। अब तीसरा बंगला शैंपू फार्म हाउस में पहाड़ी इलाके में बन रहा है। यह बंगला 1 एकड़ से अधिक की जमीन पर बन रहा है। इसे प्रशासन से मंजूरी मिल गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये मूल रूप से चार मंजिला घर होगा। कुल 2210 वर्गफुट बिल्ट-अप एरिया के साथ यह बंगला आधुनिक डिजाइन और सुविधाओं से भरा होगा। इसमें में बड़ा सा हॉल होगा और साथ ही मल्टी-कार गैरेज जहां कई कारें रखी जा सकेंगी। हर यूनिट में चार-चार बड़े कमरे होंगे जिससे ये बेहद आलीशान रहेगा। पहाड़ी पर होने से महेंद्र सिंह धोनी का यह बंगला प्रकृति के करीब होगा। इसका निर्माण जल्द शुरू होने वाला है। बंगले के करीब ही सीआरपीएफ कैंप होने से सुरक्षा भी मजबूत रहेगी। निर्माण के बाद यह बंगला आसमान छूता दिखेगा, क्योंकि मुख्य सड़क नीचे है।

दूसरा टी20 मैच: साउथ अफ्रीका ने 51 रन से जीता मुकाबला, सीरीज में 1-1 से बराबरी

न्यू चंडीगढ़, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने भारत को मुल्लांपुर के महाराज यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 मैच में 51 रन से शिकस्त दी। इसी के साथ मेहमान टीम ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने निर्धारित ओवरों में 4 विकेट खोकर 213 रन बनाए। क्विंटन डी कॉक ने रीजा हेंड्रिक्स के साथ 4.1 ओवरों में 38 रन की साझेदारी की। रीजा 10 गेंदों में 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद क्विंटन डी कॉक ने कप्तान एडेन मार्करम के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 83 रन जोड़ते हुए मेहमानों को 121 के स्कोर तक पहुंचा दिया। मार्करम 29 रन बनाकर आउट हुए, जबकि क्विंटन डी कॉक ने 46 गेंदों में 7 छक्कों और 5 चौकों के साथ 90 रन की पारी खेली।

साउथ अफ्रीकी टीम 16.1 ओवरों में 4 विकेट खोकर 160 रन अपने खाते में जोड़ चुकी थी। यहां से डोनोवन फेरीरा (नाबाद 30) ने डेविड मिलर (नाबाद 20) के साथ पांचवें विकेट के लिए 23 गेंदों में 53 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

भारत की तरफ से वरुण चक्रवर्ती ने 2 विकेट अपने नाम किए, जबकि अक्षर पटेल ने 1 विकेट निकाला। इस पारी में अर्शदीप सिंह ने एक ही ओवर में 13 गेंदें फेंकने के अनचाहे रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया है। इस मामले में वह अफगानिस्तान के नवीन उल हक के साथ संयुक्त रूप से नंबर-1 पायदान पर पहुंच गए हैं।

इसके जवाब में टीम इंडिया 19.1 ओवरों में महज 162 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम 67 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा चुकी थी। यहां से तिलक वर्मा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने हार्दिक पंड्या के साथ पांचवें विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी की।

पंड्या 20 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद तिलक वर्मा ने जितेश शर्मा के साथ 39 रन जुटाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। जितेश 27 रन बनाकर आउट हुए, जबकि तिलक वर्मा ने 34 गेंदों में 5 छक्कों और 2 चौकों के साथ 62 रन की पारी खेली।

विपक्षी टीम की ओर से ओटनील बार्टमैन ने 24 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि लुंगी एनगिडी, मार्को जानसेन और लुथो सिपामला ने 2-2 विकेट निकाले।भारत ने साउथ अफ्रीका के विरुद्ध कटक में खेले गए पहले वनडे मैच को 101 रन से जीता था। पांच मुकाबलों की सीरीज का तीसरा मुकाबला 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाना है।

एशियन यूथ पैरा गेम्स दुबई: भारत के अब्दुल कादिर इंदौरी ने तैराकी में जीते दो स्वर्ण पदक

दुबई, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। एशियन यूथ पैरा गेम्स 2025 में भारतीय तैराक अब्दुल कादिर इंदौरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इंदौरी ने 50 मीटर बटरफ्लाई और 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया।

पैरा ओलंपिक समिति ऑफ इंडिया ने एक्स पर उनकी सफलता की सराहना करते हुए लिखा, 'भारत के लिए स्वर्णिम उपलब्धि! यह उनकी मेहनत, अनुशासन और भारत के युवा पैरा खिलाड़ियों की बढ़ती क्षमता का प्रतिबिंब है। बधाई हो, अब्दुल!' इसी बीच, बुधवार को दुबई में एशियन यूथ पैरा गेम्स 2025 का उद्घाटन समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ एशिया के विभिन्न देशों से आए युवा पैरा खिलाड़ियों ने भाग लिया। पिछले संस्करण (बहरीन 2021) में 51 स्वर्ण पदक जीतकर तालिका में शीर्ष पर रहने वाला ईरान इस बार भी सबसे बड़ा दल उतार रहा है। कुल 195 खिलाड़ी भेजकर ईरान ने युवाओं के विकास और पैरा खेलों के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाया है। एशियन पैरा ओलंपिक कमेटी की जानकारी के अनुसार, उजबेकिस्तान (124), थाईलैंड (122) और भारत (122) क्रमशः दूसरे और तीसरे सबसे बड़े दल लेकर प्रतियोगिता में उतरे हैं। मेज़बान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) 55 खिलाड़ियों के साथ हिस्सा ले रहा है, जो देश में पैरा खेलों के विकास और क्षेत्र में समावेशन को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों को दर्शाता है। दुबई 2017 के बाद दूसरी बार इन खेलों की मेजबानी कर रहा है, जिससे एशिया में पैरा खेलों के प्रमुख केंद्र के रूप में उसकी पहचान और मजबूत हुई है। पिछले संस्करण में शीर्ष पर रहने वाला ईरान इस बार भी अपने खिताब बरकरार रखने की तैयारी के साथ उतरा है। इन खेलों में एशिया के कई शीर्ष पैरा खिलाड़ी भी शामिल होंगे, जिनमें ईरान की पैरा ताइक्वांडो खिलाड़ी ज़हरा रहीमी पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों की रजत पदक विजेता और चीनी ताइपे के चेन पो-येन आईटीटीएफ विश्व नंबर 1 और पेरिस 2024 के क्लास 11 रजत पदक विजेता प्रमुख नाम हैं।

पाक में फुटबॉल मैच में आपस में ही भिड़ गये खिलाड़ी

करांची। पाकिस्तान में एक फुटबॉल मैच में खिलाड़ी ही नहीं अधिकारी भी आपस में भिड़ गये। ये मैच पाक सेना और पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन के बीच हुआ इसमें हुई हाथापायी में कड़ी खिलाड़ी और अधिकारी घायल भी हुए हैं। इस मामले की जांच अब पाक ओलंपिक कमेटी कर रही है। सेमीफाइनल में जब दोनो टीमों के बीच जब झगड़ा चल रहा था तब मैच का प्रसारण हो रहा था, इसलिए लोगों ने भी ये सब देखा जिसके बाद सोशल मीडिया में भी इसके वीडियो आने लगे। ऐसे में अब प्रशंसकों ने दोनों टीमों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की मांग की है।यह लड़ाई तब शुरू हुई जब फुटबॉल फेडरेशन के कुछ सदस्यों ने सेना के खिलाड़ियों के सामने ही जीत का जश्न मनाना शुरु कर दिया। इससे उसके खिलाड़ी भड़क गये।। एक खेल अधिकारी ने कहा है उन्होंने इस घटना का संज्ञान लिया है और पाकिस्तान ओलंपिक एसोसिएशन भी इस मामले की जांच करेगा। इसका कारण है कि राष्ट्रीय खेल उसकी की के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी जांच करेंगे और लड़ाई भड़काने या शुरू करने में शामिल पाए गए खिलाड़ियों और अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वीडियो में कुछ खिलाड़ी मैच रेफरी का पीछा करते हुए उसके चेंजिंग रूम में जाते दिखे और अन्य अधिकारियों और खिलाड़ियों द्वारा बचाए जाने से पहले उनके साथ मारपीट कतरे दिखे हैं। ये खिलाड़ी रेफरी द्वारा अपने विरोधियों को पेनल्टी किक दिए जाने से भड़के हुए थे।

सैमसन की प्रशंसा वाले गंभीर के पुराने पोस्ट वायरल होने के बाद प्रशंसकों ने उठाये सवाल

मुम्बई, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अब तक भारतीय टी20 टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। सैमसन सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलने के साथ ही मध्यक्रम सहित कई जगहों पर आजमाये गये हैं और उनका प्रदर्शन भी ठीक रहा है। इसके बाद भी उन्हें हमेशा ही बाहर कर दिया जाता है।

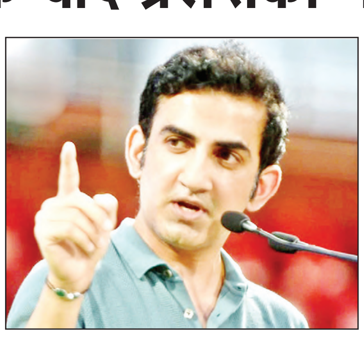

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में भी शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें अवसर नहीं मिला। इसी को लेकर अब प्रशंसकों का गुस्सा फूटा है। इस बार प्रशंसकों ने अनोखे अंदाज में अपनी नाराजगी जतायी है। प्रशंसकों ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के तीन पुराने पोस्ट जारी किये हैं जिसमें गंभीर सैमसन की प्रशंसा करते दिख रहे हैं।

ये पोस्ट 2019 और 2020 के हैं, तब सैमसन आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से जबरदस्त बल्लेबाजी कर रहे थे पर उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिल पा रही थी। गंभीर ने तब सैमसन को न केवल बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाज बल्कि उन्हें विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने के योग्य बताया था। वहीं अब जबकि गंभीर भारतीय टीम के कोच है फिर भी सैमसन को टीम में जगह नहीं मिल पा रही है। पहले उन्हें कप्तान शुभमन गिल की वापसी के बाद सलामी बल्लेबाजी से बाहर किया गया। वहीं अब मध्यक्रम से भी बाहर कर दिया गया है।

सैमसन और शुभमन गिल के टी20 में आंकड़े देखें तो यह साफ है कि सैमसन आंकड़ों के हिसाब से उनसे कहीं आगे है। सैमसन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर टी20 में तीन शतक और एक अर्धशतक लगाया है जबकि शुभमन ने एक शतक ही लगाया है।

गंभीर का पहला वायरल पोस्ट 22 सितंबर 2020 का है, जहां उन्होंने लिखा, यह अजीब है कि सैमसन को केवल भारतीय टीम में जगह नहीं मिलती। बाकी सब जब अवसर मिल जाते हैं।

वहीं एक और पोस्ट में गंभीर ने कहा, सैमसन अभी भारत के सबसे अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक है, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिये।

गंभीर ने एक और पोस्ट में कहा कि सैमसन की स्किल्स देखकर खुशी हुई कि वह भारत का सबसे अच्छा विकेटकीपर-बल्लेबाज है, मेरे लिए वह विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप के लिए घोषित की टीम, ओलिवर पीक होंगे कप्तान

मेलबर्न, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

विक्टोरिया के युवा बल्लेबाज़ ओलिवर पीक अगले महीने होने वाले आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे। बाएं हाथ के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने शैफील्ड शील्ड में अपने प्रदर्शन से पहले ही पहचान बना ली है। 19 वर्षीय पीक दूसरी बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। वे 2024 में दक्षिण अफ्रीका में खिताब जीतने वाली टीम के सबसे युवा सदस्य थे, जब उन्हें पहले मैच के बाद चोटिल कोरी वास्ली की जगह स्क्वॉड में शामिल किया गया था।

इस बार अंडर-19 विश्व कप अफ्रीकी महाद्वीप में नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती चरण में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ समूहबद्ध किया गया है।

टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेंगी, जिनमें से प्रत्येक समूह की शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स चरण में पहुंचेंगी, जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाएंगे।

तीन नए खिलाड़ियों को जगह - ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में सितंबर-अक्टूबर में खेले गए भारत के खिलाफ तीन युवा वनडे और दो युवा टेस्ट मैचों की टीम का अधिकांश हिस्सा बरकरार रखा गया है।

नितेश सैमुअल, नादेन कुरे और विलियम टेलर—ये तीन नए चेहरे हाल ही में पर्थ में आयोजित अंडर-19 मेन्स नेशनल चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन के कारण चुने गए।

सैमुअल ने इस आठ दिवसीय टूर्नामेंट में 364 रन बनाकर 91 की औसत से सर्वाधिक रन जुटाए और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए। उन्हें और कुरे को टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम में भी शामिल किया गया।

टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन होंगे, जबकि ल्यूक बटरवर्थ और ट्रैविस डीन सहायक कोच की भूमिका निभाएंगे।

नीलसन ने कहा, 'हमने एक संतुलित और मजबूत टीम चुनी है जिसमें सभी खिलाड़ियों की कौशल क्षमता एक-दूसरे को पूरा करती है। यह टीम भारत दौरे और हालिया राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर चुनी गई है।'

कप्तान ओलिवर पीक पिछले सीजन बिग बैश में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए डेब्यू कर चुके हैं और विक्टोरिया के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट भी खेल चुके हैं। वे इस वर्ष ऑस्ट्रेलिया ए और प्राइम मिनिस्टर इलेवन के लिए भी शानदार पारियां खेल चुके हैं।

वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के विल मलाज्चुक भी सीनियर टीम के करीब हैं और एशेज के पहले टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ समय बिताने का मौका पा चुके हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय विकास प्रमुख सोन्या थॉम्पसन ने कहा कि यह टीम अनुभव और नई ऊर्जा का मिश्रण है और तीन नए खिलाड़ी दल में गहराई जोड़ेंगे।

ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम

ओलिवर पीक (कप्तान), केसी बार्टन, नादेन कुरे, जेयडेन ड्रेपर, स्टीवन होगन, थॉमस होगन, बेन गॉर्डन, जॉन जेम्स, चार्ल्स लैकमुंड, एलेक्स ली-यंग, विल मलाज़्चुक, नितेश सैमुअल, हेडन शिलर, आर्यन शर्मा, विलियम टेलर।

माइक्रोसॉफ्ट भारत में 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने को लेकर उत्साहित : सत्य नडेला

बेंगलुरू, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने गुरुवार को कहा कि कंपनी बड़े बुनियादी ढांचे में निवेश के साथ भारत के कृत्रिम मेधा (एआई) इकोसिस्टम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मज़बूत कर रही है।

'माइक्रोसॉफ्ट' के यहां आयोजित कार्यक्रम में सत्य नडेला ने कहा कि हम भारत में निवेश करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं, ताकि हम यहां सर्वश्रेष्ठ श्रेणी का बुनियादी ढांचा ला सकें। यह 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश है। नडेला ने इसे एशिया में माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बड़ा निवेश बताया।

उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट 'क्लाउड' क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रहा है और एआई-संचालित भविष्य के लिए लाखों भारतीयों को कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन ने अपने संबोधन में देशभर में कंपनी के 'क्लाउड नेटवर्क' के तेजी से विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कहिमारे पास दुनियाभर में 70 से अधिक डेटा सेंटर क्षेत्र हैं। नडेला ने कहा क भारत में हमारी उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। अब हमारे पास मध्य भारत, पश्चिम भारत, दक्षिण भारत में नेटवर्क है और हमने जियो के साथ भी साझेदारी की है। माइक्रोसॉफ्ट प्रमुख ने कहा कि हमें बेहद खुशी है कि 2026 में दक्षिण मध्य में हमारा एक नया डिजिटल सेंटर होगा। सबसे रोमांचक बात यह है कि यह पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल है। उन्होंने एआई के बढ़ते उपयोग के इस युग में डिजिटल संप्रभुता एवं साइबर सुरक्षा के महत्व पर भी जोर दिया। नडेला ने आगे बताया कि हाल में उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हुई, जिन्होंने समाज, अर्थव्यवस्था एवं वृद्धि को गति देने के लिए इस निवेश (17.5 अरब अमेरिकी डॉलर) को लेकर काफी उत्साह दिखाया। उन्होंने कहा कि यह प्रतिबद्धता उनकी पिछली यात्रा के दौरान घोषित तीन अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के अतिरिक्त है। भारत में प्रतिभाओं की उपलब्धता के बारे में नडेला ने कहा कि कंपनी अपने कौशल विकास कार्यक्रमों पर और अधिक ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि हम अब समूचे भारत में दो करोड़ लोगों को एआई कौशल में प्रशिक्षित करने जा रहे हैं। नडेला ने साथ ही कहा कि सरकार के ई-श्रम कार्यक्रम जैसी पहलें यह दर्शाती हैं कि एआई असंगठित श्रमिकों का उत्थान कैसे कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली हाई कोर्ट ने सन फार्मा को सेमाग्लूटाइड निर्यात की अनुमति दी, भारत में सन फार्मा को अपनी दवा बेचने की अनुमति नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सन फार्मास्युटिकल्स को उन देशों में सेमाग्लूटाइड आधारित वजन घटाने वाली दवाओं के निर्माण और निर्यात की अनुमति दे दी, जहां डेनमार्क की कंपनी नोवो नॉर्डिस्क का पेटेंट लागू नहीं है। हालांकि, नोवो नॉर्डिस्क का सेकंडरी पेटेंट अगले साल मार्च तक वैध है, इसलिए भारत में सन फार्मा को अपनी दवा बेचने की अनुमति नहीं है। न्यायमूर्ति प्रीतम सिंह अरोड़ा ने सन फार्मा को दो सप्ताह में इस आदेश की लिखित पुष्टि अदालत में देने और निर्यात से संबंधित वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहा। अगली सुनवाई 19 फरवरी को होगी। सेमाग्लूटाइड जीएलपी-1 दवाओं का हिस्सा है, जो टाइप 2 मधुमेह और वजन घटाने में मदद करती है। नोवो नॉर्डिस्क ने अपने पेटेंट अधिकारों का उल्लंघन रोकने के लिए सन फार्मा के खिलाफ याचिका दायर की थी। इसी तरह हाल ही में डॉ. रेड्डीज लैब को भी निर्यात की अनुमति मिली थी।

नवंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़कर 29,911 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 में इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश 29,911 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो अक्टूबर के 24,690 करोड़ रुपये की तुलना में 21 फीसदी अधिक है। यह तीन महीने की गिरावट के बाद निवेशकों के सकारात्मक दृष्टिकोण का संकेत देता है। इक्विटी प्रवाह में सुधार के चलते उद्योग की कुल परिसंपत्तियां (एयूएम) भी बढ़ीं। अक्टूबर में 79.87 लाख करोड़ रुपये होने के बाद, नवंबर में एयूएम बढ़कर 80.80 लाख करोड़ रुपये हो गई। नियमित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में नवंबर में मामूली कमी देखी गई। अक्टूबर में 29,631 करोड़ रुपये जमा हुए थे, जबकि नवंबर में यह घटकर 29,445 करोड़ रुपये रह गए। फ्लेक्सी-कैप फंड में सबसे अधिक 8,135 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, हालांकि यह अक्टूबर के 8,929 करोड़ रुपये से 9 फीसदी कम है। डेट म्यूचुअल फंड में 25,692 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई, जबकि अक्टूबर में इसमें भारी निवेश हुआ था। गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 3,742 करोड़ रुपये रह गया, जो अक्टूबर के 7,743 करोड़ रुपये से कम है।

पोस्ट ऑफिस आरडी, सुरक्षित निवेश और स्थिर रिटर्न का बेहतरीन विकल्प

मुंबई। पोस्ट ऑफिस की स्मॉल सेविंग स्कीमें अब भी निवेशकों के बीच लोकप्रिय हैं। इनमें से एक है पोस्ट ऑफिस रेकरिंग डिपॉजिट (आरडी) जिसमें हर महीने छोटी राशि जमा कर कोई भी बड़ा फंड तैयार कर सकता है। इस स्कीम की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें सरकार की गारंटी होती है, यानी आपका पैसा 100 फीसदी सुरक्षित रहता है। वर्तमान में पोस्ट ऑफिस आरडी पर वार्षिक 6.7 फीसदी ब्याज मिल रहा है। यह फिक्स्ड इनकम विकल्पों की तुलना में बेहतर रिटर्न प्रदान करता है। इसे कोई भी व्यक्ति 100 से शुरू कर सकता है। अगर आप हर महीने 5,000 रुपए जमा करते हैं तो 5 साल में कुल निवेश 3,00,000 रुपए होगा जिस पर ब्याज लगभग 56,830 रुपए मिलेगा यानी मैच्योरिटी के समय यह राशि 3,56,830 हो जाएगी। 10 साल में कुल निवेश 6,00,000 रुपए, ब्याज लगभग मिलेगा 2,54,272 रुपए यानी मैच्योरिटी राशि 8,54,272 रुपए हो जाएगी। आरडी में कम से कम एक साल जमा करने के बाद निवेशक जमा राशि का 50 फीसदी तक लोन ले सकते हैं। लोन पर केवल 2 फीसदी अतिरिक्त ब्याज देना होता है, जो आपातकालीन जरूरतों में उपयोगी साबित होता है।

नाबार्ड के सर्वे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधारभूत ढांचे में उल्लेखनीय सुधार का दावा किया गया

नई दिल्ली,11 दिसंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के दो महीनों के सर्वे से पता चला है कि ग्रामीण इलाकों में आय बढ़ने से लोगों में जबरदस्त उम्मीद जगी है। सर्वे में 80 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने एक साल में लगातार ज्यादा खपत होने की बात कही है।

नाबार्ड के 8वें ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं मत सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) के मुताबिक पिछले एक वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में उल्लेखनीय सुधार, आय में बढ़ोतरी और जीवन स्तर में बेहतर बदलाव के स्पष्ट संकेत मिले हैं। एक वर्ष के दौरान ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधारभूत ढांचे में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उपभोग में वृद्धि, आय में बढ़ोतरी, घटती महंगाई और वित्तीय सतर्कता के बेहतर मानकों के साथ ग्रामीण भारत विकास की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। निरंतर कल्याणकारी सहायता और मजबूत सार्वजनिक निवेश इस गति को और बल दे रहे हैं। सितंबर, 2024 से नवंबर 2025 के बीच ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय मजबूती दर्ज की गई।

सर्वे के मुताबिक ग्रामीण परिवारों में मासिक आय का 67.3 फीसदी हिस्सा अब उपभोग पर खर्च किया जाता है। यह सर्वेक्षण शुरू होने के बाद का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है और इसमें जीएसटी दरों में सुधार का भी महत्वपूर्ण योगदान है। ग्रामीण परिवारों में से 42.2 फीसदी ने अपनी आय में वृद्धि दर्ज की है, जो अब तक के सभी सर्वेक्षणों में सबसे बेहतर प्रदर्शन है। केवल 15.7 फीसदी लोगों ने किसी भी प्रकार की आय में कमी का उल्लेख किया है, जो अब तक का सबसे न्यूनतम स्तर है। भविष्य की संभावनाएं काफी मजबूत नजर आ रही हैं, जिसमें 75.9 फीसदी लोगों को उम्मीद है कि उनकी आय अगले वर्ष बढ़ेगी जो सितंबर 2024 के बाद से सबसे ऊंचे स्तर का आशावाद है।

पिछले वर्ष की तुलना में 29.3 फीसदी परिवारों में पूंजी निवेश में वृद्धि देखी गई है, जो पिछले किसी भी चरण में अधिक है जो कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों में संपत्ति सृजन में नई तेजी को दर्शाता है। निवेश में यह तेजी मजबूत उपभोग और आय में वृद्धि के कारण है, न कि ऋण संकट के कारण।

58.3 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने केवल औपचारिक ऋण स्रोतों का ही उपयोग किया है जो अब तक के सभी सर्वेक्षणों में अब तक का सबसे उच्च स्तर है। सितंबर 2024 में यह 48.7 फीसदी था। हालांकि, अनौपचारिक ऋण का हिस्सा लगभग 20 फीसदी है, जो यह दर्शाता है कि औपचारिक ऋण की पहुंच को और व्यापक बनाने के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता है।

औसत मासिक आय का 10 फीसदी हिस्सा सब्सिडी वाले भोजन, बिजली, पानी, खाना पकाने की गैस, उर्वरक, स्कूल सहायता, पेंशन, परिवहन लाभ और अन्य कल्याणकारी हस्तांतरणों के माध्यम से प्रभावी रूप से पूरा हो रहा है। कुछ परिवारों के लिए, अंतरित धनराशि कुल आय के 20 फीसदी से अधिक तक होती है, जो आवश्यक उपभोग सहायता प्रदान करती है और ग्रामीण मांग को स्थिर करने में मदद करती है। महंगाई के बारे में औसत धारणा घटकर 3.77 फीसदी हो गई। सर्वेक्षण शुरू होने के बाद यह पहली बार 4 फीसदी से नीचे आई है। 84.2 फीसदी लोगों का मानना है कि महंगाई 5 फीसदी या उससे कम रहेगी और लगभग 90 फीसदी लोगों को उम्मीद है कि निकट भविष्य में महंगाई 5 फीसदी से नीचे ही रहेगी। महंगाई में कमी से वास्तविक आय में वृद्धि हुई है, क्रय शक्ति में सुधार हुआ है और समग्र कल्याण को बढ़ावा मिला है।

कम महंगाई और ब्याज दरों में नरमी के साथ, ऋण चुकाने के लिए आवंटित आय का हिस्सा पहले के दौर की तुलना में कम हो गया है। 29.3 फीसदी ग्रामीण परिवारों में पिछले वर्ष के दौरान पूंजी निवेश में वृद्धि हुई है जो सभी सर्वेक्षणों में उच्चतम है। ग्रामीण परिवारों ने निम्नलिखित क्षेत्रों में हुए सुधारों को लेकर उच्च स्तर की संतुष्टि व्यक्त की है:-सड़कें, शिक्षा, बिजली, पेयजल और स्वास्थ्य सेवाएं। इन सुधारों से लोगों की आय बढ़ी है और इससे दीर्घकालिक समृद्धि को आधार मिला है।

नाबार्ड का ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं मत सर्वेक्षण देशभर में हर दो महीने में किया जाता है। इसमें आय, उपभोग, मुद्रास्फीति, ऋण, निवेश और अपेक्षाओं से संबंधित मात्रात्मक संकेतकों और परिवारों के विचारों को शामिल किया जाता है। यह सर्वेक्षण अब एक समृद्ध, वर्षभर का डेटासेट प्रदान करता है जो अतीत की स्थितियों और भविष्य की घरेलू भावनाओं दोनों के आधार पर ग्रामीण आर्थिक परिवर्तनों का यथार्थवादी आकलन करने में सक्षम बनाता है।

भारत में गूगल एआई प्लस प्लान 399 रुपए के मासिक शुल्क में उपलब्ध

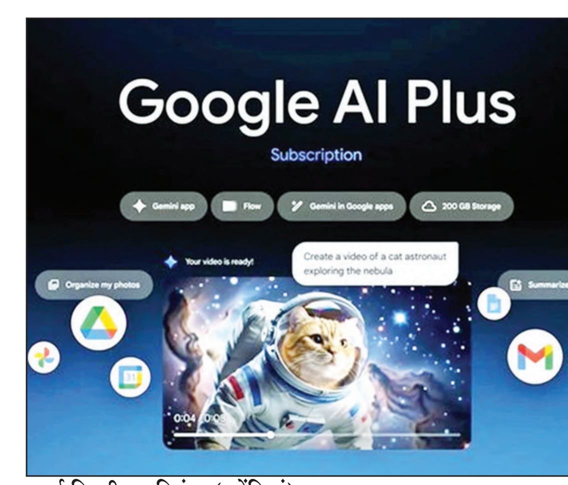

नई दिल्ली,11 दिसंबर (एजेंसियां)।

गूगल ने कहा कि कंपनी ने भारत में गूगल एआई प्लस प्लान लांच किया है। गूगल का कहना है कि इस प्लान को यूजर्स के लिए लेटेस्ट गूगल एआई मॉडल्स और फीचर्स का इस्तेमाल कर बहुत कुछ क्रिएटिव करने के लिए डिजाइन किया गया है। गूगल ने कहा, यह प्लान एक एक्सेसिबबल प्राइस पर यूजर्स को उनकी प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी का लेवल बढ़ाने के लिए पावरफुल एआई टूल्स का एक्सेस देता है। कंपनी ने प्लान के बारे में बताया कि भारत में गूगल एआई प्लस 399 रुपए के मासिक शुल्क में उपलब्ध है। नए सब्सक्राइबर्स प्लान को पहले 6 महीनों के लिए मात्र 199 रुपए में ले सकते हैं।

गूगल ने कहा, जेमिनी एप से लेकर नोटबुकएलएम तक भारत में हमारे यूजर्स एआई टूल्स का कई तरीकों से इस्तेमाल कर रहे हैं, यह देखकर हम बेहद खुश हैं। हम चाहते हैं कि इन एडवांस सुविधाओं का लाभ अधिक से अधिक यूजर्स ले सकें। कंपनी ने बताया कि इस प्लान में यूजर्स को जेमिनी 3 प्रो का अधिक एक्सेस मिलेगा, जो कि जेमिनी एप में कंपनी का मोस्ट इंटेलिजेंट मॉडल है। इसके अलावा, यूजर्स को जेमिनी एप में कंपनी के ताजा इमेज जेनरेशन और एडिटिंग मॉडल नैनो बनाना प्रो का अधिक एक्सेस मिलेगा। यूजर्स को जेमिनी एप में वीडियो जेनरेशन और फ्लो जैसे क्रिएटिव टूल्स का एक्सेस मिलेगा। प्लान में जीमेल और डॉक्स के साथ जेमिनी का इस्तेमाल करने की सुविधा मिलेगी।

कंपनी का कहना है कि यूजर्स को प्लान के साथ डीप रिसर्च और एनालिसिस के लिए अधिक एक्सेस मिलेगा। साथ ही, फोटोज, ड्राइव और जीमेल में 200 जीबी स्टोरेज की सुविधा मिलेगी। अच्छी बात ये है कि यूजर इन सभी फायदों को अपने परिवार के पांच सदस्यों तक पहुंचा सकेगा। यह सिंगल प्लान के साथ अपग्रेडेड गूगल एक्सपीरियंस लेने का सबसे आसान तरीका होगा।

यूट्यूब गोल्डन प्ले बटन, करियर और कमाई का बड़ा प्लेटफ़ॉर्म

नई दिल्ली। यूट्यूब सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं रहा, बल्कि लाखों लोगों के लिए करियर और इनकम का बड़ा ज़रिया बन चुका है। यूट्यूब क्रिएटर्स को सब्सक्राइबर संख्या के आधार पर अवार्ड देता है। सिल्वर प्ले बटन 1 लाख, गोल्डन प्ले बटन 10 लाख, डायमंड प्ले बटन 1 करोड़ और कस्टम प्ले बटन 5 करोड़ सब्सक्राइबर पर मिलता है। गोल्डन प्ले बटन सीधे पैसा नहीं देता, लेकिन चैनल की लोकप्रियता बढ़ने से व्यूज़ और विज्ञापन आय में इज़ाफ़ा होता है। आम तौर पर 1000 व्यूज़ पर 160 रुपए का भुगतान होता है। इसके अलावा स्पॉन्सरशिप और प्रमोशन के मौके भी बढ़ जाते हैं। 10 लाख सब्सक्राइबर वाले चैनल की सालाना कमाई लगभग 40 लाख रुपए तक पहुंच सकती है। भारत में यूट्यूब आय पर इनकम टैक्स लागू होता है। 2.5 लाख रुपए तक कोई टैक्स नहीं, 2.5-5 लाख रुपए पर 5, 5-10 लाख पर 20 और 10 लाख से ऊपर 30 फीसदी टैक्स देना होता है। गोल्डन प्ले बटन न केवल अवार्ड है, बल्कि यूट्यूब क्रिएटर के लिए सफलता और आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन बन गया है।

सोना-चांदी के भाव में जोरदार तेजी, चांदी ने बनाया नया रिकॉर्ड

सोना 526 रुपए चढ़कर 1,30,322, चांदी 1,90,798 रुपए के नये उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

सोने और चांदी के भाव में गुरुवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। दोनों की कीमतों ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत शुरुआत की, जबकि चांदी ने लगातार दूसरे दिन नया रिकॉर्ड स्तर छू लिया। निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी और वैश्विक संकेतों के चलते कीमती धातुओं में जोरदार खरीदारी हावी रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के फरवरी वायदा कॉन्ट्रेक्ट ने 454 रुपये की छलांग के साथ 1,30,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार की शुरुआत की।

यह पिछले बंद भाव 1,29,796 रुपये से ऊपर रहा। सोना 526 रुपये की तेजी के साथ 1,30,322 रुपये पर कारोबार कर रहा था। सत्र के दौरान कीमतें 1,30,380 रुपये के उच्च और 1,30,119 रुपये के निचले स्तर तक पहुंचीं। इस साल सोने का सर्वोच्च स्तर 1,31,699 रुपये रहा है, जिसके करीब दाम फिर बढ़ते दिख रहे हैं।चांदी के मार्च वायदा कॉन्ट्रेक्ट ने भी तेज शुरुआत की और 1,173 रुपये की बढ़त के साथ 1,89,908 रुपये प्रति किलो पर खुला। पिछले बंद भाव 1,88,735 रुपये की तुलना में चांदी अब 3,119 रुपये उछलकर 1,91,854 रुपये पर ट्रेड कर रही है। दिनभर में कीमतें 1,92,529 रुपये के उच्च और 1,89,908 रुपये के निचले स्तर को छू चुकी हैं।

चांदी ने 1,90,798 रुपये प्रति किलो का नया उच्च स्तर बनाया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेजी बरकरार है। कॉमेक्स पर सोना 4,258.30 डॉलर प्रति औंस पर खुला और 4,239.40 डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इस साल यह 4,398 डॉलर का उच्चतम स्तर बना चुका है। वहीं चांदी ने 63.25 डॉलर प्रति औंस का नया ऑल-टाइम हाई छू लिया और वर्तमान में 62.47 डॉलर पर कारोबार कर रही है। कीमती धातुओं में यह तेजी आगामी दिनों में भी निवेशकों का रुझान मजबूत रहने का संकेत देती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीएम मोदी ने...

के बीच मजबूत और भरोसेमंद रिश्ते भविष्य की वैश्विक व्यवस्था को संतुलित और सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दोनों नेताओं ने संपर्क बनाए रखने और आगे भी नियमित बातचीत करते रहने का निर्णय लिया। उनके अनुसार, निरंतर संवाद से द्विपक्षीय संबंध और बेहतर होंगे और दोनों देशों के साझा हितों को मजबूती मिलेगी।

कोविड ड्यूटी पर...

फ्रंटलाइन योद्धाओं को यह भरोसा दिया जाना आवश्यक था कि देश उनके साथ खड़ा है।सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि: हर दावा कानून और उपलब्ध सबूतों के आधार पर निपटाया जाएगा। दावेदार को यह साबित करना होगा कि मृत्यु कोविड ड्यूटी के दौरान हुई। पहले खारिज किए गए दावों पर भी पुनर्विचार किया जाएगा।सुप्रीम कोर्ट, प्रदीप अरोड़ा व अन्य की याचिका पर सुनवाई कर रहा था जो बॉम्बे हाईकोर्ट के 9 मार्च 2021 के आदेश को चुनौती दे रहे थे। हाईकोर्ट ने कहा था कि निजी अस्पताल के डॉक्टर तभी लाभ के पात्र होंगे जब राज्य/केंद्र सरकार ने उनकी सेवाएँ आधिकारिक रूप से मांगी हों।यह फैसला महाराष्ट्र के ठाणे की डॉ. किरण भास्कर सुरगड़े के मामले से भी संबंधित है, जिनके पति-एक निजी क्लिनिक चलाने वाले डॉक्टर-की 2020 में कोविड के कारण मृत्यु हुई थी। बीमा कंपनी ने यह कहते हुए दावा खारिज कर दिया था कि उनका क्लिनिक कोविड अस्पताल के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं था।अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, सभी निजी और सरकारी डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों के परिवार इस योजना के लाभ के हकदार होंगे।

एनआईए ने 11...

जांच के दौरान एनआईए ने पाया कि ये आरोपी लगभग 200 विस्फोटक पैकेट (जिनमें से प्रत्येक में 20 किलोग्राम विस्फोटक था) की लूट की आपराधिक साजिश, योजना और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल थे। ये विस्फोटक झारखंड के सारंडा जंगल में माओवादियों के गढ़ों में ले जाया जा रहा था। इसी दौरान स्थानीय पुलिस के 27 मई को वाहन को रोका था। वाहन को उसके ड्राइवर के साथ 10-15 हथियारबंद माओवादियों ने जबरन अगवा कर लिया और पास के जंगल में आतंकवादी गठन के एक गढ़ में लेकर चले गये। एनआईए ने जून में स्थानीय पुलिस से यह मामला अपने हाथ में लिया था। एनआईए ने जांच के दौरान पाया कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सरकारी मशीनरी (जिसमें पुलिस और सुरक्षा बल शामिल हैं) के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए लूटा गया था। यह लूट देश की सुरक्षा और स्थिरता को बाधित करने के लिए माओवादियों की साजिश का हिस्सा थी।

लश्कर-जैश ने...

गुप्त सूचनाओं से संकेत मिलता है कि आइएसआइ भारत में एक बड़े हमले की साजिश रच रहा है। इस आपरेशन में जैश और लश्कर एक साथ काम करेंगे।भविष्य में संयुक्त आपरेशन करने का निर्णय आइएसआइ के निर्देश के बाद लिया गया था। इसके बाद, दोनों आतंकी संगठनों के शीर्ष नेतृत्व ने पाकिस्तान में मुलाकात की और एक ही कमान संरचना के तहत आगे बढ़ने की रणनीति पर चर्चा की थी। सीरियल ब्लास्ट कराने के लिए नौ सदस्यीय टीम गठित की गई भारत में सिलसिलेवार विस्फोट करने के इरादे से बांग्लादेश में आपरेटरों को प्रशिक्षित करने के लिए नौ सदस्यीय टीम का गठन किया गया है।जैश और लश्कर दोनों की कई टीमें स्थानीय आतंकी संगठनों से बातचीत करने के लिए कई बार बांग्लादेश का दौरा कर चुकी हैं। हाल ही में हाफिज सईद का एक करीबी सहयोगी स्थानीय आतंकियों से मिलने और उन्हें प्रेरित करने के लिए बांग्लादेश में था। बांग्लादेश में अस्थायी रूप से कईमदरसों को बंद कर दिया गया है बांग्लादेश में कई मदरसों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।इन मदरसों की स्थापना कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने और लोगों को कट्टरपंथी बनाने के विशिष्ट उद्देश्य से की गई थी। ये सभी मदरसे आइएसआइ द्वारा संचालित हैं, जहां मौलवी लश्कर और जैश से जुड़े हैं। इनमें से कुछ मदरसे भारत में सिलसिलेवार बम विस्फोट करने के विशिष्ट इरादे से स्थापित किए गए थे। अब जब साजिश अंतिम चरण में है तो इन मदरसों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आइएसआइ की एक सुनियोजित रणनीति है।चीफ हाफिज सईद खुफिया एजेंसियों ने यह भी बताया है कि इस महीने किसी समय लश्कर प्रमुख हाफिज सईद ढाका का दौरा करने वाला है और अपने संगठन के आतंकियों के साथ-साथ अन्य आतंकियों से भी वह बातचीत करेगा।अधिकारियों का कहना है कि हमलों की साजिश अंतिम चरण में है और सईद के ढाका दौरे के समाप्त होने के बाद ये संगठन हमलों को अंजाम देने की कोशिश कर सकते हैं। आइएसआइ ने अपने सबूतों को मिटाने की कोशिश शुरू कर दी है जो इस बात का संकेत है कि जल्द ही कोई हमला होने वाला है। पूर्वोत्तर राज्यों और बंगाल में स्लीपर नेटवर्क का सक्रिय होना भी इस बात का स्पष्ट संकेत है कि किसी बड़े हमले की साजिश रची जा रही है।

शनि पाया 2026 राशिफल

तीन राशियों पर रहेगा शनिदेव का लौह पाया, पूरे साल रह सकते हैं परेशान

शनि का गोचर साल 2026 में मेष से मीन तक सभी राशियों को अलग-अलग तरह से प्रभावित करेगा। इसमें शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या, दशा,अंतर्दशा के साथ लौह, ताम्र, रजत, स्वर्ण पाया का भी प्रभाव देखा जाएगा। बता दें कि इस साल 2026 में भी शनि मीन राशि में गोचर कर रहे हैं जिस वजह से मेष, कुंभ और मीन राशिवालों का शनि की साढ़ेसाती चल रही हैं और सिंह और धनु राशि की ढैय्या चली हुई है। वहीं शनि का पाया अलग अलग होने के कारण शनि साल 2026 में सभी राशियों को प्रभावित करने वाले हैं। ज्योतिष शास्त्र के नियम के अनुसार, शनि देव के राशि प्रवेश के समय जिस राशि से चंद्रमा 1,6,11वें भाव में होते हैं तो स्वर्ण पाया होता है और अगर 2,5,9वें भाव में हो तो रजत पाया होता है। अगर 3, 7वें और 10वें भाव में हो तो ताम्र पाया रहता है और अगर चंद्रमा 4,8 और 12वें भाव में हो तो लौह पाया रहता है।

मेष, सिंह और धनु राशि पर रहेगा शनि का लौह पाया

मेष, सिंह और धनु राशि के लोगों पर साल 2026 में शनि का लौह पाया रहेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनि का लौह पाया सबसे ज्यादा कष्टकारी होता है। ऐसे में इन तीनों राशि के जातकों को व्यापारिक परेशानियों के साथ साथ कई तरह की उलझनों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही पारिवारिक और व्यवसायिक उलझनें भी बनी रहेगी। इतना ही नहीं आपको आय संबंधी चिंता भी रह सकती हैं। आपकी स्वास्थ्य में भी गड़बड़ी रह सकती है। मानसिक तनाव और उलझनें के कारण आप थोड़ा निराश भी महसूस कर सकते हैं। आपको दुर्घटना और चोट आदि लगने का भय रहेगा।

उपाय : मास मदिरा के सेवन से बचें और तामसिक भोजन से परहेज करें, शनिवार के दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।

वृषभ, तुला और मीन राशि पर रहेगा शनि का स्वर्ण पाया

साल 2026 में वृषभ, तुला और मीन राशि के लोगों पर शनि का स्वर्ण पाया रहेगा। ऐसे में इन सभी राशियों को काफी संघर्षपूर्ण स्थिति से गुजरना पड़

सकता है। पारिवारिक और करियर से जुड़ी चिंताएं इस साल भी बने रहेगी। आपको आय संबंधी चिंता भी अधिक रहेंगी। सेहत के विशेष ख्याल रखना होगा। क्योंकि, आपको सेहत के कारण काफी ज्यादा परेशान होना पड़ेगा। इस साल किसी न किसी बात को लेकर आपको मानसिक तनाव रहने वाला है। आपके अपने करीबियों और भाई बंधुओं के साथ रिश्ते बिगड़ सकते हैं। अनावश्यक खर्चों के कारण आपकी चिंता काफी ज्यादा बढ़ सकती हैं।

उपाय : असत्य बोलने से बचें और सफाईकर्मियों की मदद करें

मिथुन, कन्या और मकर राशि पर रहेगा शनि का स्वर्ण पाया

साल 2026 में मिथुन, कन्या और मकर राशि के जातकों पर शनि का स्वर्ण पाया रहने वाला है। ऐसे में इन राशियों के जातकों को स्वर्ण फल की प्राप्ति होगी। आपको कार्य व्यवसाय में उन्नति और लाभ मिलने के योग हैं। आपके अपने उच्च प्रतिष्ठित लोगों के साथ संपर्क बनेंगे और आपको पदोन्नति प्राप्त होने की संभावनाएं हैं। विद्यार्थियों के लिए विशेष रुप से शनि का स्वर्ण पाया लाभकारी रहने वाला है क्योंकि, आपको उच्च विद्या में सफलता, विवाह, संतान आदि पारिवारिक और आरोग्य सुखों की प्राप्ति होगी। इतना ही नहीं आपकी सुख सुविधाओं और धन संपदा की प्राप्ति होगी। आप इस साल देश और विदेश में कई यात्राएं कर सकते हैं।

उपाय : शनिवार के दिन उड़द की दाल, जूते चप्पल या शनि से संबंधित चीजों का दान करें

कर्क, वृश्चिक, और कुंभ राशि पर रहेगा शनि का ताम्र पाया

साल 2026 में कर्क, वृश्चिक और कुंभ राशि पर शनि का ताम्र पाया रहने वाला है। ऐसे में इन राशियों के लिए साल 2026 शुभ रहने वाला है। शनिदेव की इन राशियों पर विशेष कृपा रहने वाली है। शनि का पाया रजत होने के कारण आपको अब नौकरी में पदोन्नति मिलने के साथ साथ अचानक धन लाभ मिल सकता है साथ ही पहले किए गए प्रयासो का फल आपको इस साल मिलेगा। आपको अचानक धन लाभ मिल सकता है। साथ ही भूमि वाहन आदि का सुख मिलने के योग भी हैं। अविवाहित जातकों के शादी के योग बनेंगे और जो लोग लंबे समय से संतान सुख की कामना कर रहे थे उनकी इच्छा पूरी हो सकती हैं।

उपाय : इस अवधि में शनिवार के दिन रोजाना शनिदेव पर दीपक जलाएं।

शुक्रवार को बना है शुभ संयोग, इन उपायों से देवी लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

शुक्रवार का दिन इस बार बहुत खास रहने वाला है। सप्ताह का यह दिन माता लक्ष्मी को समर्पित होता है और इसी दिन रुक्मिणी अष्टमी भी मनाई जाएगी। साथ ही, आज यानी 12 दिसंबर, शुक्रवार को शुक्र और बुध की युति से लक्ष्मी नारायण योग का शुभ संयोग भी बन रहा है। यही कारण है की शुक्रवार का दिन बहुत खास रहेगा। ऐसे में अगर आप शुक्रवार को श्रद्धापूर्वक कुछ विशेष उपाय कर लें तो इससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न हो सकती हैं। धन से जुड़ी समस्याएं दूर हो सकती हैं और बैंक बैलेंस बढ़ सकता है।

माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने का उपाय

शुक्रवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के पश्चात साफ वस्त्र धारण करें। इस दिन लाल या गुलाबी रंग के वस्त्र पहनना उत्तम माना जाता है। अब पूजा घर साफ करके चारों ओर गंगाजल का छिड़काव करना चाहिए। इसके बाद, माता लक्ष्मी के सामने एक दीपक जलाएं और उन्हें ताजे पुष्प अर्पित करके कनकधारा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से देवी लक्ष्मी प्रसन्न हो सकती हैं और उनकी कृपा जातक पर बनी रहती है।

सुख-सौभाग्य की प्राप्ति का उपाय

12 दिसंबर, शुक्रवार को रुक्मिणी अष्टमी भी मनाई जाएगी। ऐसे में इस दिन महिलाओं को सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के बाद लाल रंग के वस्त्र धारण करके सोलह श्रृंगार भी करना चाहिए। इसके बाद, देवी लक्ष्मी की पूजा करें और रुक्मिणी अष्टकम स्तोत्र का पाठ करें। ऐसा करने से महिलाओं को सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है और दांपत्य जीवन में आ रही समस्याएं भी दूर होने लगती हैं। साथ ही, पति-पत्नी का रिश्ता मजबूत होता है।

घर में सुख-समृद्धि और तरक्की का उपाय

शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी की पूजा के दौरान उन्हें हरसिंगार के ताजे पुष्पों की माला अर्पित करें। ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मीजी का विशेष आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है। भगवान कृष्ण स्वर्ग लोक से हरसिंगार का वृक्ष सत्यभामा के लिए लेकर आए थे जो लगा तो सत्यभामा के आंगन में था लेकिन उसके पुष्प जाकर रुक्मिणी के आंगन में गिरते थे। ऐसे में रुक्मिणी हरसिंगार के पुष्पों की माला बनाकर उससे अपना श्रृंगार करती थीं। शुक्रवार को हरसिंगार से जुड़ा उपाय करने से जातक के घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है साथ ही जीवन में तरक्की प्राप्त हो सकती है।

धन-दौलत में वृद्धि का उपाय

अगर आप पैसों की समस्या का सामना कर रहें है तो शुक्रवार को एक छोटा सा उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए शुक्रवार को माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करने के पश्चात उन्हें खीर का भोग लगाना चाहिए। साथ ही, इस दिन लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ भी अवश्य करें। ऐसा करने से घर में चल रही आर्थिक तंगी से व्यक्ति को राहत मिल सकती है और धन-दौलत में वृद्धि के योग बनते हैं। शुक्रवार को लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करने से परिवार के सभी सदस्यों पर देवी लक्ष्मी की कृपा बनी रह सकती है।

दांपत्य जीवन में खुशहाली का उपाय

शुक्रवार के दिन रुक्मिणी अष्टमी मनाई जाएगी। ऐसे में इस दिन सुहागिन महिलाओं को सुबह उठकर स्नानादि करने के बाद देवी लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। साथ ही, सुहाग की वस्तुओं का दान करना चाहिए। ऐसा करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है और दांपत्य जीवन खुशहाल बना रहता है। साथ ही, वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याओं से भी आपको राहत मिल सकती है।

करोड़पति लोगों के हाथ में होती हैं ये खास रेखाएं, चेक कर लें आपके हाथ में भी तो नहीं है राजयोग?

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हाथों की रेखाएं हमारे भविष्य का दर्पण होती हैं। इन रेखाओं के जरिए जीवन में होने वाली घटनाओं का पहले ही सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। हाथ में मौजूद कुछ विशेष चिन्ह और रेखाओं को बेहद भाग्यशाली माना गया है। ये रेखाएं व्यक्ति के जीवन में धन लाभ और अपार सफलता का संकेत देती है। ये निशान हर किसी के हाथ में नहीं होते है। अगर आपके हाथ में भी ये विशिष्ट रेखाएं मौजूद हैं, तो यह आपको करोड़पति बना सकती है।

हथेली में सूर्य रेखा

हस्तरेखा शास्त्र में सूर्य रेखा को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे भाग्य और प्रसिद्धि की रेखा भी कहा जाता है। आपके हाथ में साफ, गहरी और सीधी रेखा भाग्यशाली होने का संकेत देती है। ऐसे लोग जीवन में आर्थिक सफलता प्राप्त करते हैं। अगर सूर्य रेखा सीधे सूर्य पर्वत तक जा रही हो तो व्यक्ति धन के साथ समाज में मान-सम्मान भी पाता है।

हथेली में भाग्य रेखा

भाग्य रेखा को सफलता का प्रतीक माना जाता है। यह आपकी हथेली के नीचे से शुरू होकर हाथ के बीच तक जाती है। यह रेखा जितनी स्पष्ट होती है, व्यक्ति जीवन में उतनी ही तेजी से तरक्की करता है। अगर भाग्य रेखा शुक्र पर्वत या चंद्र पर्वत से उठ रही हो तो ऐसे जातक व्यापार और राजनीति में बड़ी सफलता हासिल करते हैं। वहीं, भाग्य रेखा अगर शनि पर्वत तक पहुंच जाती है तो व्यक्ति राजयोग का सुख प्राप्त करता है।

हथेली में धन रेखा

हथेली में मौजूद धन रेखा को भी हस्तरेखा शास्त्र में बहुत शक्तिशाली माना जाता है। यह रेखा छोटी होते हुए भी व्यक्ति के जीवन पर गहरा प्रभाव डालती है। माना जाता है कि जिन लोगों की धन रेखा सूर्य पर्वत या बुध पर्वत की तरफ झुकी होती है, वे लोग व्यवसाय, निवेश और संपत्ति को बढ़ाने में बेहद सफल होते हैं। इन लोगों को जीवन में कई बार अचानक बड़ धन लाभ भी होता है।

हथेली में जीवन रेखा

हस्तरेखा शास्त्र में मस्तिष्क रेखा और जीवन रेखा का सही स्थान होना भी धन लाभ का संकेत माना जाता है। अगर दोनों रेखाएं एक-दूसरे से थोड़ी दूरी बनाकर चलें और हथेली के मध्य में साफ दिखाई दें, तो ऐसे लोग धीरे-धीरे आर्थिक सफलता प्राप्त करते हैं। अगर मस्तिष्क रेखा लंबी हो तो व्यक्ति में व्यावहारिक बुद्धिमत्ता अधिक होती है।

हथेली में शुक्र पर्वत

हथेली में अंगूठे के पास जो उभरा हुआ भाग होता है उसे हस्तरेखा शास्त्र में शुक्र पर्वत कहा जाता है। यह प्रेम, आकर्षण, वैभव और भौतिक सुखों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि शुक्र पर्वत उभरा हुआ और चमकदार हो तो ऐसे व्यक्ति धन-संपत्ति और ऐश्वर्य प्राप्त करते हैं।

अंगूठे में चांदी का छल्ला पहनने से मिलते हैं कई लाभ लेकिन पहले इन नियमों का जरूर रखें ध्यान

ज्योतिषशास्त्र में चांदी का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से माना जाता है। ऐसे में इस धातु की अंगूठी, चेन आदि पहनने से जातक के जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। चंद्रमा ग्रह को मन, मानसिक स्थिति, भावनाओं और कल्पना का कारक माना गया है। ऐसे में चांदी का छल्ला धारण करने से मानसिक शांति और एकाग्रता में वृद्धि होती है। लेकिन हाथ के अंगूठे में चांदी का छल्ला पहनने के कुछ महत्वपूर्ण नियम भी शास्त्रों में बताए गए हैं। चांदी का छल्ला धारण करने का सही दिन, किन्हें पहनना चाहिए और किन्हें नहीं पहनना चाहिए? इन बातों का ख्याल रखने से ही पूर्ण फल प्राप्त होता है।

अंगूठे में चांदी का छल्ला पहनने के नियम

किस दिन पहनें चांदी का छल्ला?

चांदी का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। ऐसे में इसे चांदी के छल्ले को कुछ विशेष दिनों में ही धारण करना चाहिए। इसे आप पूर्णिमा के दिन धारण कर सकते हैं। इसके अलावा, सोमवार और शुक्रवार के दिन भी चांदी से जुड़ी चीजें धारण करना शुभ माना जाता है क्योंकि इन दिनों का संबंध भी चंद्रमा से होता है। ऐसे में इन खास दिन पर चांदी का छल्ला पहनने से व्यक्ति को जीवन में इसके शुभ प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

किस हाथ के अंगूठे में पहनें चांदी का छल्ला

चांदी का छल्ला पहनने से पहले कई बार यह सवाल मन में आती है कि किस हाथ के अंगूठे में छल्ला धारण करना चाहिए। मान्यता है कि दाएं हाथ में पहनना शुभ होता है। अगर दाएं हाथ में पहनना संभव न हो तो आप बाएं हाथ के अंगूठे में भी चांदी का छल्ला पहन सकते हैं। वहीं, अगर आपने हाथ में कोई अन्य अंगूठी धारण न की हो तो इसे रिंग फिंगर पहनने की मान्यता होती है। और हथेली में अंगूठे की ओर शुक्र पर्वत स्थित होता। यही कारण है की चांदी का छल्ला अंगूठे में पहनना शुभ माना जाता है।

चांदी का छल्ला किसे नहीं पहनना चाहिए

अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा राहु से पीड़ित हो तो उसे चांदी का छल्ला धारण करने से बचना चाहिए। इसके अलावा, जिन लोगों को सर्दी-जुकाम की समस्या अधिक रहती है उन्हें भी चांदी पहनने से बचना चाहिए। क्योंकि चांदी चंद्रमा ग्रह से संबंधित है जिसका संबंध जल तत्व से होता है। ऐसे में ज्योतिष से अपनी कुंडली दिखाकर उचित रत्न ही धारण करना चाहिए, अन्यथा आपको प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है।

चांदी का छल्ला किसे पहनना चाहिए

कुछ जातकों के लिए चांदी का छल्ला बेहद शुभ होता है। माना जाता है की कर्क राशि वालों को चांदी का छल्ला जरूर धारण करना चाहिए। इसके अलावा, जिनकी कुंडली के भाग्य भाव यानी नौवें घर में चंद्रमा हो या लग्न स्थान पर चंद्रमा स्थित हो। इन जातकों को भी चांदी का छल्ला जरूर पहनना चाहिए। इससे आपको अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

अंगूठे में चांदी का छल्ला पहनने के लाभ

चांदी का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से होता है। ऐसे में नियमों का ख्याल रखते हुए इसे धारण करने से कुंडली में शुक्र ग्रह की स्थिति मजबूत होती है। ऐसे में जातक के सुखों में वृद्धि हो सकती है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। वहीं, चंद्रमा से संबंध होने के कारण इससे मानसिक शांति मिलती है और एकाग्रता में भी वृद्धि होने लगती है। माना जाता है की चांदी का छल्ला धारण करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन में सुख-समृद्धि आने लगती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखती है और जीवन में सकारात्मकता बनाए रखती है।

चंद्रमा-गुरु बना रहे गजकेसरी राजयोग, निम्न राशियों को मिलेगी सफलता

चंद्रमा का कन्या राशि में गोचर होने जा रहा है। 12 दिसंबर 2025, शुक्रवार को गुरु से दसवें भाव में चंद्रमा के होने से अत्यंत शुभ और शक्तिशाली गजकेसरी योग का निर्माण हो रहा है। वैदिक ज्योतिष में इसे राजयोग के समान माना जाता है। इस योग से व्यक्ति गज यानी हाथी के समान ताकत और केसरी यानी सिंह के समान राजसी गुण प्राप्त होता है। कुंडली में मौजूद यह योग धन, मान-सम्मान और करियर में अपार सफलता दिलाता है।

मेष – मेष राशि के जातकों को राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में विरोधी परेशानी खड़ी कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में निरन्तर परिश्रम की आवश्यकता रहेगी। सायंकाल के समय अतिथियों के आगमन से खर्चा बढ़ेगा। आज आपके जन्म स्थान से षष्ठम चन्द्रमा और द्वादश भाव में शनि-मंगल का योग बना हुआ है। ऐसे में प्रयास करके सभी आवश्यक कार्य निपटा लें। अच्छे परिणाम के लिए सोमवार को रुद्राभिषेक करें।

वृष – आज राशि का स्वामी शुक्र-बुध के साथ षष्ठम भाव में कोई नई परेशानी पैदा करेगा। कार्य की अधिकता के कारण स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए खान-पान पर विशेष नियंत्रण रखें। कला व साहित्य में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में किसी बड़े बुजुर्ग के सहयोग से व्यवसाय में प्रगति होगी। सायंकाल से रात्रि तक शुभ कार्य में खर्चा होगा जिससे आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

मिथुन –दशम भाव में कुंभ राशि का राहु और द्वितीय कोष लग्न केन्द्र भाव में बृहस्पति होने के कारण आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। सभी क्षेत्रों में बुद्धि और कौशल का प्रयोग करेंगे तो सफलता मिलेगी। राजनीतिक क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से जो असमंजस की स्थिति बनी हुई थी आज समाप्त हो जाएगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक समाचार मिलेगा।

कर्क –आज नौकरी, व्यवसाय व राजनीतिक क्षेत्र में प्रगति की स्थिति रहेगी। बड़े बुजुर्ग कार्यक्षेत्र में हर तरह से आपकी मदद करेंगे। खर्चों में थोड़ी कटौती करनी पड़ेगी नहीं तो कष्ट उठाना पड़ सकता है। कला-क्रीड़ा व साहित्य के क्षेत्र में आ रही बाधा दूर होने की संभावना है। सायंकाल से रात्रि तक पुत्र व पुत्री के लिए विवाह के अच्छे रिश्ते आएंगे।

सिंह –दिन के पूर्वार्ध में पारिवारिक जीवन में कुछ खटपट देखने को मिल सकती है। ऐसे में आपको साहस व धैर्य से काम लेना होगा, किसी भी कार्य में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में प्रगति की बहुत संभावनाएं हैं। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव रहेगा। अटके हुए पैसे के वापिस आने का समय है। सायंकाल में दूर या पास की यात्रा का योग है।

कन्या –आज आपकी राशि का स्वामी बुध तृतीय भाव में संचार कर रहा है। राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में तनाव की स्थिति रहेगी। विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम की आवश्यकता है। परिवार में संपत्ति को लेकर भी कुछ तनाव उत्पन्न हो सकता है। सायंकाल के समय व्यापार में कुछ की आशा बंधेगी, जिसका आपको आगे चलकर अत्यन्त फायदा होगा।

तुला –कन्या राशि का चन्द्रमा द्वादश व्यय भाव केन्द्र में आज पराक्रम व धन की वृद्धि करेगा। न्यायालयीय मामलों में विजय होगी। कार्यक्षेत्र में सफलता के शीर्ष पर पहुंचेंगे। अचल संपत्ति के व्यापार से लाभ होगा। संतान की सफलता के समाचार से आप आनंदित होंगे। सायंकाल के समय किसी नए कार्य का आरंभ होगा। समाज में सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक –राशि का स्वामी मंगल अपनी धनु राशि पर और चंद्रमा कन्या राशि के एकादश भाव में संचार कर रहा है। आज चंद्रमा की स्थिति अत्यंत अनुकूल है। इससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। व्यवसाय में अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में परिश्रम, साहस की आवश्यकता है। शत्रु पक्ष कमजोर होगा।

धनु –आज आपको संतान पक्ष से कोई हर्षवर्धक समाचार मिल सकता है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। नए-नए खर्चे निकल कर सामने आएंगे। आ कोई झूठा आरोप भी आप पर लग सकता है। सायंकाल से लेकर रात्रि तक यात्रा का योग है, उसमें खास कर चौकन्ने रहें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय में लाभ होगा।

मकर –आपकी राशि का स्वामी शनि तृतीय भाव में और राशि से सप्तम भाव कर्क राशि का ही गुरु आज आपको सुव्यवस्था का कोई कार्य सौंपेगा। राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में नए संपर्क बनेंगे। शिक्षा क्षेत्र में विशेष प्रगति होकर समाज में सम्मान मिलेगा। सिंह राशि वाला कोई व्यक्ति आपके सामने कोई प्रस्ताव रखे तो उसे अस्वीकार कर दें।

कुंभ –चन्द्रमा अष्टम भाव में कन्या राशि पर संचार कर रहा है। लेन-देन के मामलों में सावधानी बरतें। व्यय की अधिकता के कारण आज आपको किसी से कर्जा भी लेना पड़ सकता है। पारिवारिक कार्यों में दौड़ धूप रहेगी। आप अपनी कार्यकुशलता से औरों को प्रभावित करेंगे। सायंकाल के समय कोई विशेष कार्य निपट जाने से उत्साह बढ़ेगा।

मीन –राशि का स्वामी कर्क में तथा प्रथम लग्न प्रमुख केन्द्र भाव में राहु राज्य विजय कारक है। आज आप अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए सिरदर्द बने रहेंगे। परिवार में भी आपके प्रति प्रेम व आदर की भावना बढ़ेगी। देव, गुरु, ब्राह्मणों के प्रति भक्ति भावना में इच्छित कार्यों की सफलता में चल रहा व्यवधान समाप्त हो जाएगा। रात्रि के समय किसी मंगल कार्य में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

कश्मीर से संदीपा धर का है पुराना नाता तस्वीर के साथ साझा कीं भावुक यादें

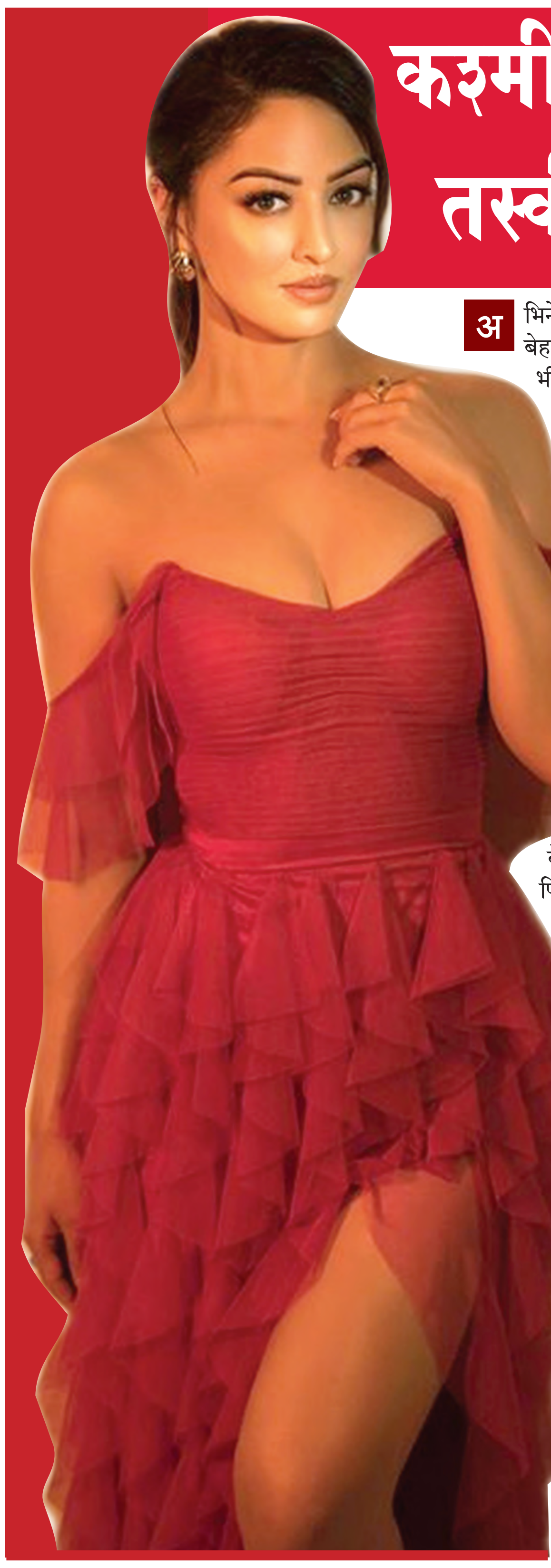

अभिनेत्री संदीपा धर ने हाल ही में अपनी कश्मीर यात्रा का बेहद भावुक यादें साझा करते हुए उस जगह के बारे में भी बताया, जहाँ कभी उनका परिवार रहता था, और फिर वहां से निकलने के बाद फिर कभी वे वापस लौट ही नहीं पाए। बचपन से अपने माता-पिता की कहानियों और पुरानी तस्वीरों के ज़रिए जिस कश्मीर को वह जानती थीं, इस बार उसका सजीव अनुभव उनके लिए अपनी पहचान के साथ अपनी यादों और अपनेपन की गहरी खोज बन गई। अपनी पोस्ट में अपना हाल-ए-दिल बयां करते हुए उन्होंने लिखा है, कश्मीर एक ऐसा घर, जिसे मैंने सिर्फ अपने माता-पिता की कहानियों और फीकी पड़ चुकी तस्वीरों के ज़रिए जाना था। पोस्ट में साझा की गई तस्वीरों में संदीपा उसी विशाल पेड़ के नीचे खड़ी हैं, जिसके नीचे कभी उनका परिवार पिकनिक मनाया करता था। वे उस घर को भी देख रही हैं, जिसे उनके माता-पिता ने सोना बेचकर और हर बची हुई कमाई जोड़कर, ईंट-ईंट लगाकर बनाया था। संदीपा ने माता खीर भवानी मंदिर में भी प्रार्थना की, जहाँ उनका परिवार हर हफ्ते जाया करता था, तब तक जब तक उन्हें सब कुछ छोड़कर जाना नहीं पड़ा। इस यात्रा को और भी खास बनाता है यह तथ्य कि उनके माता-पिता भी दशकों बाद इन पवित्र जगहों पर लौटे, अपने उन स्मृतियों को फिर से जीवित करते हुए जो उनके जीवन के सबसे बड़े अध्यायों में से थे।

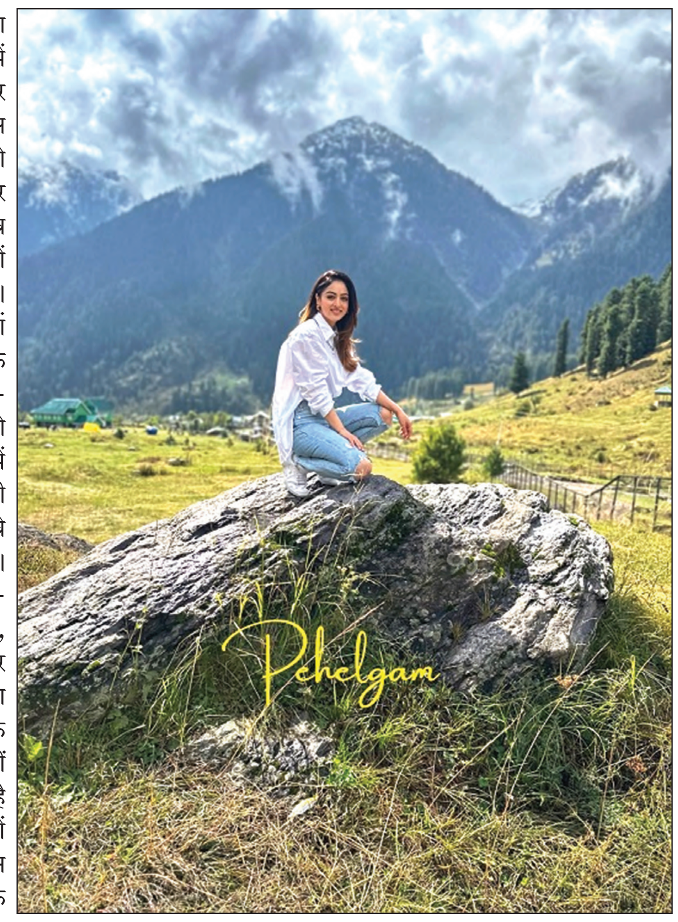

संदीपा के लिए यह अपने परिवार की यादों में सीधे कदम रखने जैसा अनुभव रहा। उनकी यात्रा कश्मीर के कई प्रतीकात्मक स्थलों से भी होकर गुज़री, जिनमें नगीन झील, चश्मे शाही, निशात गार्डन, पहलगाम और गुलमर्ग शामिल है। उन्होंने यह भी लिखा है, मैंने नगीन झील पर शिकारा चलाया, चश्मे शाही का मीठा झरने का पानी पिया, और निशात गार्डन, पहलगाम और गुलमर्ग में घूमी वे जगहें जो मेरे परिवार की यादों में तीस साल से ज़िंदा थीं। हालाँकि जगहें समय के साथ बदल चुकी हैं लेकिन संदीपा के अनुसार भावनाओं की डोर वैसी ही है।

उन्होंने लिखा है, सब कुछ बदल गया है और फिर भी कुछ नहीं बदला। बागान अब उतने भरे नहीं, घर खाली खड़ा है पर अजीब तरह से लगा कि मैं हमेशा से यहीं की हूँ। अपनी सबसे गहरी भावनाओं को व्यक्त करते हुए उन्होंने आगे लिखा है, यह अजीब है कि एक जगह जिसे आप मुश्किल से जानते हों, वह आपके हिस्से अपने भीतर संभाले रखे। पता नहीं मैं फिर कब लौटूंगी, पर इन चंद दिनों में अपने परिवार के अतीत के बीच रहना ऐसा था जैसे किसी ऐसे घर लौट आई हूँ, जिसकी कमी मुझे अभी तक समझ ही नहीं आई थी।

संदीपा धर के लिए कश्मीर की यह यात्रा सिर्फ एक होमकमिंग नहीं थी, बल्कि अपने इतिहास, अपनी जड़ों और उस पहचान को फिर से छू लेने का अनुभव थी, जो वर्षों और दूरी के पार उनका इंतज़ार कर रही थी।

खुदा से पूछूं, क्या हम और यूसुफ हमेशा के लिए नहीं मिल सकते

दिलीप कुमार की जयंती पर भावुक हुईं सायरा बानो

कुछ अभिनेता ऐसे होते हैं, जो अपने किरदार में इस कदर डूब जाते हैं कि वह किरदार अमर हो जाता है और सालों-साल याद रखा जाता है। हिंदी सिनेमा के ऐसे ही अभिनेता रहे दिलीप कुमार। आज उनकी 103वीं जयंती है और इस मौके पर उनकी पत्नी और दिग्गज अभिनेत्री रहीं सायरा बानो ने यादों को ताजा किया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर दिलीप कुमार के लिए लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा। अभिनेत्री सायरा बानो ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी और दिलीप साहब की वीडियो शेयर की। वे उन्हें युसूफ साहब कह कर बुलाती हैं क्योंकि उनका असल नाम दिलीप कुमार नहीं बल्कि मुहम्मद यूसुफ खान था।

उन्होंने सोशल मीडिया पर उन्हें याद कर लिखा, ''मेरे प्रिय यूसुफ साहब, हर साल, जब यह दिन आता है, तो मेरे दिल में एक कोमल सी हलचल उठती है, उन सभी पलों के लिए, जब मैंने आपको न केवल दुनिया के लिए एक कलाकार के रूप में, बल्कि एक ऐसे बेहतरीन इंसान के रूप में देखा।''

उन्होंने लिखा, लोग आपको एक अभिनेता या संस्था के तौर पर जानते हैं, लेकिन मैंने आपके उन पहलुओं को भी देखा है, जिन्हें कोई नहीं जानता। जिस तरह आप हर भूमिका के लिए उस समय पूरी खामोशी से तैयारी करते थे, जिस तरह आप हर किरदार में इस कदर घुल-मिल जाते थे कि कभी-कभी मैं भी नहीं जान पाती थी। आपका समर्पण हमेशा आपकी कला और आपके प्रशंसकों के लिए एक पवित्र उपहार रहा है। मुझे आज भी याद है, वो दिन जब आप कितनी आसानी से उन चीजों को दे देते थे, जिन्हें दूसरे लोग जीवन भर संजोकर रखते हैं। अपनी घड़ी, शॉल और कलम, एक बच्चे की तरह मासूमियत से दे देते थे।''

सायरा बानो ने आगे लिखा, ''कभी-कभी, हल्की फुसफुसाहट के साथ दिल में मैं खुद को यह कहते हुए पाती हूं, खुदा से पूछूं... क्या हम यूसुफ हमेशा के लिए नहीं मिल सकते? दिलीप कुमार और सायरा बानो की प्रेम कहानी फिल्मों के सेट से ही शुरू हुई थी। हालांकि, सायरा बानो का परिवार उनकी शादी से नाराज था, क्योंकि दिलीप कुमार 44 साल के थे और सायरा सिर्फ 22 साल की थीं। दिलीप साहब की बहनें भी शुरुआत में सायरा बानो को परिवार में स्वीकार नहीं कर पाई थीं और जानबूझकर उन्हें परेशान करती थीं।

आलिया भट्ट ने रेड सी अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में की शिरकत

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्मों को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी एक्शन ड्रामा फिल्म 'अल्फा' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसी बीच अभिनेत्री ने हाल ही में 'रेड सी अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल' में शिरकत की, जिसकी तस्वीरें और वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की। वीडियो में आलिया आयोजन में सभी से मिलती और लोगों से बातचीत करती दिख रही हैं। उन्होंने पोस्ट कर लिखा, जेद्दा में एक दिन, फिल्मों के जादू का जश्न मनाते हुए।

पोस्ट शेयर करने के बाद आलिया के दोस्तों, मां और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। सोनिया राजदान, शरवारी और टीना दत्ता ने हार्ट इमोजी के साथ तुरंत प्रतिक्रिया दी।

अभिनेत्री आलिया भट्ट जल्द ही बहुचर्चित एक्शन-स्पाई थ्रिलर 'अल्फा' में शरवारी के साथ नजर आएंगी। फिल्म को क्रिसमस के मौके पर रिलीज किया जाना था, लेकिन कुछ वजह से मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज कर दी।

यह फिल्म यशराज फिल्म्स की बहुचर्चित स्पाई थ्रिलर (जासूसी फिल्म) है, जिसे शिव रावैल ने निर्देशित किया है। फिल्म में आलिया और शरवारी एक्शन अवतार में देखने को मिलेंगी। फिल्म में आलिया और शरवारी के अलावा, अनिल कपूर और बॉबी देओल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

यह यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म होगी। ऐसा पहली बार होगा जब स्पाई यूनिवर्स में एक महिला प्रधान कहानी को दिखाया जाएगा। इस यूनिवर्स की शुरुआत सलमान खान और कैटरीना कैफ की 'टाइगर' से हुई थी। यह सुपरहिट साबित हुई थी।

इसके अलावा, आलिया संजय लीला भंसाली की महत्वाकांक्षी फिल्म 'लव एंड वॉर' में भी नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल जैसे दिग्गज कलाकार हैं। यह फिल्म अपनी भव्यता और भावनात्मक कहानी के लिए चर्चा में है और मार्च 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है।

अलीशा पंवार ने बताई सच्चे प्यार की परिभाषा, कहा–

शुरुआत भरोसे से होती है

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री अलीशा पंवार जल्द ही वेब सीरीज 'विन्नी की किताब' में नजर आएंगी। यह सीरीज हंगामा ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। सीरीज में अभिनेत्री विन्नी की भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में अलीशा पंवार ने बातचीत में किरदार और कहानी को लेकर विचार व्यक्त किए। जब अलीशा से पूछा गया, इस सीरीज को आपने हां क्यों कहा? उन्होंने कहा, मुझे इसकी कहानी अच्छी लगी थी। यह सीरीज एक आम औरत की जिंदगी के उतार-चढ़ाव को दिखाती है कि किस तरह से वह मुश्किलों में टूटती है, फिर संभलती है, और दोबारा मजबूती से खड़ी हो जाती है। अलीशा ने आगे कहा, हर लड़की खुद को विन्नी में कहीं-न-कहीं जरूर देखेगी। हमारा समाज हमेशा से ही औरतों को कैद करके रखने की कोशिश करता है कि 'लोग क्या कहेंगे,' 'कोई गलत समझ लेगा, जबकि गलती उसकी होती ही नहीं। इस सीरीज में यह मजबूत संदेश है कि औरत चाहे किसी भी उम्र की हो, शादीशुदा हो या फिर सिंगल, वह अपने पैरों पर खड़ी हो सकती है और खुश रह सकती है।

अभिनेत्री से पूछा गया, क्या आपको कभी असल जिंदगी में धोखा मिला है? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, सच कहूं, तो मुझे कभी भी धोखा नहीं मिला है। मैं दोस्त बहुत सोच-समझकर बनाती हूं। मेरे दोस्त बहुत कम हैं, सिर्फ हम दो-तीन लोग। अगर कभी कोई गलत करे, तो सीधा मुंह पर मारो और आगे बढ़ जाओ।

अभिनेत्री ने आगे प्यार की परिभाषा बताते हुए कहा, मेरे लिए प्यार की शुरुआत भरोसे से होती है कि अगर मैं किसी से साथ हूं, तो उस पर आंख बंद करके भरोसा कर सकूं और वही सच्चा प्यार ही होता है। अभिनेत्री ने कहा, जब आप विन्नी की किताब देखेंगे तो विन्नी की हर खुशी और उसके दर्द को महसूस करेंगे। हमने भी इस पर पूरे लगन और मेहनत से काम किया है। उम्मीद है कि सीरीज सभी को पसंद आएगी।

फिल्म 'धुरंधर' के फैन बने ऋतिक रोशन, बोले–

पार्ट–2 का बेसब्री से इंतजार

आदित्य धर के निर्देशन में बनी हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधर' एक तरफ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। वहीं, आम जन के साथ ही सितारे भी खूब तारीफ करते नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में एक्टर ऋतिक ... फिल्म की जमकर तारीफ ... आदित्य धर के लेखन-निर्देश... में बनी फिल्म को ऋतिक ने ... 'प्योर सिनेमा' करार देते हुए ... कहा कि यह फिल्म उनके ... दिमाग से नहीं निकल पा रही ... है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ... इंस्टाग्राम पर ऋतिक ने पोस... किया, जिसमें उन्होंने फिल्म के ... एक एक्टर को कमाल का ... साथ ही कहा कि अक्षय खन्ना हमेशा से उनके पसंदीदा कलाकारों में से एक रहे हैं।

उन्होंने लिखा, 'धुरंधर' अभी भी मेरे दिमाग से नहीं निकल रहा है। आदित्य धर आप एक जबरदस्त मेकर हैं और रणवीर सिंह चुप्पी से लेकर गुस्से तक, फिल्म में आपका क्या शानदार सफर रहा। अक्षय खन्ना हमेशा से मेरे पसंदीदा रहे हैं और यह फिल्म इसका सबूत है।

उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, आर माधवन आपकी एक्टिंग बहुत ही शानदार, ताकत और गरिमा के साथ है, आपने पर्दे पर क्या गंभीरता दिखाई है। लेकिन, यार राकेश बेदी... आपने जो किया वो जबरदस्त था.. क्या एक्ट था, शानदार। सभी के लिए खासकर मेकअप और प्रोस्थेटिक्स ... के लिए बहुत-बहुत तालियां। ...2 के लिए उत्साहित हूं और ...जार नहीं कर सकता।

... ऋतिक ने इससे पहले किए ...स्ट में भी फिल्म की खूब ...रीफ की थी। उन्होंने बताया ...क वह फिल्म को एक्टिंग के ...डेंट के तौर पर देख रहे हैं। ...ने लिखा, मुझे सिनेमा पसंद है, ...से लोग पसंद हैं, जो किसी भंवर ...ते हैं और कहानी को कंट्रोल करने देते हैं। 'धुरंधर' इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। कहानी कहने का तरीका बहुत पसंद आया। यह सिनेमा है। मैं इसकी पॉलिटिक्स से सहमत हूं या नहीं, लेकिन सिनेमा के स्टूडेंट के तौर पर मुझे यह बहुत पसंद आया। मैंने 'धुरंधर' से कितना कुछ सीखा, इसे नजरअंदाज नहीं कर सकता। कमाल है। 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'धुरंधर' में रणवीर सिंह लीड रोल में हैं, जबकि अक्षय खन्ना, आर माधवन और राकेश बेदी समेत अन्य कलाकार अहम किरदारों में हैं।

सुरभि चंदना को 'वूमेनप्रेन्योर इंडिया अवॉर्ड' मिला, कहा– हर हार ने मुझे नया रास्ता दिखाया

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री सुरभि चंदना ने एक से बढ़कर एक धारावाहिकों में काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री को हाल ही में 'वूमेन प्रेन्योर इंडिया अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। इसकी बात की जानकारी सुरभि ने पोस्ट के जरिए दी। सुरभि चंदना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा कि यह सम्मान उनके लिए एक शांत सा पल है, जबकि उनका पूरा करियर शांत नहीं रहा है।

उन्होंने लिखा, एक्टिंग के अलावा मैंने अपना म्यूजिक लेबल फील गुड ऑरिजिनल शुरू किया और अब द सेम ब्रैंड के साथ नई कहानियां बनाने की कोशिश कर रही हूं। इन नए रास्तों ने मुझे अंदर से बदल दिया है। अभिनेत्री ने बताया कि इस सफर में चलना बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने लिखा, इस सफर को तय करने पर कई बार मुझे खुद पर शक हुआ, कई बार फिर से शुरुआत करनी पड़ी और कई बार ऐसा लगा कि अब कुछ नहीं बचेगा, लेकिन फिर भी मैंने हार नहीं मानी और चलती रही, अपना रास्ता बनाती गई।

अभिनेत्री ने बताया कि जीवन में आई हर मुश्किल, नाकामी ने उन्हें बदला और हर छोटी जीत ने याद दिलाया कि यह सफर क्यों शुरू किया था?

उन्होंने आखिर में लिखा, मैं इस सम्मान के लिए आभारी हूं, और उन कदमों के लिए, जो मुझे जमीन से जुड़ा महसूस कराती हैं। मैं जीवन में आने वाली कहानियों के लिए उत्साहित हूं। अभिनेत्री ने 'कुबूल है,' 'इश्कबाज,' और 'नागिन-5' जैसे धारावाहिकों में काम किया है, लेकिन अब उन्होंने टीवी की दुनिया से थोड़ी दूरी बनाते हुए प्रोडक्शन में कदम रखा है।उन्होंने प्रोडक्शन हाउस 'फील गुड ऑरिजनल्स' के बैनर तले सॉन्ग 'फर्जी' रिलीज किया था। गाने में टीवी की जानी-पहचानी एक्ट्रेस शाइनी दोशी और अभिनेता विशाल आदित्य सिंह नजर आए थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिल और दिमाग को शान्त रखना होगा जो भी काम हाथ पर आए उसे तुरंत करते जाए .आज आपको अपने नौकरी या बिजनेस के टारगेट पर ही पूरा ध्यान देना चाहिए. एकाग्रता से काम निपटाने की कोशिश करें. नए व्यक्ति से मुलाकात या दोस्ती होने के योग हैं. परिवार के कुछ लोगों से अपने कामकाज और प्लानिंग शेयर कर सकते हैं.परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय बीतेगा,कोई आर्थिक कमजोरी हैं तो परिवार की मदद से दिक्कतें दूर होंगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को घर के बुजुर्गों को पूरा समय देना चाहिए बच्चों के साथ खेल कूद मे समय बिताना चाहिए आर्थिक रूप से दिन शुभ है और कुछ महत्वपूर्ण सौदे भी हो सकते है. मित्रों के साथ साझेदारी कारोबार में प्रवेश कर सकते हैं. कोर्ट–कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी . पेशेवर रूप से आप लोकप्रियता और प्रशंसा हासिल करेंगे. आप के नये नये प्रयोग वित्तीय लाभ कराएंगे . व्यक्तिगत संबंधों में खुशी और आनंद प्राप्ति होगी. आप का समय सामाजिक कार्य मे व्यतीत होगा पारिवारिक जीवन यथावत रहेगा.स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

रिश्तो की नजदीकियों को नजरअंदाज नही करना चाहिए ।आज होने वाले बिजनेस के सौदे आप को फायदे मे लाकर खडा कर देंगें परन्तु मन में चिंता की लहरे उमडती रहेंगी अनेक प्रकार की अनिश्चितता के कारण मानसिक बेचैनी रहेगी. अपने उद्देश्यों की ओर शान्ति से बढ़ते रहें अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है, क्योंकि आपके पास आराम के कुछ लम्हे होंगे. परिवार के साथ समय बिताना जीवन का सबसे सुखी पल हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप को शरीर मे गजब की उर्जा की जरूरत हैं दुर्गा जी का जप करें दिन ठीक–ठाक रहेगा. आज किसी पर गुस्सा करने से बचें. अन्यथा आप परेशानी में पड़ सकते हैं. भाई–बहनों मे आपसी प्रेम बढेगा रिश्तों में मजबूती आयेगी.परन्तु आपको किस्मत का साथ नही मिलेगा कर्म पर ही भरोसा करना पडेगा. जरूरत से ज्यादा भावुक होना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है. आप की कार्यशैली की लोग प्रशंसा करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप को अपने सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा आप अपनी बुद्धिमानी से सब संभालने की कोशिश करेंगे.छोटी छोटी बातों को नजरअंदाज करके आप को आगे बढ़ना चाहिए . जो काम आपको दिया जाएगा, उसे निपटा लेंगे. आप जो भी करेंगे, उसके साथ कुछ एक्स्ट्रा जिम्मेदारी भी रहेगी. लोग अपनी परेशानियां आपके सामने रख सकते हैं.आप को जरुरतमंदो की सामाजिक तौर पर मदद करनी चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन बहुत उतार–चढ़ाव का रहेगा । कोई भी निर्णय बहुत जल्दबाजी मे करते हैं तो आप मुश्किलों मे गिर सकते है आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. किन्तु आत्मविश्वास और कौशल के बल पर आप विजयी बनेंगे. आप को अपने विरोधियों पर नजर रखना होगा. यात्रा हो सकती है, यात्रा एकदम आरामदायक रहेगी अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें. अधिक खर्चा भविष्य मे दिक्कतें दे सकता हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज क्रोध पर संयम रखें । मन मे तो दुविधा चलती रहेगी परन्तु संयमपूर्वक दृढनिश्चयी होकर एक निर्णय पर आना पडेगा । किसी के साथ वाद–विवाद या झगड़े में पड़ने से मामला खराब हो सकता है. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी. दुष्टजनों से सतर्क रहें. समय अनुकूल है. नई शुरू की परियोजनाएं उम्मीद के मुताबिक़ परिणाम नहीं देंगी. चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में फंसने से बचें– निवेश करने में काफ़ी सावधानी बरतें. आप मीडिया मे कार्यरत हैं तो आज बहुत दिक्कतों के साथ काम पूरा होगा ओवरटाइम भी करना पड सकता हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन सुकून भरा रहेगा. आज पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. थोड़ी– सी मेहनत करने पर ही मुकाम हासिल होगा कारोबार के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है. आज अपने आसपास के लोगों के इरादे आसानी से समझ जायेंगे. आप उच्चपद पर कार्यरत हैं तो धं लाभ सम्भव हैं आप अपने काम में सामाजिक संपर्कों का फायदा उठाने में सफल हो सकते हैं. मंदिर में घी का दीपक प्रज्वलित करे जीवन मे रौशनी होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन उत्साहवर्धक रखेगा।मित्रों की हरेक काम में मदद मिल सकती है. महत्वपूर्ण मामलों पर लोगों से बातचीत का मौका आपको मिल सकता है. आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए. दिनचर्या में कुछ बदलाव भी आपको करने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ ज्यादा समय बीतेगा. किसी तरहका दबाव या काम का बोझ कम हो सकता है , अपने जीवन साथी के साथ सम्बन्धन मे मधुरता बना रखे जीवन की प्रत्येक तकलीफ आप को खोटी दिखाई देगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नये व्यापार का योग प्रबल बन रहा हैं साझेदारी मे भी बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. आप अपने संपर्कों को बढ़ाएंगे और कुछ लाभकारी संपर्क भी स्थापित करेंगे. आर्थिक रूप से आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा. आय में वृद्धि होना तय है और आपको आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी मिल सकता है. घरेलू मोर्चे पर सामंजस्य रहेगा और शादी, जन्म या धार्मिक समारोह जैसा कार्यक्रम मनाया जा सकता है.एकाएक यात्रा पर जाना पड सकता हैं दही धनिया का सेवन करके प्रस्थान करें सब मंगल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपनी माता का पूरा सम्मान करें आज्ञा का पालन करें , चरणों को छूकर घर से प्रस्थान करें , आज आप दूसरों के साथ मिलकर कार्य करेंगे. कुछ व्यावसायिक यात्राएं होंगी. आप अध्ययन में गहरी रुचि रखेंगे. सफर के लिए दिन ज्यादा अच्छा नहीं है. आर्थिक सुधार होगा और धन आपकी तरफ आएगा. आपके सामने नई चुनौतियां आ सकती हैं. किसी भी तरह के जोखिम वाले काम से सम्हलकर रहें दुर्घटना सम्भव हैं महामृत्युंजय मंत्र का स्मरण करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सुबह जब पूजा मे बैठते हैं उसी समय प्रभु से मन मे प्रार्थना करें आप का समय निर्विघ्न होगा । आज आपका दिन अनुकूल रहेगा. आज किसी काम से आपको बड़ा फायदा हो सकता है. कुछ निजी कामों में भाई का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से आपको खूबसूरत तोहफा मिल सकता है. आज उन लोगों से बातचीत करने के लिए अच्छा दिन है, जिनसे आपकी मुलाकात कभी– कभी ही होती हैं

आज का पंचांग

दिनांक : 12 दिसंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी दोपहर 02:59 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 05:51 तक
योग : प्रीति प्रातः 11:11 तक
करण : कौलव दोपहर 02:59 तक
चन्द्रराशि : सिंह प्रातः 10:21 तक
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 05:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:32, सूर्यास्त 05:54 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:25, सूर्यास्त 05:46 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:26, सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : रुक्मिणी अष्टमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रवासी राजस्थानी निवेश कर राज्य के विकास में बन रहे सक्रिय सहभागी : भजनलाल

जयपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, चिकित्सा सहित अनेक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही, प्रदेश की भौगोलिक विविधता एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत इस विकास यात्रा को और मजबूती देती है। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश की इस प्रगति में बड़े साझेदार बने हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि हम सभी के सहयोग से राजस्थान को देशभर में अग्रणी राज्य बनाकर विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा किया जा सकेगा। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सूरत, लंदन, दुबई, सिंगापुर, कंपाला, टोक्यो, दोहा, म्यूनिख, न्यूयॉर्क , भुवनेश्वर, नैरोबी, कोलकाता एवं दिल्ली चैप्टर्स के सदस्यों के साथ संवाद कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सभी चैप्टर्स के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनके द्वारा राज्य में किए जाने वाले निवेश प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों की राज्य में निवेश के लिए हर संभव मदद की जाए। साथ ही, सिंगल विंडो क्लीयरेंस के माध्यम से उनके निवेश प्रस्तावों पर आवश्यक कार्यवाही की जाए। प्रवासी राजस्थानियों के हित में लगातार कार्य कर रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि प्रवासी राजस्थानियों का अपनी मिट्टी से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए हमारी सरकार ने प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस पर ऐतिहासिक आयोजन किया। प्रवासियों के कल्याण तथा उनके हितों के लिए 'राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामलात विभाग' का गठन किया गया है। साथ ही, प्रवासी राजस्थानी नीति भी लॉन्च की गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों के जुड़ाव को और मजबूत किया जा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर्स की घोषणा की गई है। जिससे इन चैप्टर्स की कुल संख्या अब बढ़कर 40 हो गई है।शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए प्राथमिकता से कार्य किया गया है। साथ ही, निवेशकों के लिए 'राजनिवेश' पोर्टल भी महत्वपूर्ण है, जिसके माध्यम से निवेशक मिनटों में ई–रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी कर अपने प्रोजेक्ट की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस दौरान देश–विदेश से आए विभिन्न चैप्टर्स के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस के अभूतपूर्व आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से दुनियाभर में बसे प्रवासी राजस्थानियों को एक मंच पर आने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि वे राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश कर रहे हैं और वे इस निवेश को और बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं, जिससे प्रदेश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सके।

संवाद के दौरान प्रवासी राजस्थानियों ने हॉस्पिटैलिटी एवं ट्यूरिज्म सेक्टर, वैलनेस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल लिटरेसी, आईटी, सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग फॉर विमेंस, फिल्म शूटिंग, फॉरेन लैंग्वेज, स्किल डेवलपमेंट, ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग, मेडिसिन एवं हैल्थ इक्विपमेंट, मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल सहित विभिन्न सेक्टर्स में निवेश करने की मंशा जताई। अधिकारियों द्वारा इस संबंध में निवेशकों को निवेश संबंधी प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी दी गई।

इस दौरान सभी चैप्टर्स द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। संवाद में 13 एनआरआर चैप्टर्स के सदस्यों सहित जाम्बिया, घाना व न्यूजीलैंड के प्रवासी राजस्थानियों ने भी हिस्सा लिया।

कुलगुरु प्रो. राय ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से की मुलाकात

सीकर/जयपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर के कुलगुरु प्रो.(डॉ.) अनिल कुमार राय ने नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट कर विश्वविद्यालय के आगामी दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने का औपचारिक आमंत्रण प्रदान किया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. राय ने शेखावाटी विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों की विस्तृत जानकारी से लोकसभाध्यक्ष को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि शेखावाटी विश्वविद्यालय में 28 मार्च 2026 को छठें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाएगा।प्रो. अनिल राय ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को विश्वविद्यालय में किए जा रहे नवाचारों, शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। प्रो. राय ने उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के पूर्ण क्रियान्वयन, इसके लिए गठित टास्क फोर्स की कार्ययोजना, प्रतिभा पोषण एवं कौशल विकास केंद्रों की प्रगति तथा सामाजिक सहभागिता पर आधारित राष्ट्र–केंद्रित युवा परियोजनाओं की रूपरेखा से परिचित कराया।

इस मौके पर दौरान प्रो.(डॉ.) राय ने अपनी पुस्तक 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की गंगोत्री : भारतीय ज्ञान परंपरा' और विश्वविद्यालय परिसर परिचय पुस्तिका भी लोकसभाध्यक्ष को भेंट की। यह शिष्टाचार भेंट विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण है, इससे उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार और नवाचारों को बढ़ावा मिलने की संभावनाएं और प्रबल हुई हैं।

राज्यपाल ने जयपुर टाइगर फेस्टिवल का किया शुभारंभ

जयपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि बप्पा रावल के नाम पर ही रावल पिंडी बना हुआ है। वह मेवाड़ के ऐसे पराक्रमी योद्धा थे जिन्होंने अरब से आए मीर कासिम को ईरान तक खदेड़ा। उन्होंने राजस्थान को वीरों की धरती बताते हुए कहा कि यहां सर्वाधिक बाघ अभ्यारण्य होने के साथ ही, प्रकृति संरक्षण परंपराएं भी जीवंत हैं। उन्होंने बाघों के साथ जल, जंगल और ज़मीन बचाने के लिए भी सबको मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। बागडे गुरुवार को जवाहर कला केंद्र में जयपुर टाइगर फेस्टिवल के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बाघ उत्सव में आयोजित फोटो प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और वन, वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य करने वाले विशिष्टजनों को सम्मानित किया। राज्यपाल बागडे ने कहा कि बाघों के होने से ही पारिस्थितिकी संतुलन बना रह सकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ती मनुष्य आबादी के साथ ही बाघों के प्राकृतिक आवास तेजी से संकुचित हो रहे हैं। उन्होंने बाघ संरक्षण के लिए जागरूकता का प्रसार किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बाघ अंब्रेला स्पेसिस है। वह रहेगा तभी जंगल और जंगली जीव सुरक्षित रह सकते हैं। इसी से पर्यावरण संरक्षण बना रहेगा। उन्होंने कहा कि देश में बाघ अभ्यारण्य बनने से ही जंगल बचे रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान भक्ति और शक्ति का ही प्रदेश नहीं है, गौ पालन का भी सबसे बड़ा स्थान है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन में राजस्थान देशभर में दूसरे स्थान पर है। गौ पूजा, गौशाला स्थापना में राजस्थान अग्रणी है। उन्होंने बाघ को विश्व का बहुत सुंदर और शक्तिशाली जीव बताते हुए कहा कि विश्व के 75 प्रतिशत बाघों की संख्या अकेले हमारे देश में हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के रणथम्भौर नेशनल पार्क, मुकुंदरा टाइगर रिजर्व व सरिस्का टाइगर रिजर्व को अच्छी श्रेणी का टाइगर रिजर्व माना गया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में कुल 160 बाघ हैं, जिनमें 144 जंगली और 16 कैप्टिविटी में हैं। रणथंभौर में सबसे ज़्यादा 71 बाघ हैं।

रिया रावल ने स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया : बड़ौली

चंडीगढ़, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। सोनीपत के गांव पिपली खेड़ा की पहलवान रिया रावल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। रिया रावल ने थाईलैंड में आयोजित प्रो कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। रिया की इस उपलब्धि पर गुरुवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली और मंत्री कृष्ण बेदी ने रिया को सम्मानित किया तथा स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। बड़ौली ने कहा कि रिया रावल ने स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हमें अपनी बेटियों पर गर्व है। उन्होंने कहा कि मोदी और नायब सरकार बेटियों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने और उनके सपनों को नई उड़ान देने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। बड़ौली ने कहा कि रिया रावल ने ना केवल अपनी प्रतिद्वंदी को पटखनी दी, बल्कि भारतीय खेल की मजबूती और बेटियों की शक्ति को भी दुनिया के सामने साबित किया। बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में नायब सैनी सरकार खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की खेल नीति पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ है। हरियाणा की खेल नीति का ही परिणाम है कि हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। बड़ौली ने कहा कि हरियाणा की नायब सैनी सरकार ने खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रदेश में खेल नर्सरियां खोली है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार खलाड़ियों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करते हुए उनकी प्रतिभा को नई दिशा दे रही है। उन्होंने कहा कि आज हमारे खिलाड़ी अपने परिश्रम से शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडलों की झड़ी लगा रहे हैं। हरियाणा सरकार में मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि हमें अपनी बेटियों पर गर्व है और हमारी सरकार बेटियों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए संकल्पित है। बेदी ने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और मेधा से दुनिया भर में देश का नाम रोशन कर रही हैं।कृष्ण बेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। हरियाणा में युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरियां दी जा रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के सांसदों के साथ की बैठक

विकास कार्यों पर हुई चर्चा, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी रहे मौजूद

चंडीगढ़, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में हरियाणा के सांसदों के साथ बैठक की। इस दौरान केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सांसदों के लोकसभा क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों पर बारीकी से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार हर क्षेत्र में विकास कार्य कर रही है। सांसदों के लोकसभा क्षेत्रों में भी निरंतर विकास कार्य जारी है। उन्होंने बैठक में सभी सांसदों से उनके क्षेत्र से जुड़ी मांगों को लेकर भी चर्चा की और विकास कार्यों पर मंथन किया। उन्होंने कहा कि बैठक का मकसद विकास कार्यों को और तेज गति से आगे बढ़ाना है ताकि आमजन को सरकारी परियोजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस मौके पर सांसदों ने केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल के समक्ष भी अपनी मांगें रखी। इस बैठक मे लोकसभा सांसद धर्मवीर सिंह, नवीन जिंदल, राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, सुभाष बराला, रेखा शर्मा, कार्तिकेय शर्मा मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज की जनसुनवाई में एक्शन

प्रॉपर्टी डीलर पर केस दर्ज करने व महिला को धमकाने वाले बिजलीकर्मी पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

अंबाला, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज अंबाला छावनी में अपने आवास पर अम्बाला छावनी विधानसभा क्षेत्र के लोगों की जनसुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों कार्रवाई के दिशा–निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री अनिल विज के समक्ष बीडी फ्लोर मील के पास लक्की नगर निवासी कई महिलाओं ने प्रापर्टी डीलर द्वारा उन्हें पहले जमीन देने व बाद में इस जमीन पर किसी और व्यक्ति द्वारा अपना हक जताने की शिकायत दी। महिलाओं का आरोप था कि वह कालोनी में पक्की गली का निर्माण कराना चाह रहे थे। मगर, वहां व्यक्ति द्वारा उन्हें जबरन जगह खाली करने व बुलडोजर चलाने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि कालोनी में उन्होंने एक प्रापर्टी डीलर के मार्फत जमीन खरीदी थी, मगर वह भी मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। श्री विज ने मौके पर मौजूद डीएसपी अम्बाला कैंट को प्रापर्टी डीलर के खिलाफ केस दर्ज करने के निर्देश दिए। अंबाला के सुंदर नगर से आई महिला फरियादी ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज को अपनी शिकायत देते हुए आरोप लगाया कि उनके घर एक बिजली कर्मी लगातार आ रहा है जोकि पूरे घर की वीडियोग्राफी कर रहा है और उन्हें बार–बार धमका रहा है। महिला ने मंत्री अनिल विज को बताया कि उसके घर में बेटियां है मगर बिजली कर्मी लगातार उन्हें परेशान करने की मंशा से उन्हें परेशान कर रहा है जबकि उनका बिजली मीटर भी घर के बाहर लगा हुआ है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने मामले में बिजली निगम के एक्सईएन को फोन लगाते हुए उक्त कर्मी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली कर्मी द्वारा बार–बार महिला को परेशान क्यों किया जा रहा है। उन्होंने एक्सईएन को मामले में जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

इसी तरह, ऊर्जा मंत्री अनिल विज के समक्ष चार लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में महिला ने शिकायत दी, जिस पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अंबाला कैंट थाना पुलिस को मामला दर्ज करने के निर्देश दिए। घसीटपुर से आए लोगों ने गांव में पुराने खंभों के स्थान पर नए खंभे लगाने की मांग की जिस पर मंत्री विज ने बिजली निगम अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। छावनी निवासी महिला ने एक व्यक्ति पर उसके दो लाख रुपए नहीं देने की शिकायत दी। महिला ने बताया कि उसने अपना मकान नौ लाख रुपए में एक व्यक्ति को बेचा था, मगर व्यक्ति द्वारा केवल सात लाख रुपए की राशि उसे दी गई जबकि शेष दो लाख की राशि अब तक नहीं दी गई है। इस मामले में भी मंत्री अनिल विज ने पड़ाव पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए।डिफेंस एन्कलेव से आए निवासियों ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज को शिकायत देते हुए कहा कि गली में एक व्यक्ति द्वारा अपना मकान दो फुट आगे बना लिया है जिससे गली की चौड़ाई कम हो गई है। इस मामले में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अंबाला छावनी एसडीएम को गली में पैमाइश कराकर जांच के निर्देश दिए। इसी तरह, ऊर्जा मंत्री अनिल विज के समक्ष महिलाओं ने शिकायत देते हुए आरोप लगाया कि उनकी बेटियां फिलेडल्फिया जीएनएम नर्सिंग कर रही है, मगर तीन वर्ष से कोई परीक्षा नहीं ली गई।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण बढ़ रही कनकनी, पटना के सभी स्कूलों का समय बदला

पटना/एजेंसियां। बिहार में पक्षिणी विक्षोभ के कारण ठंड लगातार बढ़ रही है। पछुआ हवा 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है। आज सुबह काफी ठंड महसूस हुई। कई जिलों में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। इधर, पटना, पूर्णिया बेगूसराय, रोहतास, किशनगंज, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सारण, भागलपुर, बांका समेत कई जिलों में सुबह के समय कोहरा छाया रहा, जिसके कारण बाइक और कार चालकों को दृश्यता कम होने से परेशानी का सामना करना पड़ा। इन जिलों में कुछ जगहों पर दृश्यता महज 50 मीटर रहा। इधर, पटना में बढ़ते ठंड को देखते हुए सभी स्कूलों का समय भी बदल गया है। अब कक्षा आठवीं तक सुबह साढ़े आठ बजे से पहले किसी भी स्कूल में पढ़ाई नहीं होगी। पटना जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार, 18 दिसंबर तक पटना के किसी भी विद्यालय में आठवीं कक्षा तक सुबह 8.30 बजे से पहले नहीं पढ़ाई नहीं होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि गिरते तापमान को देखते हुए स्कूलों का समय बदला गया है।

यह निर्णय बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। विद्यालय प्रबंधन को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने और छात्रों व अभिभावकों को समय परिवर्तन की जानकारी समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक प्रदेश का मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है। हालांकि, अगले दो से तीन दिनों के दौरान कुछ स्थानों पर सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरे की स्थिति रह सकती है। कोहरे के कारण हवा ऊपर नहीं उठ पा रही है, जिससे ठंडी हवाएं वायुमंडल के निचले स्तर पर ही बनी हुई हैं। इसी कारण प्रदेश में ठिठुरन बढ़ गई है। हवा की रफ्तार बढ़ेगी तो ठंड और अधिक महसूस होगी। पूर्वी बिहार में कोहरा और बढ़ेगा। लोगों से अपील की गई है कि सुबह शाम निकलते समय सावधानी बरतें। अगले दो से तीन दिनों तक अधिकतम तापमान में और अगले दो से तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश का मौसम पूरी तरह शुष्क रहा। फॉरबिसगंज (अररिया) में अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे अधिक रहा, जबकि राज्यभर में अधिकतम तापमान 22.8 से 28.2 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। न्यूनतम तापमान की बात करें तो बक्सर में 08.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश का सबसे कम तापमान रहा। राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव दर्ज नहीं किया गया। पटना में सुबह के समय न्यूनतम दृश्यता 50 मीटर तक रही, जबकि वर्षा कहीं भी दर्ज नहीं हुई।

अनियंत्रित कार की टक्कर से अधेड़ की मौत, चालक फरार

पटना/एजेंसियां।

जीबी नगर थाना क्षेत्र के तरवारा हाता टोला गांव के पास एनएच 227ए पर गुरुवार सुबह उस समय अफरा तफरी मच गई जब तरवारा से हाता टोला गाँव जा रहे साइकिल सवार एक अधेड़ को अनियंत्रित कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान उसुरी गिरी टोला निवासी स्वर्गीय बिंदेश्वरी गिरी के 68 वर्षीय पुत्र कुँवर गिरी के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, कुंवर गिरी साइकिल से तरवारा हाता टोला गाँव में किसी से अष्टयाम में मिले बकाया रुपये लेने जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार के चालक ने उनकी साइकिल में पीछे से धक्का मार दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक अपने साथ कार सवार को लेकर कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही अवर निरीक्षक सुजीत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया। साथ ही मृतक कुंवर गिरी के शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक कुंवर गिरी अष्टयाम और पूजा पाठ का कार्य कर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। कुंवर गिरी अपने पीछे चार पुत्र शंकर गिरी, दिलीप गिरी, प्रमोद गिरी और चंदन गिरी और दो पुत्रियां उर्मिला देवी व मीना देवी को छोड़ गए हैं। सभी बच्चों की शादी हो चुकी है और परिवार सुखी संपन्न है। जैसे ही पोस्टमार्टम के बाद शव पैतृक गांव उसुरी गिरी टोला पहुंचा, मृतक के पुत्र पुत्रियों और रिश्तेदारों की हृदयविदारक चीत्कार से पूरा गांव गमगीन हो उठा। देखते ही देखते मृतक के घर पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। थानाध्यक्ष जितमोहन कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में शामिल कार को जब्त कर लिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। आगे की कार्रवाई परिजनों के लिखित आवेदन के आधार पर की जाएगी।

शिवहर जिले में चारों शीर्ष पदों पर महिलाओं के हाथ में कमान

शिवहर/एजेंसियां।

जिले ने इस बार एक ऐसा अनोखा और ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किया है, जिसकी चर्चा पूरे बिहार में हो रही है। जिले में चारों शीर्ष पद सांसद, विधायक, एमएलसी और जिला पदाधिकारी एक साथ महिलाओं के हाथों में हैं। यह स्थिति न सिर्फ बिहार में पहली बार बनी है, बल्कि महिला नेतृत्व का यह मजबूत मॉडल पूरे देश के लिए प्रेरणादायी उदाहरण माना जा रहा है। लोकसभा में शिवहर का प्रतिनिधित्व सांसद लवली आनंद कर रही हैं। एमएलसी पद पर रेखा कुमारी जिम्मेदारी संभाल रही हैं, वहीं शिवहर विधानसभा सीट से पहली बार निर्वाचित हुईं डॉ. श्वेता गुप्ता ने जिले की राजनीति को नई

पहचान दी है। इसके साथ ही जिले की पहली महिला जिलाधिकारी प्रतिभा रानी की नियुक्ति ने प्रशासनिक व्यवस्था में नई ऊर्जा और पारदर्शिता जोड़ी है। चारों स्तरों पर महिलाओं की यह कमान शिवहर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस अनोखे संयोजन के बाद आम लोगों में विकास को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि महिला नेतृत्व आते ही जिले में कार्य संस्कृति बदली है। प्रशासनिक स्तर पर पारदर्शिता बढ़ी है, योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आई है और जनसुनवाई अब अधिक संवेदनशील हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय से जिले का प्रशासनिक ढांचा और मजबूत हुआ है। नियमित बैठकों, फील्ड विज़िट और जनता से सीधे संवाद ने समस्याओं के समाधान की गति बढ़ा दी है। शिवहर के लोग उम्मीद कर रहे हैं कि यह महिला नेतृत्व आने वाले समय में जिले को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में अहम भूमिका निभाएगा।

रिश्वत देने के बाद भी नहीं मिला जीविका का 10 हजार रुपए का लाभ

पटना/एजेंसियां।

बिहार की महिलाओं के समर्थन से राज्य में नई सरकार का गठन तो हो गया है, लेकिन अब भी कई महिलाएं ऐसी हैं जिन्हें रिश्वत देने के बावजूद मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का लाभ नहीं मिला है। इसका विरोध करते हुए दर्जनों महिलाएं मढ़ौरा नगर पंचायत और प्रखंड मुख्यालय पहुंचीं और योजना में हो रही अनियमितताओं पर कड़ा ऐतराज़ जताया। महिलाओं ने बताया कि ऑनलाइन फॉर्म भरवाने और समूह में नाम जोड़ने के नाम पर उनसे पांच पांच सौ रुपए बतौर रिश्वत लिए गए। कई महिलाओं को 10

हजार रुपए की राशि मिल चुकी है, लेकिन बड़ी संख्या में महिलाएं अब भी लाभ से वंचित हैं, जबकि पैसा पहले ही ले लिया गया था। महिलाओं ने आरोप लगाया कि समूह चलाने वाली जीविका दीदी ने उनसे पैसा तो वसूल लिया, लेकिन पूछने पर आज कल कहकर टाल दिया जाता है। प्रखंड कार्यालय पहुंचीं महिलाओं ने जीविका कार्यालय ढूंढा, लेकिन कार्यालय न मिलने पर वे अन्य संबंधित कार्यालयों में शिकायत दर्ज कराने चली गईं। पीड़ित महिलाओं में इस बात को लेकर गहरी नाराजगी है कि उनसे लाभ देने का आश्वासन लेकर रूपया ले लिया गया, लेकिन योजना की राशि अब तक नहीं मिली। इस मामले पर समूह संचालक जीविका दीदी अंजू कुमारी का कहना है कि महिलाओं द्वारा जमा की गई राशि समूह में जमा कराई गई है। इसके बावजूद बड़ा सवाल यह है कि जब महिलाएं समूह की सदस्य हैं, तो उन्हें योजना का लाभ अब तक क्यों नहीं मिलाइसका जवाब न तो किसी अधिकारी के पास है, न ही जीविका समूह की दीदियों के पास। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत प्रत्येक परिवार की एक महिला को उसकी पसंद के रोजगार की शुरुआत के लिए पहली किस्त के रूप में 10 हजार रुपए दिए जाने थे। आगे चलकर रोजगार विस्तार के लिए दो लाख रुपए तक की राशि देने का भी प्रावधान है। इस योजना में प्रत्येक परिवार की एक महिला सदस्य को लाभार्थी बनाया गया है। ऐसे अविवाहित वयस्क महिलाएं जिनके माता पिता जीवित नहीं हैं, उन्हें भी योजना में पात्र माना गया है। शहरी क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी एक महिला सदस्य को भी लाभ दिया जाना था। जो महिलाएं समूह से जुड़ी नहीं थीं, उन्हें पहले समूह से जोड़ने और फिर जीविका की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन अपलोड करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई थी।

युवक की पोल से बांधकर पिटाई, भीड़ ने बाइक भी तोड़ी

पटना/एजेंसियां।

पटना के अगवानपुर गांव में दबंगों की गुंडागर्दी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां कुछ असामाजिक तत्वों ने आकाश कुमार नामक युवक को पकड़कर न सिर्फ बिजली के खंभे से बांध दिया, बल्कि उसकी बेरहमी से पिटाई भी की। भीड़ ने युवक की बाइक को भी तोड़ फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित आकाश कुमार ने बताया कि वह स्टेशन से नाश्ता कर घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव में पहले से मौजूद 10

20 युवक उसे जबरन खींचकर ले गए और खंभे से बांध दिया। इसके बाद आरोपियों ने उसे घसीटकर लात घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, इससे पहले भी आकाश के साथ मारपीट की घटना हो चुकी है। ग्रामीणों और हमलावरों का आरोप था कि आकाश ने गांव में गोली चलाई थी, इसी शक में उसे पकड़कर पीटा गया। लेकिन पुलिस ने जांच के बाद इस दावे को खारिज कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और भीड़ के चंगुल से युवक को मुक्त कर उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि घटनास्थल से फायरिंग का कोई सबूत या खोखा नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और कानून हाथ में लेने वालों की पहचान की जा रही है।

आईआईटी पटना का 14वां इंटर आईआईटी टेक मीट शुरू

पटना/एजेंसियां।

जिले के बिहटा स्थित आईआईटी पटना परिसर में चार दिवसीय 14वें इंटर आईआईटी टेक का भव्य उद्घाटन बिहार के राज्यपाल मोहम्मद आरिफ मोहम्मद खान ने किया। इस अवसर पर आईआईटी पटना के निदेशक प्रो. टी.एन. सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। देशभर के 23 आईआईटी से आए 2000 छात्र इस टेक मीट में हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह के बाद प्रो. टी.एन. सिंह ने राज्यपाल मोहम्मद आरिफ मोहम्मद खान को अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित

किया। बता दें कि राज्यपाल बनने के बाद यह उनका पहला दौरा था जब वे बिहटा स्थित आईआईटी पटना परिसर पहुंचे। उद्घाटन के दौरान राज्यपाल मोहम्मद आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि बिहार के लिए यह गर्व का विषय है कि पहली बार आईआईटी पटना में इस स्तर का आयोजन किया जा रहा है, जहां टेक्नोलॉजी पर विभिन्न प्रतियोगिताएं और चर्चा होंगी। उन्होंने कहा कि देशभर के 23 आईआईटी के छात्रों का यहां एकत्र होना बहुत बड़ी उपलब्धि है। राज्यपाल ने सभी प्रतिभागी छात्रों को ढेरों शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे चाहते हैं कि देश लगातार आगे बढ़े और बिहार का नाम रोशन होता रहे।

सड़क हादसे में साइकिल सवार अधेड़ की मौत

पटना/एजेंसियां।

नालंदा में गुरुवार की सुबह अज्ञात वाहन की चपेट में आने से साइकिल सवार अधेड़ की मौत हो गई। मामला नूरसराय थाना क्षेत्र के यमुनापुर गांव के पास की है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने बिहार शरीफ पटना मुख्य मार्ग पर शव को रखकर जाम कर दिया। मृतक की पहचान नूरसराय थाना क्षेत्र के सिरसिया बीघा गांव के रहने वाले स्वर्गीय ननन यादव के बेटे (45) दिलीप यादव के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मृतक के परिजन ने बताया कि साइकिल पर सवार होकर दिलीप यादव मजदूरी करने के लिए घर से बिहार शरीफ जा रहे थे। तभी बिहार शरीफ पटना मुख्य मार्ग के नूरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत यमुनापर गांव के पास अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। जिसके कारण घटनास्थल पर ही दिलीप यादव की मौत हो गई। घर से करीब 7 किलोमीटर दूर घटना हुई है। करीब 1 घँटे तक सड़क जाम की स्थिति बनी रही। जिसके कारण सड़क के दोनों छोर पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। इधर हादसे की सूचना मिलने के बाद जब परिजन घटनास्थल पर पहुंचे तो शव को देख चीख पुकार मच गई। सड़क हादसे में मौत और जाम की सूचना मिलने के बाद नूरसराय के प्रखंड विकास पदाधिकारी जियाउल हक, अंचलाधिकारी दीपक कुमार, नूरसराय थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार,एसआई रमेश पासवान दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और सड़क जाम कर रहे लोगों को समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया। परिजनों को पारिवारिक लाभ के तहत 20 हजार की आर्थिक मदद दी गई।

कपड़ा व्यवसायी मोहम्मद शहजाद की गोली मारकर हत्या

पटना/एजेंसियां।

बिहार के बेगूसराय में अपराधियों ने कपड़ा व्यवसायी मोहम्मद शहजाद की गोली मारकर हत्या कर दी। यह वारदात वीरपुर थाना क्षेत्र के परबंदा बाबा स्थान के पास सुबह के वक्त हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हथियारबंद अपराधी पहले से घात लगाए बैठे थे। जैसे ही शहजाद बाइक से वहां पहुंचे, बदमाशों ने उन्हें घेरकर नजदीक से ताबड़तोड़ गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अपराधी हथियार लहराते हुए फरार हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। परिजनों का आरोप है कि अपराधी उनसे

लगातार रंगदारी की मांग कर रहे थे, इसी को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस अभी सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। महज 24 घंटे पहले छौराही थाना क्षेत्र में जेडीयू नेता व पूर्व पंचायत अध्यक्ष निलेश कुमार की भी गोली मारकर हत्या हुई थी, जिससे जिले की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। सूचना मिलते ही एसपी मनीष मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। फॉरेंसिक टीम को साक्ष्य एकत्र करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और घटनास्थल व आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि मामले को जल्द सुलझाने के लिए टीम लगातार काम कर रही है। लगातार हो रही हत्याओं से आम लोगों में भय और तनाव का माहौल है।

पूर्वी चंपारण का ढाका विधानसभा में फर्जी मतदान का मामला लोकसभा में उठा

पटना/एजेंसियां।

बिहार विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद भी पूर्वी चंपारण का ढाका विधानसभा लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। यहां हुए कथित फर्जी मतदान का मुद्दा अब लोकसभा तक पहुंच गया है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में ढाका विधानसभा में बड़े पैमाने पर हुई फर्जी वोटिंग का मामला उठाया। उन्होंने चर्चा के दौरान बताया कि ढाका विधानसभा में बड़े पैमाने पर फर्जी तरीके से मतदान किया गया। कई ऐसे मतदाताओं के नाम पर वोट डाल दिए गए, जो मतदान के दिन विदेश में थे। इसके अलावा, कई मृत मतदाताओं के नाम पर भी वोटिंग की गई। कुछ मतदाता ऐसे भी पाए गए जिनके पास दो अलग-अलग इपिक नंबर थे और उन्होंने दो बार मतदान कर दिया। बताया गया कि ये सभी फर्जी मतदान मुख्य रूप से उन बूथों पर हुए, जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या अधिक है और जहां एक पार्टी के पोलिंग एजेंट केवल औपचारिक रूप से मौजूद थे। ढाका विधानसभा क्षेत्र मुस्लिम बहुल माना जाता है, जहां कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 3,35,000 है। यहां से राजद के फैसल रहमान ने भाजपा के पूर्व विधायक पवन जयसवाल को 178 वोटों से मामूली अंतर से हराया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com